नई दिल्ली
गुरुवार 8 अक्टूबर 2026
अश्विन मास कृष्ण पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 30, अंक : 171
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 33
न्यून. 23

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

हेनरी और केन्सो को रसायन में मिला नोबेल

नई दिल्ली। फ्रांस के वैज्ञानिक हेनरी बी. कागन और जापान के वैज्ञानिक केन्सो सोई को 2026 का नोबेल पुरस्कार रसायन विज्ञान दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार को इसकी घोषणा की। दोनों वैज्ञानिकों को असममित कार्बनिक संश्लेषण में नॉन-लीनियर प्रभावों और ऑटोकैटालिसिस की खोज के लिए यह सम्मान दिया गया है।



होम और कार लोन की ईएमआई 'बढ़ना' तय

नई दिल्ली। घर या गाड़ी की ईएमआई चुका रहे लोगों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने बड़ा फैसला लिया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी करते हुए इसे 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया। करीब साढ़े तीन साल बाद यह पहला मौका है।



बतौर पीएम-सीएम 25 साल पूरे, रिकॉर्ड बनाया

प्रधानमंत्री मोदी 50 मिनट के संबोधन में 19 बार बोले - वी विल डू इट

भारत के विकसित होने तक न थकूंगा, न रुकूंगा

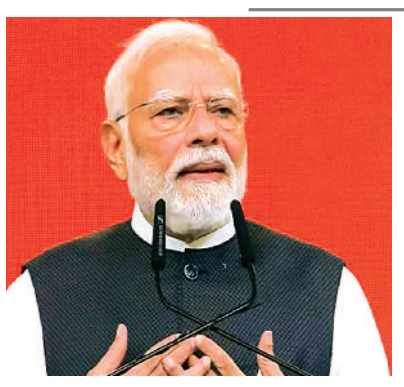

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे।' पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सभा' में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे के भाषण में कहा कि जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा। मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई। उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो। मोदी ने कहा कि हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये अहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। ▶▶शेष पेज 5 पर

प्रधानमंत्री ने कहा, बुद्ध से लेकर विवेकानंद तक, जो राष्ट्र वैचारिकी का अनुष्ठान करता रहा हो, उस राष्ट्र की सेवा करते हुए मुझे कभी अकेलापन नहीं लगा

मैं महत्वाकांक्षा नहीं मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया

25 सालों का आकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा?



पीएम मोदी लोगों का अभिवादन करते हुए

मैं अधिक ऊर्जा से काम और जनता की सेवा कर सकूं

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह जनता के आशीर्वाद का परिणाम है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए पर विश्वास रखने वाली सभी राजनीतिक पार्टियों का आभार। मैं जनता के चरणों में शीश झुकाकर नमन करता हूं। विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में जनता ने मुझे अपनी सेवा के लिए चुना। मैंने सुबह परमात्मा से 140 करोड़ देशवासियों के लिए प्रार्थना की कि मुझे इतनी शक्ति और ताकत दें कि मैं अपने देश के लिए और अधिक ऊर्जा से काम कर सकूं और उनकी सेवा कर सकूं।

वरिष्ठ नेता आडवाणी से की पीएम ने भेंट



पीएम मोदी ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से उनके घर जाकर मुलाकात की और यह तस्वीर एक्स पर शेयर भी की

मैं जो भी हूं, जनता की वजह से हूं

पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं जो भी हूं, जहां भी हूं, जिस दायित्व पर हूं, इसमें जनता का सबसे बड़ा योगदान है। मेरे लिए जनता जनार्दन ही भगवान है। देश ने बहुत कुछ दिया है, इसलिए देश के लिए दायित्व भी बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि चुनाव ने सिखाया कि साधन-संसाधन भले ही कम हों, लेकिन हौसले और सपने बड़े होने चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, बुद्ध से लेकर विवेकानंद तक, जो राष्ट्र वैचारिकी का अनुष्ठान करता रहा हो, उस राष्ट्र की सेवा करते हुए मुझे कभी अकेलापन नहीं लगा। कभी लगा ही नहीं कि मैं अकेला हूं। मुझे स्वयंसेवकों का भी भरपूर साथ मिला है। हम सेवक हैं मानवता के, सेवा धर्म हमारा है, दीन-दुखी की सेवा करना, निश्चित कर्म हमारा है।

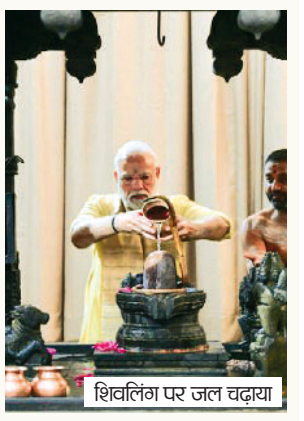

शिवलिंग पर जल चढ़ाया

प्रार्थना कि विघ्नहर्ता की कृपा से सबका कल्याण हो और देश निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे

मंदिर में प्रसाद भी ग्रहण किया

प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली के श्री विनायक मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली के सरोजिनी नगर स्थित श्री विनायक मंदिर में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। यह अवसर सरकार के मुखिया के रूप में उनके 25 वर्ष पूरे होने का था। प्रधानमंत्री ने मंदिर में भगवान श्री गणेश के दर्शन किए, प्रसाद ग्रहण किया और परिसर में विभिन्न स्थलों पर प्रार्थना भी की। इस दौरान उन्होंने देशभर के लोगों की सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। तब से वे लगातार सत्ता में हैं। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में। उन्हें इस जिम्मेदारी को निभाते हुए ठीक 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। अपने सोशल मीडिया पोस्ट ▶▶शेष पेज 5 पर

कहा, लखपति दीदियों, किसानों, गरीबों और युवाओं को सशक्त कर मोदी ने कल्याणकारी योजनाओं को जनभागीदारी और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाया है

प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की तपस्या से विकसित भारत 2047 का संकल्प आकार ले रहा: नवीन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सभा' को संबोधित किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्ष पूरे होने पर उनका अभिनंदन किया। नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संघर्ष, संकल्प और सेवा की यात्रा ने जनसेवा को राष्ट्रसेवा का माध्यम बनाया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 2014 के बाद गरीब, युवा, किसान और नारी शक्ति के लिए चलाई गई योजनाओं से ▶▶शेष पेज 5 पर



विपक्षी सांसदों की 'लंच डिप्लोमेसी'

खड़गे के न्योते पर जुटे विपक्षी सांसद, सीईसी पर बढ़ा मुलाकात का दबाव



सांसद प्रियंका गांधी संविधान की किताब हाथ में लेकर सड़क पर लेट गईं

प्रियंका ने कहा-संविधान नहीं छोड़ूंगी...

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विपक्ष और सरकार के बीच बढ़ते टकराव के बीच बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी सांसदों के लिए दिल्ली में दोपहर के भोजन का आयोजन किया।

भोजन पर बैठक का मुख्य उद्देश्य विपक्षी सांसदों को एकजुट करना और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात के लिए सामूहिक रूप से पत्र तैयार कर उस पर हस्ताक्षर करना था। बैठक ऐसे समय हुई है जब एक दिन पहले मंगलवार को इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने विशेष गहन पुनरीक्षण और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर निर्वाचन सदन की ओर मार्च किया था। पुलिस ने मार्च को रोक दिया था, जिसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई ▶▶शेष पेज 5 पर

लंच होगा, लॉन्च भी होगा

बैठक में शामिल होने पहुंचे आरजेडी सांसद मनोज झा ने इसे लेकर कहा कि "लंच होगा, शायद लॉन्च भी होगा", जिससे संकेत मिला कि बैठक में विपक्ष के अगले चरण के आंदोलन की रूपरेखा भी तय हो सकती है। सीपीआई सांसद पी. संदोश कुमार ने भी कहा कि पहले लंच होगा, उसके बाद चर्चा कर कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने विपक्षी एकजुटता का दावा करते हुए कहा कि और दलों के भी आंदोलन में शामिल होने की उम्मीद है।



24 घंटे में राहुल गांधी और प्रियंका 'दूसरी बार' अरेस्ट

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर बुधवार को कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन के सांसदों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। दोपहर में एक साथ लंच करने के बाद सभी सांसद जंतर-मंतर के लिए रवाना हुए, जहां पुलिस से टकराव के बीच राहुल गांधी को हिरासत में लिया गया। कुछ देर बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। प्रियंका गांधी को भी अरेस्ट किया गया। उन्हें भी रिहा कर दिया गया।

लंच के बाद तय होगी आगे की रणनीति

खड़गे द्वारा आयोजित इस बैठक को महज लंच के बजाय विपक्ष की आगे की राजनीतिक रणनीति तय करने की महत्वपूर्ण कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। विपक्षी सांसदों से सीईसी को भेजे जाने वाले पत्र पर हस्ताक्षर कराए गए हैं। पत्र के जरिए विपक्षी सांसद मुख्य निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात के लिए समय मांगेंगे। चुनावी प्रक्रिया तथा एसआईआर से जुड़े अपने सवाल उनके सामने रखने की मांग करेंगे।



कहा, मैं विपक्ष के नेता से कहना चाहता हूँ कि जिन लोगों को अधिकार दिलाने की वह बात करते हैं, भारत की जनता ऐसे घुसपैठियों को कभी भी अधिकार नहीं देगी

सबसे बड़ा सवाल विपक्ष की राष्ट्रविरोधी नीयत और मंसूबों पर उठता है

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी पर अराजकता फैलाने का लगाया आरोप

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर दिल्ली में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। नवीन ने विपक्ष और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि इस देश के विपक्ष के नेता अराजकता के माहौल में असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मैं उनसे साफ़ तौर पर कहना चाहता हूँ कि भारत की जनता उनके मकसद और इरादे को कभी भी हकीकत नहीं बनने देगी। उन्होंने हमेशा उन लोगों की परवाह की है जो यहाँ की जनता के अधिकार छीनते हैं। वह असामाजिक तत्वों की मदद से दिल्ली में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। नितिन नवीन ने आगे कहा कि मैं विपक्ष के नेता से कहना चाहता हूँ कि जिन लोगों को अधिकार दिलाने की वह बात करते हैं, भारत की जनता ऐसे घुसपैठियों को कभी भी अधिकार नहीं देगी। आप किसकी परवाह करते हैं? आप किसके लिए लड़ रहे हैं?...अगर एसआईआर के ज़रिए ऐसे घुसपैठियों के नाम हटा दिए जाते हैं और फिर भी आप इसे लेकर देश के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं, तो सबसे बड़ा सवाल आप पर ही उठता है। ऐसी अराजक सोच का जवाब भारत की जनता देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व को यह बात स्पष्ट रूप से समझ लेनी चाहिए कि असामाजिक तत्वों के जरिए दिल्ली में अराजकता का वातावरण बनाने की कोशिश कभी सफल नहीं होगी। यदि एसआईआर के जरिए घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं और इसके लिए विपक्ष हमारे लोकतंत्र पर सवाल उठा रहा है, तो सबसे बड़ा सवाल विपक्ष की राष्ट्रविरोधी नीयत और मंसूबों पर उठता है।

कांग्रेस को देश के नागरिकों की नहीं, बल्कि अपने वोट बैंक और अवैध घुसपैठियों की चिंता है। भारत के नागरिकों के अधिकारों और हितों की कीमत पर घुसपैठियों के हित साधने के इस प्रयास को देशवासी कभी सफल नहीं होने देंगे।



फायरिंग और चाकू से दो लोगों पर हमले के चार आरोपी दबोचे

नई दिल्ली। शाहदरा इलाके में सोमवार रात एक घर में घुसकर महिला समेत दो लोगों पर जानलेवा हमला करने के मामले में चार नाबालिगों को पकड़ा गया है। जांच में पता चला कि यह हमला पिछले साल सीमापुरी इलाके में की गई एक बदमाश की हत्या का बदला लेने के किया गया था। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि सोमवार रात नौ बजकर 20 मिनट पर फर्श बाजार थाने को भीखम सिंह कॉलोनी में स्थित एक घर में गोलीबारी के संबंध में सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोली से घायल 21 साल के जावेद और चाकू से जख्मी उसकी मामी मैमूना बीबी (31) को हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया। इस बाबत हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया गया। मीणा के अनुसार, जांच में सामने आया कि घायल जावेद सीमापुरी इलाके के बदमाश अकबर की हत्या से संबंधित मामले में आरोपी था और फरार चल रहा था। इस मामले में सात आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। हमले में शामिल आरोपियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई और मुखबिरों को सक्रिय किया गया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात में टीम को संदिग्धों के संबंध में सूचना मिली जिसके बाद घटना में कथित रूप से शामिल चार नाबालिगों को पकड़ लिया गया। अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्तौल, दो कारतूस और दो चाकू बरामद किए गए।

कुछ लोगों के दबे होने की आशंका

सीमापुरी क्षेत्र में जर्जर इमारत गिरी, दो बच्चों समेत तीन की मौत, आठ घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शाहदरा जिले के सीमापुरी इलाके में बुधवार को एक चार मंजिला जर्जर इमारत ढह जाने से कई लोग मलबे में दब गये। खबर लिखे जाने तक एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी थी और आठ लोग घायल बताये गये थे। मरने वालों में दो बच्चे और एक 21 साल की महिला शामिल हैं। अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका के चलते बचाव कार्य देर रात तक जारी रहा।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार घटना के संबंध में दोपहर 3.30 बजे सूचना मिली, जिसमें कहा गया कि कुछ लोग मलबे में फंसे हो सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि इसके बाद दमकल की गाड़ियों के साथ एक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। कई घंटों के राहत एवं बचाव अभियान के बाद सात लोगों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया।

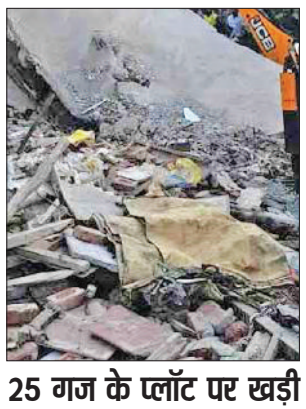

25 गज के प्लॉट पर खड़ी कर दी चार मंजिल

दिल्ली पुलिस के अनुसार इमारत गिरने की सूचना पर टीमें न्यू सीमापुरी के ई-ब्लॉक पहुंचीं। ई-401 नंबर में स्थित चार मंजिला इमारत गिर गई थी और चारों ओर चीख पुकार मची हुई थी। धूल का गुब्बार दूर तक देखा जा रहा था। लगभग 25 वर्ग गज के प्लॉट पर बनी इमारत बनी थी। इमारत गिरने से आसपास की दो इमारतें भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई है। प्रभावित इलाके से सात घायल लोगों को बचाया गया, जिनमें लगभग तीन साल का एक बच्चा भी शामिल है। बचाव और राहत कार्य देर रात भी जारी रहा।

बिना पिलर की इमारत में रहते थे करीब 30 लोग

स्थानीय लोगों के अनुसार, मकान गली के अंदर बना हुआ था। यह एल आकार का था और इसमें पिलर नहीं थे। इस इमारत में करीब 30 लोग रहते थे। ज्यादातर किरायेदार बताये गये हैं। करीब डेढ़ वर्ष पहले मकान में चौथी मंजिल का निर्माण कराया गया था। हादसे के समय मकान में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। खबर लिखे जाने तक केवल दो मंजिल का मलबा हटाया गया था। भारी-भरकम लेंटर के मलबे को हटाने में बचाव दल को परेशानी हो रही थी।

फिर गिरी बहुमंजिला इमारत, विधायक के पीजी पर कार्रवाई कब : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के चलते दिल्ली में फिर एक बहुमंजिला इमारत गिर गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे हादसे बार बार होते रहते हैं और अभी भी जारी है। बावजूद इसके भाजपा विधायक के एक अवैध पीजी पर आज तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। वही एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि फोटोशूट और दिखावे की राजनीति छोड़कर भाजपा सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए। नारंग ने कहा कि दिल्ली के शाहदरा नॉर्थ जोन, वार्ड दिलशाद कॉलोनी स्थित न्यू सीमापुरी में 5 मंजिला इमारत भरभरा कर गिर गई। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बेहद चिंताजनक है। भाजपा सरकार और भाजपा शासित एमसीडी के भ्रष्टाचार, लापरवाही और बदहाल व्यवस्था की पोल रोज खुल रही है। आखिर कब तक दिल्ली की जनता की जान के साथ खिलवाड़ होता रहेगा। नारंग ने कहा कि भाजपा सरकार को फोटोशूट और दिखावे की राजनीति छोड़कर जवाबदेही तय करनी चाहिए। भाजपा मेयर हादसे के जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई करें और प्रभावित परिवार को तत्काल राहत एवं मदद दी जाए। उन्होंने कहा कि इससे पहले पिछले माह 6 सितंबर को सत्य निकेतन में हुए पीजी हादसे में 7 निर्दोष बच्चों की जान चली गई थी। उसके बाद भाजपा केवल दिखावे के लिए अवैध निर्माण पर कार्रवाई का स्वांग रच रही है और फोटो शूट के दिखावे में लगी है।

रसोई गैस सिलेंडर में आग लगने से महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के नरेला क्षेत्र स्थित सनोठ गांव में मंगलवार देर रात एक मकान में रसोई गैस सिलेंडर में आग लगने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिवार को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार आग मंगलवार रात करीब आठ बजे आग लगी। मौके पर दमकल की दो गाड़ियां भेजी गई गई और करीब 35 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। डीएफएस ने बताया कि मौके से मंजू नाम की महिला का शव बरामद किया गया।

प्लास्टिक दाना बनाने वाली दो फैक्ट्रियों में लगी आग

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के भोरगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार तड़के प्लास्टिक के दाने बनाने वाली दो फैक्ट्रियों में आग लग गई। देखते ही देखते आग पास की दो अन्य फैक्ट्रियों की छतों तक भी फैल गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब साढ़े चार बजे आग लगने की सूचना मिली और 16 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। सुबह छह बजकर 15 मिनट तक आग पर काबू पा लिया गया। बाद में प्रभावित क्षेत्र के ठंडा करने का कार्य जारी रहा।

डीयू के नॉर्थ कैंपस कार्यालय में आग लगी

दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस स्थित एक कार्यालय में मंगलवार देर रात आग लग गई। इस घटना में फर्नीचर को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार रात 11:53 बजे विश्वविद्यालय परिसर में लॉ सेंटर-1 स्थित डीयू छात्र संघ (डूसू) के कार्यालय में आग लगने की सूचना मिली। दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग सोफे और फर्नीचर तक ही सीमित रही और उस पर जल्द ही काबू पा लिया गया।

35 लाख की चोरी के आरोप में घरेलू सहायिका अरेस्ट

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के राणा प्रताप बाग इलाके में एक घर से लगभग 35 लाख का सामान चोरी करने के आरोप में एक घरेलू सहायिका को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी महिला का नाम बुराड़ी निवासी ज्योति (30) बताया गया है। वह शिकायतकर्ता परिवार के यहां हाल ही में काम पर रखी गई थी। पुलिस के अनुसार महिला के पास से सोने व हीरे के आभूषण, विदेशी मुद्रा और नकदी समेत चुराया गया लगभग 35 लाख मूल्य का सामान बरामद कर लिया गया है। 29 सितंबर को भारत नगर थाने में इस मध्य ई-प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने बताया कि आर.पी. बाग क्षेत्र में चोरी का सामान छिपाकर रखा गया था।

सात से नौ अक्टूबर तक फिर से खुलेगी डीयू की माइग्रेशन विंडो : डूसू

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दिल्ली द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में विद्यार्थियों की माइग्रेशन संबंधी समस्या को लेकर लगातार उठाई जा रही मांग को विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्वीकार कर लिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) अध्यक्ष यश ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर डूसू लगातार विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखता रहा है। माइग्रेशन की समय-सीमा समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे, जिससे उन्हें गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विद्यार्थियों की इस समस्या को देखते हुए हमने प्रशासन से माइग्रेशन विंडो को फिर से खोलने और अतिरिक्त समय देने की मांग की थी। 6 अक्टूबर को हुए आंदोलन के बाद डीयू प्रशासन द्वारा 7 से 9 अक्टूबर तक माइग्रेशन विंडो पुनः खोलने का निर्णय विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विद्यार्थियों की एकजुटता और उनके अधिकारों के लिए लगातार उठाई गई आवाज की जीत है। हम आगे भी डीयू के प्रत्येक विद्यार्थी की समस्याओं को मजबूती से उठाते रहेंगे।

सत्य निकेतन जैसे बड़े हादसे के इंतजार में डीडीए व एमसीडी, जर्जर बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स दे रहा न्यौता

डीडीए के आला अधिकारी जवाब देना नहीं समझ रहे उचित, निगम भी दिखा रहा घोर लापरवाही

सत्यप्रकाश ⏭ नई दिल्ली

सत्य निकेतन में निजी पीजी वाली एक इमारत के गिरने में कई छात्रों की बेशकीमती जान गंवाने के बाद भी डीडीए और दिल्ली नगर निगम के आला अधिकारियों की आंखें नहीं खुली है। एशिया की सबसे बड़ी फल एवं सब्जी मंडी एपीएमसी के ठीक बगल में बसे आजादपुर ट्रांसपोर्ट सेंटर परिसर में डीडीए कॉम्प्लेक्स की तीन मंजिला कमर्शियल कॉम्प्लेक्स कभी भी भरभरा कर गिरने से की हालत में है। दूर से देखने पर यह कमर्शियल कॉम्प्लेक्स कम बल्कि किसी डरावनी फिल्म का भूतिया महल जैसा ज्यादा नजर आता है। कई जगह छत के बीचों बीच का लेंटर लगभग गिर चुका है,सरिए तक जंग से गल चुके है। बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स की छत



पर अब भी आस पास रहने वाले बच्चे अकसर खेलते नजर आ सकते हो कभी भी हादसे का शिकार हो सकते है। ऐसा नहीं है कि इसके बारे में डीडीए को कोई जानकारी नहीं है। लेकिन अवैध उगाही के चलते आज भी इस खतरनाक कॉम्प्लेक्स में सौ से अधिक लोग काम धंधा करते है। डीडीए ने लगभग 1980 के आस पास यहां एक बहुमंजिला कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाया जिसमें करीब 30-34 दुकानें आदि है। लेकिन इनमें से केवल भूतल पर ही कुछ दुकानें खुलती है, जिनमें ट्रक आदि की मरम्मत से जुड़े स्पेयर पार्ट व डेंटिंग पेंटिंग आदि का कार्य करते है। कॉम्प्लैक्स परिसर में दर्जनों लोगों ने अवैध कब्जे कर कार्य करते है। इस कॉम्प्लेक्स के साथ ही सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का एक भवन है जो अब जर्जर व जीर्णशीर्ण अवस्था में खाली पड़ा है। बकायदा बैंक प्रबंधन ने परिसर के बाहर बोर्ड लगा रखा है कि यह प्रॉपर्टी बिकाऊ है। इस गंभीर मामले पर डीडीए के चैयरमेन एलजीतरनजीत सिंह संधू के मातहत अधिकारी ही उनको अंधेरे में रख छवि धूमिल करने में जुटे है। ऐसे में अगर किसी कारण से यह कमर्शियल कॉम्प्लेक्स हादसे का शिकार हो जाए तो ऐसे में जानमाल की हानि की जिम्मेदारी कौन लेगा।

डीडीए ने 15 दिन बाद भी नहीं दिया कोई जबाब

इस मामले पर डीडीए के संचार विभाग के आला अधिकारी विजय पटेल को 22 सितंबर 2026 को फोटो व विवरण भेजा था। जिस पर पटेल ने भरोसा दिया था कि जल्द ही इसकी जानकारी देंगे। लेकिन उसके बाद से आज तक पटेल ने एक बार भी कॉल नहीं उठाई और न ही व्हाटसअप पर भेज संदेशों का भी आज तक कोई जवाब देना उचित समझा।

महापौर भी अपना रहे टालमटोल का रास्ता

इस मामले पर महापौर प्रवेश वाही ने भी टालमटोल का ही रास्ता अपनाया। उन्होंने कहा कि कमर्शियल कॉम्प्लेक्स खतरनाक अवस्था में होने पर उस पर डीडीए से बात करके कार्रवाई की जा सकती है। महापौर ने भरोसा दिया कि डीसी से बात करके पूरी जानकारी देंगे, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी।

स्थायी समिति की अध्यक्ष ने भी नहीं दिखाई दिलचस्पी

इस गंभीर मामले पर एमसीडी की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा का जबाब था कि हां हम कार्रवाई कर सकते है। उन्होंने भी भरोसा दिया कि इस मामले को संबंधित उपायुक्त को बताएंगी और कार्रवाई की जाएगी लेकिन कई दिन गुजरने के बाद भी कुछ नहीं हुआ।

एनडीएमसी ने जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण सेवा, और शौचालयों के गोद लेने की प्रक्रिया की ऑनलाइन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने बुधवार को तीन पहलों पूरी तरह ऑनलाइन एवं पेपरलेस जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण सेवा, सरकारी पशु चिकित्सालय के लिए व्यापक ऑनलाइन पालतू पशु सेवा प्लेटफॉर्म तथा वरिष्ठ अधिकारियों और परिषद सदस्यों द्वारा 346 सार्वजनिक शौचालयों को गोद लेने की पहल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मनोज ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य दैनिक सार्वजनिक सेवाओं को अधिक सरल, तेज, पारदर्शी और सुलभ बनाना है। इस अवसर पर एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल, परिषद सदस्य डी.पी. सिंह, सरिता तोमर और अनिल वाल्मीकि तथा वरिष्ठ मौजूद रहे। मनोज कुमार द्विवेदी ने कहा कि आज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का दिन है, क्योंकि हम पूरी तरह एंड-टू-एंड ऑनलाइन जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र सेवा नागरिकों को समर्पित कर रहे हैं। हमारा 'सिटीजन फर्स्ट' दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि प्रत्येक सेवा नागरिकों की जरूरत और सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार की जाए। मूलभूत नागरिक सेवाएं सरल, सुलभ और परेशानी-मुक्त होनी चाहिए तथा नागरिकों को बार-बार नगरपालिका कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ने चाहिए। नई व्यवस्था के माध्यम से, यदि नागरिकों के दस्तावेज सही हैं, तो वे अपने घर बैठे जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं और उन्हें प्राप्त भी कर सकते हैं। यह नगरपालिका सेवाओं को अधिक पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पीजीटी शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), दिल्ली के तत्वावधान में राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय विश्वास नगर, शाहदरा दिल्ली में पीजीटी अंग्रेजी शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल को और अधिक प्रभावी बनाना तथा उन्हें शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना रहा। इसी क्रम में कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबिंदो कॉलेज में प्रोफेसर हंसराज सुमन को विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने सुरक्षित यातायात व्यवहार को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के शिक्षकों को सड़क पर सुरक्षित आवागमन, यातायात नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा के प्रति व्यक्तिगत एवं सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में विस्तार से बताया गया।

साढ़े 10 लाख के जाली नोटों के साथ चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

रोहिणी पुलिस ने जाली नोटों की आपूर्ति करने और उन्हें बाजार में खपाने वाले रैकेट के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनसे करीब 10.50 लाख रुपये के जाली नोट बरामद किए गये। पकड़े गये लोगों के नाम राजस्थान के जयपुर निवासी 56 वर्षीय पुष्कर राज पुरबिया उर्फ 'डॉक्टर', बाड़मेर निवासी 22 वर्षीय गोसाई राम, सोनीपत निवासी 28 वर्षीय साहिल खरब और राजस्थान के चूरू निवासी 31 वर्षीय नरेंद्र कुमार बताये गये हैं। पुलिस ने गत माह के आखिरी में प्रशांत विहार थाना क्षेत्र के जापानी पार्क के पास छापेमारी कर पुष्कर राज पुरबिया, गोसाई राम और साहिल खरब को पकड़ा था। उनके पास से 500 रुपये मूल्यवर्ग के संदिग्ध नकली नोट और नकली नोट तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री बरामद की गई थी। इस संबंध में एक अक्टूबर को प्रशांत विहार थाने में मामला दर्ज किया गया था। डीसीपी शशांक जायसवाल ने बताया कि इसके बाद पूछताछ और तकनीकी निगरानी के आधार पर नरेंद्र कुमार को राजस्थान के चूरू से गिरफ्तार किया गया। डीसीपी के अनुसार कार्रवाई और बाद की जांच के दौरान 500 रुपये मूल्यवर्ग के संदिग्ध नकली नोटों की 21 गड्डियां बरामद हुई, जिनकी कुल कीमत करीब 10.50 लाख रुपये है। पुरबिया प्रॉपर्टी डीलर था और नकली नोटों की तैयारी तथा प्रसार के लिए अन्य आरोपियों के साथ समन्वय करता था। जबकि गोसाई राम पर सामग्री जुटाने और ऑनलाइन स्रोतों तथा सोशल मीडिया के जरिए नकली नोट तैयार करने की प्रक्रिया सीखने का आरोप है। साहिल खरब पर सामग्री जुटाने, सोनीपत में परिसर की व्यवस्था करने तथा नकली नोटों की तैयारी और प्रसार में कथित तौर पर मदद करने का आरोप है। नरेंद्र कुमार पर पुष्कर राज पुरबिया और गोसाई राम के संपर्क में होने तथा सामग्री जुटाने में मदद करने का संदेह है। पुलिस ने बताया कि पूरे गिरोह, नकली नोटों के स्रोत और गंतव्य तथा गिरोह में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष हुए पूर्ण

दिल्ली में भाजपा ने निकाली 'सेवा ज्योति यात्रा'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- आईजी स्टेडियम से राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिल्ली के सांसदों को मशाल देकर यात्रा को किया रवाना
- मुख्यमंत्री ने हाथ में सेवा ज्योति की मशाल लेकर यात्रा में किया मार्च

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 'सेवा ज्योति यात्रा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र की 'सेवा ज्योति' यात्रा को रवाना किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी कार्यक्रम और यात्रा में सम्मिलित हुईं और हाथ में 'सेवा ज्योति' की मशाल लेकर मार्च किया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा, रविन्द्र इंद्रराज एवं पंकज सिंह, सांसदगण, विधायकगण, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी, पार्टी पदाधिकारीगण सहित बड़ी संख्या



में कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होना देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। पिछले 25 वर्षों की उनकी सार्वजनिक यात्रा निरंतर जनसेवा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध से जुड़ी रही है। बिना रुके और बिना थके निरंतर कार्य करने की उनकी प्रतिबद्धता तथा देश को विकसित बनाने का संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देश की सेवा को अपना मूल ध्येय बनाया है। उनके सार्वजनिक जीवन के विभिन्न चरणों में जनकल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल परिवर्तन, सुशासन और राष्ट्रीय हित से जुड़े विषयों पर अनेक पहल और निर्णय सामने आए हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य देश के विकास को गति देना और नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम बनाने की दिशा में आगे बढ़ना रहा है।

'विकसित दिल्ली' के संकल्प को आगे बढ़ा रही सरकार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत -2047' का एक व्यापक संकल्प देश के सामने रखा है, जिसे 140 करोड़ भारतीयों की सहभागिता और सामूहिक प्रयास से साकार करने की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत के इस लक्ष्य के साथ दिल्ली भी 'विकसित दिल्ली' के संकल्प को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि देश के विकास और जनसेवा की यह यात्रा आगे भी निरंतर जारी रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश को विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने की प्रेरणा: मल्होत्रा

'सेवा ज्योति यात्रा' के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री व दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सेवा, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने की प्रेरणा है। 'सेवा ज्योति' इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने का माध्यम है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू पुत्र** जय भगवान **निवासी** मकान नं0 272, भूतल एवं प्रथम तल, हस्तसाल गांव, उत्तम नगर, नई दिल्ली–59, ने **CT Cases No. 315/2024, U/S 135 Indian Electricity Act, पुलिस स्टेशन उत्तम नगर, द्वारका जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CT Cases No. 315/2024, U/S 135 Indian Electricity Act, पुलिस स्टेशन उत्तम नगर, द्वारका जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.11.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री हरलीन सिंह
अति. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (दक्षिण–पश्चिम),
विशेष न्यायालय (विद्युत), कोर्ट नं0 509,
द्वारका कोर्ट, दिल्ली

DP/14263/DW/2026
(Court Matter)

एसबीईसी सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड

CIN: L74210DL1987PLC029979
पंजी. कार्यालय : 1400, हेमकुंट टावर 98, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली–110019
Ph.: 011-42504954/4878, Fax: 28293822
Email id: sbecsystems@rediffmail.com website: www.sbecsystems.in

फिजिकल शेयरों के हस्तांतरण आग्रह के पुनः प्रस्तुतीकरण हेतु स्पेशल विंडो का खुलना

कम्पनी के शेयरधारकों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि सेबी सरकुलर नं. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/I/3750/2026 दिनांक 30 जनवरी 2026 के अनुसरण में, फिजिकल शेयर जो 01 अप्रैल 2019 से पूर्व बेचे अथवा खरीदे गये थे, के हस्तांतरण और डिमैटीरियलाइजेशन ('डिमैट') हेतु एक स्पेशल विंडो 05 फरवरी 2026 से 04 फरवरी 2027 तक एक वर्ष की अवधि के लिए आगे खोली गई है।

यह सुविधा हस्तांतरण आग्रहों के लिए भी उपलब्ध होगी जो पूर्व में जमा करवाए गए थे परन्तु दस्तावेजीकरण में कमी(यां), प्रक्रियात्मक मुद्दों अथवा किसी अन्य कारण की वजह से निरस्त कर दिये गये थे, लौटा दिये गये थे, अथवा प्रोसेस नहीं किए गए थे।

शेयरधारक आगे ध्यान दें कि इस स्पेशल विंडो के तहत हस्तांरित किए गए शेयर केवल डिमैटीरियलाइज्ड रूप में हस्तांतरिती को अनिवार्य रूप से क्रेडिट किए जाएंगे और हस्तांतरण के पंजीकरण की तिथि से एक वर्ष की लॉक-इन अवधि के अधीन होंगे। उक्त लॉक-इन अवधि के दौरान, ऐसी प्रतिभूतियों को हस्तांतरित/गृहणाधिकार-चिन्हित, अथवा गिरवीकृत नहीं किया जाएगा।

शेयरधारकों से आग्रह किया जाता है कि ऐसे मामले शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) और किसी इश्यू के लिए रजिस्ट्रार के पास सभी सम्बन्धित दस्तावेजों सहित 04 फरवरी 2027 को या इससे पूर्व, मै. बीटल फाइनैंशियल एंड कम्प्यूटर सर्विसेज प्रा. लि., बीटल हाउस, तृतीय तल, 99 मदनगीर, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे, निकट दादा हरसुखदास मंदिर, नई दिल्ली-110062 में beetalrta@gmail.com पर पुनः दायर करें।

कृते एसबीईसी सिस्टम्स इंडिया लिमिटेड
हस्ता/-
हिमानी मित्तल
(कम्पनी सचिव)
एम.एन. एसीएस 37715

दिनांक : 07.10.2026
स्थान : नई दिल्ली

एसबीईसी शुगर लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : गांव लोयान मलकपुर, तहसील बड़ौत, जिला बागपत, उत्तर प्रदेश–250611
CIN: L15421UP1991PLC019160
Tel.: 01234-259206 Fax:+91-1234-259200
E-mail: investors@sbecsugar.com, Website: www.sbecsugar.com

फिजिकल शेयरों के हस्तांतरण आग्रह के पुनः प्रस्तुतीकरण हेतु स्पेशल विंडो का खुलना

कम्पनी के शेयरधारकों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि सेबी सरकुलर नं. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/I/3750/2026 दिनांक 30 जनवरी 2026 के अनुसरण में, फिजिकल शेयर जो 01 अप्रैल 2019 से पूर्व बेचे अथवा खरीदे गये थे, के हस्तांतरण और डिमैटीरियलाइजेशन ('डिमैट') हेतु एक स्पेशल विंडो 05 फरवरी 2026 से 04 फरवरी 2027 तक एक वर्ष की अवधि के लिए आगे खोली गई है।

यह सुविधा हस्तांतरण आग्रहों के लिए भी उपलब्ध होगी जो पूर्व में जमा करवाए गए थे परन्तु दस्तावेजीकरण में कमी(यां), प्रक्रियात्मक मुद्दों अथवा किसी अन्य कारण की वजह से निरस्त कर दिये गये थे, लौटा दिये गये थे, अथवा प्रोसेस नहीं किए गए थे।

शेयरधारक आगे ध्यान दें कि इस स्पेशल विंडो के तहत हस्तांरित किए गए शेयर केवल डिमैटीरियलाइज्ड रूप में हस्तांतरिती को अनिवार्य रूप से क्रेडिट किए जाएंगे और हस्तांतरण के पंजीकरण की तिथि से एक वर्ष की लॉक-इन अवधि के अधीन होंगे। उक्त लॉक-इन अवधि के दौरान, ऐसी प्रतिभूतियों को हस्तांतरित/गृहणाधिकार-चिन्हित, अथवा गिरवीकृत नहीं किया जाएगा।

शेयरधारकों से आग्रह किया जाता है कि ऐसे मामले शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) के पास सभी सम्बन्धित दस्तावेजों सहित 04 फरवरी 2027 को या इससे पूर्व, मै. बीटल फाइनैंशियल एंड कम्प्यूटर सर्विसेज प्रा. लि., बीटल हाउस, तृतीय तल, 99 मदनगीर, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे, निकट दादा हरसुखदास मंदिर, नई दिल्ली–110062 में beetalrta@gmail.com पर पुनः दायर करें।

कृते एसबीईसी शुगर लिमिटेड
हस्ता/-
ए.के. गोयल
सीएफओ

दिनांक : 07.10.2026
स्थान : नई दिल्ली

खबर संक्षेप

हर गिरफ्तारी, जुल्म और तानाशाही का होगा हिसाब : यादव

नई दिल्ली। हर जुल्म और हर तानाशाही का हिसाब होगा। वोट चोरों के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी है। यह बात जंतर मंतर राहुल गांधी के समर्थन में पहुंचे दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी)के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कही। गौरतलब है कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर नेता विपक्ष राहुल गांधी के समर्थन में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के साथ दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, सचिव प्रभारी अबरार सहित सैंकड़ों दिल्ली कांग्रेस कार्यकर्ता भी जंतर मंतर पर पहुंचे, तो वहां पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर सेक्टर 23 द्वारका पुलिस स्टेशन ले जाया गया। इस दौरान देवेंद्र यादव ने कहा कि देश में आज विरोध दर्ज कराना भी गुनाह बना दिया गया है। तानाशाह चाहे जितनी ताकत लगा ले, हम महात्मा गांधी के अनुयायी हैं, कांग्रेस के सिपाही है, गिरफ्तारियों से डरने वाले नहीं हैं। जब तक ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी नहीं होती और वोट चोरों को सजा नहीं मिलती, हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

डीडीएः झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों के इन-सीटू पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरणजीत सिंह संधू के मार्गदर्शन में दिल्ली मास्टर प्लान-2047 के तहत झुग्गी-झोपड़ी (जेजे) क्लस्टरों के इन-सीटू पुनर्वास की दिशा में प्रक्रिया शुरू कर दी है। डीडीए प्रशासन ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीडीए प्रशासन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य शहर की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को सम्मानजनक और बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना है। साथ ही, इसके माध्यम से बड़े पैमाने पर आवासीय एवं व्यावसायिक स्थान विकसित कर अधिक आबादी की आवास संबंधी जरूरतों को पूरा करने की संभावना है। डीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के विजन से प्रेरित मास्टर प्लान-2047 में दिल्ली के 650 से अधिक जेजे क्लस्टरों में रहने वाली लगभग 17 लाख आबादी के इन-सीटू पुनर्वास के माध्यम से सभी के लिए सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई है।

'एसआईआर के नाम पर काट दिए गए आधे से ज्यादा वोट'

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आप ने किया विरोध प्रदर्शन, मांगा इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतर चुकी आम आदमी पार्टी व अन्य ने बुधवार को दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध में जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एसआईआर में गड़बड़ी के सहारे चुनावों में धांधली की जा रही है। प्रदर्शन में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, विधायक संजीव झा, जरनैल सिंह और कुलदीप कुमार सहित अन्य मौजूद थे। प्रदर्शन को लेकर अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आप का प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली चुनाव में वोटों में हेराफेरी करके आप नेताओं को हराया गया, अब यही बेमानी पूरे देश में हो रही। उन्होंने कहा कि आप पार्टी मांग करती है कि चुनाव आयोग दिल्ली में काटे गए वोट दोबारा जोड़े और मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा दें। भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में 2025 के चुनाव अरविंद केजरीवाल की विधानसभा में 1,45,000 वोट थे, जिसमें से करीब 45,000 वोट काटकर उन्हें 4,000 वोटों से हरा दिया गया। यही बेईमानी अब पूरे देश में की जा रही है।

दिल्ली में एसआईआर के नाम पर आधे से ज्यादा वोट काट दिए गए। हमारी मांग है कि जिन लोगों के वोट काटे गए हैं, उनके वोट दोबारा जोड़े जाएं और सीईसी ज्ञानेश कुमार अपना इस्तीफा दें। उन्होंने आरोप लगाए कि हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद पुलिस द्वारा कई लेयर की बैरिकेडिंग करना उचित नहीं है। वहीं बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने कहा कि 2025 में दिल्ली में आप समर्थकों के वोट काटकर जो सरकार बनाई गई, वह अवैध और वोट चोरी की सरकार है। हमारा 2 अक्टूबर से लगातार संघर्ष चल रहा है और 10 अक्टूबर को इस लड़ाई के लिए एक निर्णायक आह्वान किया गया है।

बिना अनुमति आकाशवाणी भवन में घुसने पर राहुल, प्रियंका के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आकाशवाणी भवन में जबरन घुसने के आरोप में कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ मार्च निकाल रहे थे। मार्च को रोके जाने के बाद वे आकाशवाणी भवन के अंदर घुस गये और आठ घंटे से अधिक समय तक वहां धरना दिया था। करीब 250 लोगों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, उनके समर्थकों और उनके साथ मौजूद अन्य सांसदों के बिना अनुमति आकाशवाणी भवन परिसर में प्रवेश करने की शिकायत मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। विपक्षी सांसद मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व वाले निर्वाचन आयोग के कामकाज में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। वे वोट चोरी का मुद्दा भी उठा रहे थे। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों ने मंगलवार को संसद भवन से निर्वाचन आयोग तक मार्च करने की योजना बनाई थी। पुलिस ने कहा कि मार्च की अनुमति के लिए नई दिल्ली डीसीपी कार्यालय में न तो कोई आवेदन दिया गया था और न ही मार्च की अनुमति दी गई थी।

चुनाव आयुक्त के मामले को न्यायालय में क्यों नहीं ले जा रहे हैं राहुल : मल्होत्रा

नई दिल्ली। यदि राहुल गांधी के पास मुख्य चुनाव आयुक्त के विरूद्ध कोई सबूत है तो वह सड़कों पर तमाशा करने की जगह स्वंय मामले को न्यायालय में क्यों नहीं ले जा रहे हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने बुधवार को राहुल गांधी को लेकर यह बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि विगत 2 दिन से राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेताओं द्वारा जिस तरह नई दिल्ली क्षेत्र में प्रदर्शन के नाम पर तनाव बनाया हुआ है और उससे तीन दिन पहले आम आदमी पार्टी एवं कम्युनिस्ट पार्टी ने जिस तरह नई दिल्ली क्षेत्र को बाधित किया उससे साफ है कि इन दलों में कौन कितना लम्बा प्रदर्शन चलायेगा ऐसी आपसी प्रतिस्पर्धा चल रही है।



'हम जिस पर्यावरण की रक्षा करेंगे, वही बच्चों के भविष्य को करेगा तय'



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा भवन में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण बाल संसद-2026 को किया संबोधित

आज हम जिस पर्यावरण की रक्षा करेंगे, वहीं हमारे बच्चों के भविष्य को तय करेगा। यह बात बुधवार को दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा भवन में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण बाल संसद-2026 को संबोधित करते हुए कही। 'आज बोएंगे, कल बढ़ेगा' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में 7 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने विधानसभा के सदन में बैठकर पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ विकास और जिम्मेदार नागरिकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के माननीय उपाध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के संयोजक श्री गोपाल आर्य और सह-संयोजक राकेश जैन भी उपस्थित थे। बाल संसद की कार्यवाही की सराहना करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि बच्चों ने उस भावना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसके साथ किसी विधानमंडल को कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों को इस अपेक्षा के साथ सदन में भेजते हैं कि जनहित के विषयों पर गंभीरता, तथ्यों और तर्क के साथ चर्चा होगी। बाल संसद में बच्चों द्वारा की गई चर्चा न केवल युवाओं के लिए, बल्कि देश के सभी विधानमंडलों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण है। गुप्ता ने कहा कि सदन संवाद, तर्क और विचारपूर्ण चर्चा का मंच होता है। आज हमने यहां देखा कि सार्थक विचार-विमर्श लोकतंत्र को कितना मजबूत बना सकता है। कार्यक्रम के केंद्रीय विषय पर्यावरण संरक्षण का उल्लेख करते हुए गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण कोई सीमित या केवल नीतिगत विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के अस्तित्व से सीधे जुड़ा प्रश्न है।

कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधियों ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन के दिल्ली के घटक दलों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति के नाम दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ज्ञापन को सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से तीन मांगें रखी गई। पहली मांग में एसआईआर प्रक्रिया को रद्द करने और मतदाता सूची से बाहर किए गए सभी पात्र मतदाताओं के नाम बहाल करके उनके नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करने और एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। दूसरी मांग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा देने की मांग की गई और तीसरी मांग में चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग की गई है। ज्ञापन में राष्ट्रपति से मांग की गई कि वह देश के नागरिकों के मताधिकार तथा लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करें। लोकतंत्र में मताधिकार प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है जिसको एसआईआर प्रक्रिया पात्र मतदाताओं के वोट को काटकर उन्हें वोट के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। उन्हें वोट के अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' को मिला अच्छा रिस्पॉन्सः डॉ. पंकज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' पहल को महिला यात्रियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक अक्टूबर से लेकर 6 अक्टूबर 2026 के बीच 35 लाख से ज़्यादा महिलाओं ने डीटीसी बसों में सफर किया है। विशेष तौर पर 3 अक्तूबर 2026 से जब दिल्ली सरकार ने स्मार्ट कार्ड-आधारित मुफ़्त यात्रा सुविधा शुरू करने का नोटिफ़िकेशन जारी किया था, तब से लेकर 25 लाख से ज़्यादा महिला यात्रियों ने डीटीसी की बसों में सफ़र किया है। इस जबरदस्त प्रतिक्रिया से एनसीएमसी-इनेबल्ड 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' को मिल रहे समर्थन का पता चलता है। इस कार्ड की मदद से राजधानी दिल्ली में रहने वाली सभी पात्र महिलाएं एसी और नॉन-एसी दोनों तरह की डीटीसी बसों में मुफ़्त सफ़र कर सकती हैं। यह सुविधा दिल्ली में रहने वाले ट्रांसजेंडर लोगों के लिए भी उपलब्ध है। दिल्ली सरकार ने उन महिलाओं से अपील की है, जिन्होंने अभी तक अपना 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' नहीं बनवाया है, ताकि वे अपनी सुविधा के अनुसार अपने नजदीकी तय सेंटर पर जाकर या स्पेशल कैंप में पहुंचकर कार्ड बनवा सकती हैं। स्मार्ट कार्ड बनाने की प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी, जब तक राजधानी दिल्ली की सभी पात्र महिलाएं कवर नहीं हो जातीं हैं। दिल्ली में रहने वाली जिन महिलाओं को अभी तक अपने स्मार्ट कार्ड नहीं बनवाया है, उन्हें परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने भरोसा देते हुए कहा है कि किसी को भी घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि पूरी दिल्ली में कार्ड बनाने और जारी करने की प्रक्रिया लगातार चल जारी है।

डीयू में 'अवसर 2.0' का आयोजन

10 लाख से अधिक तक के वार्षिक वेतन पैकेज के अवसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के तत्वावधान में केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने बुधवार को 'अवसर 2.0' रोजगार एवं इंटर्नशिप मेले का आयोजन किया। डीयू प्रशासन से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार, यह मेला नॉर्थ कैंपस स्थित बहुउद्देशीय सभागार में सुबह 9 बजे से प्रारम्भ होकर देर शाम तक चला। डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह के मार्गदर्शन में तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के तत्वावधान में यह आयोजन हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए 10 लाख रुपये से अधिक तक के वार्षिक वेतन पैकेज के अवसर उपलब्ध रहे, जबकि इंटर्नशिप के लिए अधिकतम 60 हजार रुपये प्रतिमाह तक के स्टाइपेंड के अवसर भी प्रदान किए गए। 'अवसर 2.0' का उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के 'अवसर 2.0' का उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रतिष्ठित कंपनियों एवं संस्थानों से सीधे संवाद का मंच प्रदान करना तथा उनके लिए रोजगार और इंटर्नशिप की बेहतर संभावनाएँ उपलब्ध कराना है। 'अवसर 2.0' में लगभग 69 कंपनियों एवं संगठनों ने सहभागिता की तथा 7,000 से अधिक विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। मेले में विभिन्न क्षेत्रों की देशी एवं विदेशी कंपनियों और संस्थानों ने विद्यार्थियों को रोजगार तथा इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए।

आप सरकार की गलत योजना से बारापुला पर लग रहा जामः प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



- वर्षों की देरी और भारी वित्तीय बोझ के बाद शुरू हुई परियोजना

दिल्ली में पिछली आम आदमी पार्टी सरकार की गलत परियोजना के चलते इन दिनों बारापुला फेज 3 पर यातायात जाम की समस्या देखने को मिल रही है। बारापुला फेज-3 को दिल्ली की ट्रैफिक समस्या कम करने और मयूर विहार, सराय काले खां तथा दक्षिण दिल्ली के बीच बेहतर कनेक्टिविटी देने के उद्देश्य से बनाया गया था। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि परियोजना शुरू होने के बाद सामने आई ट्रैफिक की स्थिति ने पिछली आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल में हुई प्लानिंग, डिजाइन और ट्रैफिक इंटीग्रेशन से जुड़े फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि जिस परियोजना को वर्ष 2017 तक पूरा होना था, वह वर्षों तक लंबित रही और जब यह आखिरकार शुरू हुई तो इसके कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों में ट्रैफिक के मर्ज होने से नई बोतलनुमा आकार की स्थिति सामने आ गई। परियोजना को वर्ष 2014 में मंजूरी मिली थी और अप्रैल 2015 में इसका निर्माण शुरू हुआ था। लेकिन निर्धारित समय सीमा में काम पूरा नहीं हो सका। भूमि अधिग्रहण, पेड़ों की अनुमति, यूटिलिटी शिफ्टिंग और अन्य समस्याओं के कारण परियोजना लगातार आगे खिसकती रही।

लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश ने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में हुई योजना और उसके निर्माण की कमियों की समीक्षा जरूरी है, लेकिन अब सरकार का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली के लोगों को राहत देना है। बारापुला की मौजूदा समस्या के लिए कौन जिम्मेदार है, इसकी समीक्षा अपनी जगह है। लेकिन दिल्ली की जनता को इसका खामियाजा नहीं भुगतना चाहिए। हमारा फोकस आज की समस्या को तुरंत कम करने और ऐसा स्थायी समाधान तैयार करने पर है, जिससे आने वाले वर्षों में भी ट्रैफिक सुचारु रहे।

मंत्री प्रवेश ने बताया कि यातायात प्रबंधन और संरचनात्मक डिजाइन के विशेषज्ञ सलाहकार (कंसल्टेंट) की नियुक्ति की जाएगी। यह सलाहकार पूरे कॉरिडोर का व्यापक और समग्र मूल्यांकन करेगा तथा यातायात व्यवस्था, सड़क एवं संरचनात्मक स्थिति समेत विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेगा। इसके बाद वह समस्या के तत्काल समाधान के लिए अल्पकालिक उपायों तथा स्थायी एवं दीर्घकालिक सुधार के लिए दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश करेगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि बारापुला फेज-3 की प्लानिंग, डिजाइन और इससे जुड़े कई महत्वपूर्ण एग्जीक्यूशन फैसले पिछली अरविंद केजरीवाल सरकार के कार्यकाल में लिए गए थे। उन्होंने कहा कि आज परियोजना शुरू होने के बाद जिस जगह ट्रैफिक बोतनुमा आकार बन रहा है, उससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या भविष्य में बढ़ने वाले ट्रैफिक और आसपास के प्रमुख कॉरिडोर से आने वाले ट्रैफिक को डिजाइन तैयार करते समय पर्याप्त रूप से ध्यान में रखा गया था।

दिल्ली के 13 जिलों में पीएम-उदय सेल और शाखा की होगी स्थापना

पीएम-उदय योजना के क्रियान्वयन को मिलेगी अब नई गतिः रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को संपत्ति अधिकार उपलब्ध कराने की दिशा में पीएम-उदय योजना के क्रियान्वयन को अब नई गति मिलेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने दिल्ली में 'दृष्टि' (दिल्ली रेवेन्यू ऐंड इमेजिंग सर्वे, स्पेशियल टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव) के तहत आधुनिक जियोस्पेशियल /जीआईएस सर्वे और मैपिंग व्यवस्था विकसित करने के लिए 65 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वीकृति दे दी है। इसके अंतर्गत सभी 13 जिलों में पीएम-उदय सेल और मुख्यालय शाखा की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि आधुनिक तकनीक पर आधारित 'दृष्टि' परियोजना से संपत्तियों के सर्वे और मैपिंग का काम अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से हो सकेगा। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 65 करोड़ रुपये है। इसमें 52 करोड़ रुपये यानी 80 प्रतिशत राशि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के शहरी विकास निधि (यूडीएफ) से अनुदान के रूप में मिलेगी, जबकि शेष 13 करोड़ रुपये यानी 20 प्रतिशत राशि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना को लागू करने की जिम्मेदारी राजस्व विभाग की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के अनुरूप दिल्ली के लोगों को उनके अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

निवासियों को स्वामित्व का अधिकार प्रदान करना

मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएम-उदय योजना का उद्देश्य राजधानी की अधिसूचित अनधिकृत कॉलोनियों के निवासियों को स्वामित्व का अधिकार प्रदान करना है। इसकी जिम्मेदारी डीडीए, दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग व दिल्ली नगर निगम का सौंपी गई है। इस परियोजना से संपत्ति के स्वामित्व, हस्तांतरण और उससे जुड़े अन्य अधिकारों का लाभ तेजी से मिलेगा। शहरी विकास निधि से मिलने वाली 52 करोड़ रुपये की राशि चार किस्तों में जारी की जाएगी। यदि खरीद जीईएम (ळमड) के माध्यम से की जाती है तो निर्धारित शर्तों के तहत पूरी स्वीकृत राशि एक ही किस्त में जारी की जा सकेगी।

'सबका साथ, सबका विकास' पूरा करने में जुटी सरकार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पीएम-उदय योजना केवल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज देने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लाखों परिवारों को उनके घर और संपत्ति से जुड़े अधिकारों की कानूनी सुरक्षा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। आधुनिक तकनीक पर आधारित 'दृष्टि' परियोजना से संपत्तियों के सर्वे और मैपिंग का काम अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से हो सकेगा। दिल्ली सरकार का प्रयास है कि पात्र लोगों को अपने अधिकार प्राप्त करने के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े और योजना का लाभ तेजी से जमीन पर पहुंचे।

सीईओ ने की समीक्षा बैठक

'दिल्ली में हर योग्य नागरिक को मिलेगा वोट का अधिकार'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार (आईएएस) ने बुधवार को दिल्ली के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के साथ नोटिस और दावों व आपत्तियों के निपटारे की प्रगति कार्य की समीक्षा की।

कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी अनुसार सीईओ अशोक कुमार ने मतदाताओं को भरोसा दिलाया है कि दिल्ली के एक एक योग्य वोटर को सूची में शामिल किया जाएगा। इसके लिए वोटर को अपनी पहचान संबंधित सभी जरूरी कागजात के साथ फॉर्म-6 जमा करना होगा, जिसके बाद उनका सत्यापन होते ही दिल्ली की वोटर लिस्ट में शामिल किया जाएगा।

सीईओ और ईसीआई यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर पात्र मतदाता को जोड़ा जाए और मतदाता सूची में कोई भी अपात्र को शामिल न किया जाए।

सीईओ कार्यालय ने बताया कि युवा मतदाताओं के पंजीकरण को अधिकतम करने के उद्देश्य से, बुधवार 7 अक्टूबर को दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में विशेष कैंप सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। ऐसे ही विशेष कैंप गुरुवार को भी विभिन्न कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में जारी रहेंगे।

खबर संक्षेप

हत्या के मामले में एक आरोपी धराया



फरीदाबाद। थाना धौज क्षेत्र के गांव सिरोही में एक युवक की मौत का मामला सामने आया था। मृतक के परिजनों ने युवक राजकुमार की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी थी। कार्रवाई करते हुए टीम ने मृतक के दोस्त आरोपी मुफीद उर्फ मन्नू वासी सहसोला पट्टी गांव सिरोही फरीदाबाद को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को 2 दिन पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। गौरेलाल निवासी गांव सिरोही ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका 19 वर्षीय बेटा राजकुमार 4 अक्टूबर को शाम को मुफीद निवासी सिरोही के पास गया था।

गोली चलाने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार



फरीदाबाद। थाना कोतवाली क्षेत्र के एनआईटी-1 स्थित वी 2 कॉम्प्लेक्स के सामने युवक पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने, मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों गर्व भाटिया व हिमांक भाटिया उर्फ हन्नी, निवासी एनआईटी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित विवेक निवासी जाटव मोहल्ला गांव सारन फरीदाबाद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 2 अक्टूबर 2026 को सुबह वह अपने दोस्तों प्रथम, हरमन तथा कृष्ण कान्त के साथ एनआईटी स्थित वी 2 कॉम्प्लेक्स के सामने एक नंबर मार्किट में गया था।

विपक्ष पर गैर जरूरी मुद्दे उठाने का आरोप

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा देश व समाज:राजनाथ सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां कहा कि राजनीति का असली मकसद देश को और समाज को आगे ले जाना होता है ।



अपने कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश व समाज को प्रधानमंत्री रहते हुए आगे ले जाने का काम किया है। उन्होंने दावा किया कि 2014 से पहले देश अर्थ आर्थिक स्थिति के मसले पर 12 वे नंबर पर था आज देश पांचवें नंबर पर है। उन्होंने कहा कि दुनिया के दुनिया में ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं हुआ जिसने अपने कार्यकाल में परिवार के साथ छुट्टी ना मनाई हो लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वह जानते हैं कि उन्होंने पिछले 25 वर्ष में गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान और प्रधानमंत्री के दौरान उन्होंने एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है । इससे बड़ा सुबूत उनके कर्तव्य निष्ठता का हो नहीं सकता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गाजियाबाद के रामलीला मैदान में आयोजित 'सेवा ज्योति अभियान' कार्यक्रम में विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल जनता को भ्रमित करने के लिए गैर-जरूरी मुद्दों को उठा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार का फोकस देश के विकास और जनसेवा पर है।

> रक्षा मंत्री ने गाजियाबाद के रामलीला मैदान में आयोजित 'सेवा ज्योति अभियान' कार्यक्रम में विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा, उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल जनता को भ्रमित करने के लिए गैर-जरूरी मुद्दों को उठा रहे हैं।

रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल पूरे होने पर उन्हें बधाई दी

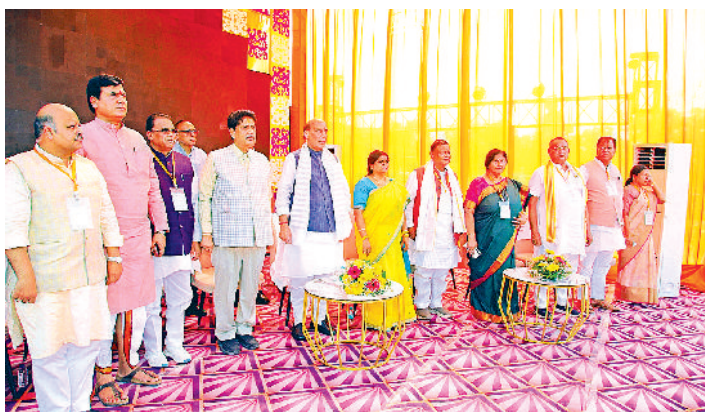

प्रधानमंत्री के लंबे सार्वजनिक जीवन और शासनकाल की सराहना की

राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के 25 साल पूरे होने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री के लंबे सार्वजनिक जीवन और शासनकाल की सराहना करते हुए इसे सुशासन और राष्ट्रसेवा से जोड़कर बताया। राजनाथ सिंह हाल ही में विशाखापत्तनम में भारत के पहले स्वदेशी फ्लीट सपोर्ट शिप 'आईएनएस सूर्य' के जलावतरण कार्यक्रम में भी शामिल हुए थे। यह लोग उपस्थित रहें इस दौरान उन्होंने भारत की बढ़ती स्वदेशी रक्षा क्षमता और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। इस मौके पर सांसद अतुल गर्ग, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा,राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप, विधायक संजीव शर्मा, नंदकिशोर गुर्जर ,अजीत पाल त्यागी, डॉ मंजू सिवाच, भाजपा के क्षेत्र उपाध्यक्ष अशोक मोगा, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल समेत तमाम भाजपा नेता उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनसेवा को जनभागीदारी से जोड़ना : कृष्ण पाल गुर्जर

पीएम मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा सुशासन और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणादायी यात्रा: गोयल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत आज सेक्टर-15 स्थित कम्युनिटी सेंटर में सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और हरियाणा सरकार में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा, फरीदाबाद एनआईटी विधायक सतीश फागना, बडख़ल विधायक धनेश अदलखा, नगर निगम फरीदाबाद की महापौर प्रवीण बत्रा जोशी, उपायुक्त आयुष सिन्हा, एडीसी अंजलि श्रोत्रिया, जिला परिषद चेयरमैन विजय लोहिया, फरीदाबाद भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, भाजपा महानगर जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह, पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, पूर्व विधायक टेक चंद शर्मा, पूर्व विधायक नरेंद्र गुप्ता तथा मुख्यमंत्री के पूर्व राजनैतिक सचिव अजय गौड़ भी मौजूद रहे।

> केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि की शिरकत, ढोल-नगाड़ों और बीन पार्टी के साथ धूमधाम से निकली सेवा ज्योति यात्रा

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की



संकल्प अभियान जनसेवा को जनसंवाद और जनभागीदारी से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर

सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनसेवा को जनसंवाद और जनभागीदारी से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। अभियान की सफलता इस बात से तय होगी कि हम कितने नए लोगोंए परिवारों और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर उनके साथ संवाद स्थापित करते हैं और उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को केवल अपने परिचित लोगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के उन लोगों तक भी पहुंचना चाहिए, जिनसे अभी तक उनका संपर्क नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, श्रमिकों, छोटे व्यापारियों और पहली बार पार्टी अथवा सामाजिक गतिविधियों से जुड़ रहे लोगों के साथ संवाद स्थापित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि वे स्वयं से यह सवाल करें कि पिछले कुछ दिनों में उन्होंने कितने नए लोगों से मुलाकात की, कितने नए परिवारों से संवाद किया और कितने लोगों को सरकार की योजनाओं एवं उनके लाभों के बारे में जानकारी दी।

सेवा की ज्योति को पात्र नागरिकों को तक पहुंचाएं

उन्होंने कहा कि सरकार की उपलब्धियों और विकास यात्रा से नई पीढ़ी को परिचित कराना देश के परिवर्तन की कहानी से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान में प्रत्येक कार्यकर्ता को स्वयं से तीन सवाल पूछने चाहिए, आज कितने नए लोगों से मिलाए कितने लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और कितने ऐसे लोगों तक पहुंचाए जिनसे पहले संपर्क नहीं हुआ। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सेवा की ज्योति को घर-घर और गांव-गांव तक पहुंचाते हुए अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें। सामूहिक जनभागीदारी और सेवा भावना से ही विकसित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है।

जश्न मनाते हुए फैसले का स्वागत किया

हनुमान मंदिर प्रकरण में पदाधिकारियों को अदालत ने आरोप मुक्त किया



हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद के बहुचर्चित सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्किट नं 1 में हुए लाठीचार्ज व गिरफ्तारी प्रकरण में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दीपक यादव की अदालत ने डा. राजेश भाटिया सहित सभी नामजद लोगों को आरोपमुक्त करते हुए उन्हें बाइज्जत बरी कर दिया। इस मामले में शामिल होने के परिजनों को जैसे ही इसका पता चला तो उस सभी में खुशी की सीमा नहीं रही। सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्किट नं 1 में जैसे ही यह समाचार पहुंचा, वहां उत्सव का माहौल बन गया। सभी ने देश की न्यायपालिका के प्रति अपना आभार जताया और मंदिर में ढोल नगाड़ों के माध्यम से जश्न मनाते हुए इस फैसले का स्वागत किया।

लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी

लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार 07-10-2026 को सभी भक्तों को अदालत ने बरी कर दिया। अदालत में अभियोजन पक्ष पर आरोपों को गवाहों एवं साक्ष्यों के माध्यम से सिद्ध करने की जिम्मेदारी थी, लेकिन न्यायालय में प्रस्तुत गवाही एवं साक्ष्य आरोपों को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त नहीं पाए गए। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष आरोपियों के विरुद्ध लगाए गए आरोपों को सिद्ध करने में असफल रहा। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद माननीय न्यायालय ने डॉ. राजेश भाटिया, अनिल अरोड़ा, वरुण ग्रोवर, मनोज कुमार, पंकज भाटिया, महेंद्र कपूर, साहिल नोनिहाल, प्रदीप भाटिया, मन्नू भाटिया को सभी आरोपों से बाइज्जत बरी करने का फैसला सुनाया।

148 फील्ड ट्रेनरों को 8 मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिया जा रहा प्रशिक्षण

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के लिए फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण जनसंख्या की गणना के कार्यों के अंतर्गत भारत सरकार, गृह मंत्रालय, जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्रम में बुधवार को आई एम आर कॉलेज, दुहाई, गाजियाबाद में फील्ड ट्रेनरों के तीन दिवसीय जनपद स्तरीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम 07 अक्टूबर 2026 से 09 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में चिन्हित 148 फील्ड ट्रेनरों को 08 मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए 148 फील्ड ट्रेनरों को चार बैचों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक बैच में 37 प्रशिक्षणार्थी रखे गए हैं तथा प्रत्येक बैच के प्रशिक्षण कक्ष में दो मास्टर ट्रेनरों की ड्यूटी लगाई गई



है। प्रत्येक बैच के लिए स्मार्ट क्लास रूम की व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता की सतत निगरानी एवं प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए प्रत्येक कक्ष में उप जिलाधिकारी/खंड शिक्षा अधिकारी को ड्यूटी पर लगाया गया है। प्रशिक्षण स्थल पर प्रशिक्षणार्थियों के लिए जलपान सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं, पेयजल एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्ध कराए जाने वाले जलपान एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा खाद्य पदार्थ निर्माण स्थल पर साफ-सफाई एवं निगरानी के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी को भी ड्यूटी पर लगाया गया है। प्रशिक्षण के सफल आयोजन में आई.एम.आर. कॉलेज, दुहाई के प्रबंधन द्वारा अपेक्षित सहयोग प्रदान किया जा रहा है। प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिला जनगणना अधिकारी के निकट निर्देशन में उप जिलाधिकारी, मोदीनगर द्वारा प्रशिक्षण कार्य का सुचारू पर्यवेक्षण किया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस प्रशिक्षण स्थल पर संबंधित अधिकारी, सहवर्ती स्टाफ एवं 142 फील्ड ट्रेनर उपस्थित हुए। अनुपस्थित रहे 06 फील्ड ट्रेनरों के स्थान पर संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से वैकल्पिक फील्ड ट्रेनरों की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुए 148 फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण सुचारू रूप से प्रारंभ करा दिया गया। अनुपस्थित रहे 06 फील्ड ट्रेनरों में छाया सैन, टीजीटी, कन्या वैदिक इंटर कॉलेज, गाजियाबाद; सारिका त्यागी, टीजीटी, सनातन धर्म इंटर कॉलेज, गाजियाबाद; गरिमा सिंह, लेक्चरार, राजकीय पॉलिटेक्निक, गाजियाबाद; मोनिका आदि।

मेवाड़ में केस विश्लेषण प्रतियोगिता आयोजित

50 विद्यार्थियों ने पोस्टरों के जरिये किये केस विश्लेषण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

वसुंधरा सेक्टर चार स्थित मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट में आयोजित केस विश्लेषण प्रतियोगिता में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने आपराधिक, दीवानी, वैवाहिक, निर्वाचन कानून तथा भारतीय संविधान से जुड़े मामलों का विश्लेषण पोस्टरों के जरिये प्रस्तुत किया।

मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल डॉ. अटल कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक, समस्या-समाधान, निर्णय लेने और प्रस्तुतीकरण कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुआ।

इस अवसर पर अतिथियों, शिक्षकों और प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में 50 से अधिक विद्यार्थियों की टीम ने सक्रिय भागीदारी की। निर्णायक मंडल में दिल्ली विश्वविद्यालय के



विधि विभाग के प्रोफेसर डॉ. उपेंद्र नाथ एवं डॉ. मीना कुमारी शामिल रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को तार्किक सोच, रचनात्मकता और आत्मविश्वास के साथ मामलों का विश्लेषण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ. अलका अग्रवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए ऐसी शैक्षणिक गतिविधियों को सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक समझ के बीच सेतु बताया।

द्वितीय स्थान जस गुरुवाणी एवं यश त्यागी तथा तृतीय स्थान बीएएलएलबी सप्तम सेमेस्टर के छात्र अनंत गोयल एवं देवांशी शर्मा ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल डॉ. अटल कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

साइबर थाना सेंट्रल पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एपीके फाइल भेजकर 5,12,344 रुपए की ठगी करने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस द्वारा साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने अडानी गैस कनेक्शन का बिल जमा कराने के नाम पर बुजुर्ग नागरिक से 5 लाख 12 हजार 344 रुपए की ठगी करने वाले गिरोह के 7 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। सेक्टर-37 फरीदाबाद निवासी एक बुजुर्ग व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में शिकायत दी कि 1 सितंबर को उनके व्हाट्सएप नंबर पर एक मैसेज आया। मैसेज में लिखा था कि अडानी गैस कनेक्शन का बिल जमा करें, अन्यथा गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा। साथ में एक मोबाइल नंबर भी दिया गया था। शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए नंबर पर बात करने पर आरोपी ने उन्हें झांसे में लेकर एपीके नाम की फाइल डाउनलोड करवा दी।

सरगना दीपक अडानी गैस का डाटा खरीदता था

पुलिस ने दीपक कुमार मंडल वासी जिला गिरिडीह, झारखंड जोकि गिरोह का मास्टरमाइंड, अनिल कुमार मंडल वासी देवघर, झारखंड जोकि कॉलर है, अश्विन भाई क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने वाला, खूंट धावल क्रेडिट कार्ड से नकदी निकालने वाला, मनीष भाई क्रेडिट कार्ड धारक, दीप विलभाई क्रेडिट कार्ड धारक, पीठाभाई भाया भाई निवासी सूरत गुजरात क्रेडिट कार्ड धारक है। प्रभारी थाना साइबर सेंट्रल निरीक्षक बसंत कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि दीपक कुमार मंडल इस गिरोह का सरगना है। वह टेलीग्राम के माध्यम से अडानी गैस से संबंधित नागरिकों का डाटा और एपीके फाइलें खरीदता था। डाटा के अनुसार पीड़ितों को कॉल कर डराया जाता था और एपीके फाइल डाउनलोड करवाई जाती थी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आतिफ़, पिताः मो. निसार, निवासीः मकान नंबर सी–4/ए, 353, एलएनजेपी कॉलोनी, रंजीत सिंह मार्ग, गुरु नानक हॉस्पिटल, दिल्ली** ने **FIR No.824/2025, U/s: 304(2)/317(2) भारतीय न्याय संहिता, 2023, पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **आतिफ़** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **आतिफ़** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अभियुक्त **आतिफ़** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.11.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
जेएमएफसी–11, सेंट्रल, पहली मंजिल, कमरा नंबर 138
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/14303/N/2026

अभियुक्ता की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **रजिया सुल्ताना** पत्नी नवाब हसन निवासी एन.ए./77, गली नं. 5, विष्णु गार्डन, ख्याला, नई दिल्ली ने सी.सी. सं. 3060/2023 धारा 138 एन.आई एक्ट, थाना तिलक नगर, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रजिया सुल्ताना** मिल नहीं रही है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रजिया सुल्ताना** फरार हो गई है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि सी.सी. सं. 3060/2023 धारा 138 एन.आई एक्ट, थाना तिलक नगर, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्ता **रजिया सुल्ताना** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **21.11.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री अंशुल सिंघल,
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04, (पश्चिम),
कमरा संख्या 268,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/14174/WD/2026

कैंसर स्क्रीनिंग ऑन व्हील्स फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ने लोगों को उनके घरों के नजदीक मिलेगी सुविधा

कैंसर स्क्रीनिंग को सुलभ बनाने के लिए फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन चेरिटेबल सोसायटी तथा रोटरी क्लब के सहयोग से सेहत एक्सप्रेस मोबाइल बस शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स फरीदाबाद ने फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोएशन चेरिटेबल सोसायटी तथा रोटरी क्लब फरीदाबाद के सहयोग से सेहत एक्सप्रेस शुरू करने की घोषणा की है।

इस मोबाइल हेल्थकेयर बस के जरिए फरीदाबाद समेत आसपास के इलाकों में रहने वाले समुदायों के लिए मुफ्त कैंसर जांच, मेडिकल परामर्श और स्वास्थ्य जागरूकता सेवाएं उपलब्ध करायी जाएंगी।

सेहत एक्सप्रेस, सेहत आपके द्वार, प्रीवेंशन हर बार अभियान के तहत की गई यह पहल कैंसर एवं हेल्थ स्क्रीनिंग्स, विशेषज्ञों द्वारा मेडिकल परामर्श तथा स्वास्थ्य जागरूकता सेवाओं को फरीदाबाद वासियों के लिए उनके गली.मुहल्लों और घर-द्वार तक पहुंचाएगी। इस मोबाइल हेल्थकेयर बस द्वारा फरीदाबाद सहित आसपास के गांवों, औद्योगिक केंद्रों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसयू), रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों तथा आवासीय सोसायटियों में नियमित, मुफ्त आउटरीच कैंपों का आयोजन किया जाएगा ताकि प्रीवेंटिव हेल्थकेयर तक सभी की आसान पहुंच बने। समुदायों तक अधिकाधिक पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ पहले वर्ष

> पहले साल 100 से अधिक सामुदायिक स्थलों पर मुफ्त कैंसर जांच और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा



में 100 से अधिक सामुदायिक स्थलों तक इस पहल का लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इस वाहन में विशेष मेडिकल उपकरणों, जैसे मैमोग्राफी एवं एक्सरे यूनिटों को शामिल किया गया है जो लक्षित कैंसर जांच के साथ-साथ अन्य सामान्य डायग्नॉस्टिक मूल्यांकनों में भी उपयोगी होते हैं। सेहत एक्सप्रेस पर तैनात फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पीटल फरीदाबाद के डॉक्टर फरीदाबाद वासियों एवं आसपास के अन्य इलाकों के बाशिन्दों की स्वास्थ्य समस्याओं संबंधी परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे।

नागरिकों को समय-समय पर मेडिकल सहायता उपलब्ध होगी

सेहत एक्सप्रेस का लॉन्च प्रीवेंटिव हेल्थ स्क्रीनिंग्स और सभी के लिए प्रारंभिक डायग्नॉसिस टूल्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल के जरिए हम नियमित हेल्थ-चेक अप को प्रोत्साहित करने तथा समय-समय पर मेडिकल जांच को रूटीन आदत बनाने पर जोर देना चाहते हैं। मोहन सोनी, प्रेसीडेंट रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद मिडटाउन ने कहा कि किसी भी स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए दहलीज तक प्रीवेंटिव हेल्थकेयर सेवाओं को सुलभ कराना महत्वपूर्ण होता है। मैमोग्राफी तथा एक्स-रे जैसे स्पेश्यलाइज्ड डायग्नॉस्टिक टूल्स फरीदाबाद तथा आसपास के गांवों, रिहाइशी इलाकों और औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंचने से नागरिकों के लिए समय पर मेडिकल सहायता उपलब्ध होगी और उन्हें स्वास्थ्य को लेकर भी अधिक जागरूक बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर डॉ बी डी पाठक, डॉ सिद्धार्थ शंकर सूद, डॉ इतिशा चौधरी व डॉ अभिषेक शर्मा, फेसिलिटी डायरेक्टर फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पीटल फरीदाबाद ने कहा कि शुरुआती जांच से उपचार के नतीजों में काफी सुधार होता है, खासतौर से क्रोनिक कंडीशंस और गैर-संक्रामक कैंसर रोगों के मामलों में यह वाकई उपयोगी होता है। सेहत एक्सप्रेस के साथ हम स्पेश्यलाइज्ड डायग्नॉस्टिक सेवाओं, जैसे मैमोग्राफी और रेडियोग्राफी को समुदायों के द्वार तक पहुंचा रहे हैं।

खबर संक्षेप

युवा इंजीनियर का कैमरा स्पेसएक्स मिशन का हिस्सा



समस्तीपुर। समस्तीपुर के रेलवे कॉलोनी से निकले युवा इंजीनियर संजय कुमार ने अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संजय कुमार की अगुवाई वाली हैदराबाद की डीपटेक कंपनी ईओएन स्पेस लैब्स का 502 ग्राम वजनी मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग कैमरा 'मीरा' अब अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा बन चुका है। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के ट्रांसपोर्टर-18 मिशन के जरिए इसे लो अर्थ ऑर्बिट में पहुंचाया गया है। 'मीरा' 10 अक्टूबर से काम करना शुरू करेगा और अंतरिक्ष से धरती की तस्वीरों के साथ महत्वपूर्ण डेटा जुटाएगा। 'मीरा' को तीन भारतीय इंजीनियरों की टीम ने विकसित किया है। समस्तीपुर के संजय कुमार के साथ उज्जैन के पुनीत बदेका और दक्षिण भारत के मनोज कुमार गड्डम ने वर्ष 2022 में हैदराबाद में ईओएन स्पेस लैब्स की नींव रखी थी। संजय कंपनी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने 7 से 9 तक कैंप



रांची। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एसआईआर के तहत मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए झारखंड में 7 से 9 अक्तूबर तक सभी मतदान केंद्रों पर विशेष डिजिटाइजेशन कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों के दौरान फॉर्म-6 के जरिए नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के साथ फॉर्म-7 और फॉर्म-8 से जुड़े आवेदनों के डिजिटाइजेशन का काम भी तेजी से किया जाएगा। इसके बाद 10 अक्तूबर को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर चौथी बार बीएलओ-बीएलए-2 बैठक सह मेगा हेल्पडेस्क का आयोजन होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को इस संबंध में जरूरी निर्देश दिए हैं। कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में नाम शामिल होने से वंचित नहीं रहना चाहिए।

दीपोत्सव-2026 का होगा भव्य आयोजन, पुष्पक विमान की झलक दिखाई देगी

30 लाख दीयों से जगमगाएंगे 56 घाट, रामायण थीम में सजेगी अयोध्या, धर्म पथ से सरयू तक भव्य नजारा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

दीपों की रोशनी से निखरने वाली रामनगरी इस बार कलात्मक सजावट और रचनात्मक आकृतियों से भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करेगी। दीपोत्सव-2026 में अयोध्या के प्रमुख चौराहों से लेकर प्रवेश मार्ग, राम कथा पार्क, राम की पैड़ी और सरयू तट तक रामायण की थीम पर भव्य सजावट नजर आएगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने इसके लिए व्यापक कार्य योजना तैयार की है। रामनगरी में सजावटी द्वार, वे-फाइंडर, सेल्फी प्वाइंट और मंच के साथ राम रथ व पुष्पक विमान की झलक दिखाई देगी। वहीं, सरयू की लहरों पर आकर्षक फ्लोटर्स दीपोत्सव की भव्यता बढ़ाएंगे।

दीपोत्सव-2026 में अयोध्या रामायण की थीम पर भव्य सजावट से सजेगी। छह से आठ नवंबर तक होने वाले आयोजनों के तहत सात नवंबर को 56 घाटों पर करीब 30 लाख दीए जलाए जाएंगे।

सरयू की लहरों पर आकर्षक फ्लोटर्स दीपोत्सव की भव्यता बढ़ाएंगे



छह से आठ नवंबर तक होंगे आयोजन

दीपोत्सव-2026 के तहत अयोध्या में छह से आठ नवंबर तक विभिन्न आयोजन होंगे। सात नवंबर को दीपोत्सव के मुख्य आयोजन के दौरान रामनगरी के 56 घाटों पर करीब 30 लाख दीये जलाए जाएंगे। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए करीब 10 प्रमुख स्थानों पर थीम आधारित वे-फाइंडर लगाए जाएंगे। ये प्रमुख प्रवेश मार्गों, चौराहों और आयोजन स्थलों के आसपास होंगे। इनके जरिए लोगों को संबंधित स्थानों की जानकारी और दिशा-निर्देश मिल सकेंगे।

राम कथा पार्क और राम की पैड़ी पर बनेंगे 10-10 सेल्फी

दीपोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए राम कथा पार्क और राम की पैड़ी पर 10-10 आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। हर इंस्टॉलेशन की थीम, डिजाइन और निर्माण शैली अलग होगी।

नए कलेवर में नजर आएगा राम कथा मंच

'दीयों के उत्सव' के सांस्कृतिक आयोजनों के लिए रामकथा पार्क का स्थायी मंच नए कलेवर में नजर आएगा। यहां उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था के साथ एलईडी स्क्रीन, थीम आधारित रंगीन कपड़ों आदि का इस्तेमाल होगा। अयोध्या के प्रमुख मार्गों पर बनेंगे 10 भव्य द्वार दीपोत्सव-2026 में अयोध्या के प्रवेश मार्गों की तस्वीर नए रंग-रूप में नजर आएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा- भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता ने भारत को दिलाई वैश्विक पहचान

सीएम योगी ने सेवा ज्योति यात्रा 'विकसित भारत संकल्प सभा' कार्यक्रम को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को जीपीओ स्थित पटेल पार्क में सेवा ज्योति यात्रा 'विकसित भारत संकल्प सभा' कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। सीएम ने 'जनसेवा से देशसेवा' प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने परोक्ष रूप से समाजवादी पार्टी पर प्रहार किया। कहा कि राज्यसभा चुनाव ने बता दिया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का परिणाम क्या होने जा रहा है। यह लड़ाई फिर 80-20 की हो गई है। 80 फीसदी एनडीए और 20 फीसदी पीडीए का हिस्सा है। पीडीए का क्या हाल होगा, यह बाद में पता चलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक सेवा के अहर्निश 25 वर्ष पूरे होने पर हर भारतवासी के लिए आज गौरव का दिन है। गुजरात के छोटे से गांव से निकलकर वह भारत को नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। एक सामान्य कार्यकर्ता/ स्वयंसेवक ने वैश्विक स्तर पर देश को नई पहचान दिलाई। सीएम योगी ने बताया कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जी ने पद व गोपनीयता की शपथ ली थी। उस समय भीषण आपदा के कारण गुजरात में हाहाकार मचा था और देश भर में चिंता का माहौल था तो दूसरी ओर समाज-राष्ट्र विरोधी तत्व अराजकता व अव्यवस्था का तांडव पैदा करना चाहते थे। उन स्थितियों में नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। उन्होंने गुजरात को मॉडल स्टेट के रूप में प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने साधा सपा पर निशाना, बोले-80 फीसदी पर एनडीए और 20 फीसदी पर पीडीए,यह लड़ाई फिर 80-20 की हो गई है। 80 फीसदी एनडीए और 20 फीसदी पीडीए का हिस्सा है,पीडीए का क्या हाल होगा, यह बाद में पता चलेगा।

पीएम र मोदी व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने वर्चुअली सभा को संबोधित किया

- सीएम ने 'जनसेवा से देशसेवा' प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया
- नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा के अहर्निश 25 वर्ष पूरे होने पर हर भारतवासी के लिए आज गौरव का दिन है



सीएम ने उत्तर प्रदेश की महत्ता पर डाला प्रकाश

सीएम ने कहा कि 12 वर्ष से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को दुनिया के सामने सशक्त व समर्थ देश के रूप में प्रस्तुत किया। भारत के हर नागरिक के मन में विश्वास पैदा करके एक भारत-श्रेष्ठ भारत के रूप में नए भारत के निर्माण में सफलता प्राप्त की। जब मोदी जी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब प्रधानमंत्री लखनऊ के सांसद अटल बिहारी वाजपेयी जी थे, आज प्रधानमंत्री मोदी जी उत्तर प्रदेश के वाराणसी से बतौर सांसद देश को नेतृत्व दे रहे हैं। गांव से ग्लोबल की है पीएम मोदी की यात्रा सीएम ने इसे गांव से ग्लोबल की यात्रा बताया, कहाकि इस यात्रा ने प्रत्येक नागरिक के जीवन में परिवर्तन और युवाओं के मन में विश्वास पैदा किया है। हर बहन को सुरक्षा की गारंटी, किसान के जीवन में खुशहाली, नौजवान के सामने रोजगार की संभावनाओं को मजबूत

पीएम मोदी की यात्रा को सीएम ने गांव ग्लोबल की यात्रा बताया

आर्थिक मोर्चे पर सफल हुआ भारत, युवाओं के सामर्थ्य को मिल रही नई दिशा

सीएम ने कहाकि 12 वर्ष पहले भारत बॉटम-5 में गिना जाता था। भारत की गिनती सबसे खराब अर्थव्यवस्था में होती थी। प्रति व्यक्ति आय सबसे कम हुआ करती थी परंतु अब भारत ने आर्थिक मोर्चे पर टॉप-5 में स्थान बनाया है और प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने में भी सफलता प्राप्त की है। भारत में पहले कुछ हजार ही स्टार्टअप होते थे, आज ढाई लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। भारत दुनिया में इसकी गूंज सुना रहा है। मिशन रोजगार के तहत नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार व स्वरोजगार है। आत्मविश्वास से भरा युवा देश के लिए कुछ कर गुजरने का सामर्थ्य रखता है। उसकी प्रतिभा देश की ताकत और विश्वास देश का सामर्थ्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं के सामर्थ्य को नई दिशा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने किया आबे मेमोरियल कॉरिडोर का लोकार्पण

आबे मेमोरियल कॉरिडोर नई पीढ़ी के लिए एक जीवंत क्लासरूम : सीएम योगी



हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आबे मेमोरियल कॉरिडोर नई पीढ़ी के लिए एक जीवंत क्लासरूम है। यहां आने वाला हर युवा यह सीख सकेगा कि दूर की सोच रखने वाला एक नेता दो देशों के भविष्य को किस तरह नई दिशा दे सकता है। स्वर्गीय शिंजो आबे सान को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि भारत-जापान की मित्रता हर वर्ष पहले से और अधिक मजबूत होती जाए। वाराणसी के रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आबे मेमोरियल कॉरिडोर के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गलियारा केवल जापान के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय शिंजो आबे सान की स्मृतियों को संजोने वाला स्थान नहीं, बल्कि भारत और जापान की अटूट मित्रता, विश्वास और साझा विरासत का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने इसे उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 140 करोड़ भारतवासियों की ओर से आबे सान को विनम्र श्रद्धांजलि बताया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रुद्राक्ष भारत और जापान की दोस्ती का प्रतीक है। जापान ने काशी को रुद्राक्ष दिया और आज काशी उसी रुद्राक्ष में वहां के दोस्ती के प्रतीक जापान के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय शिंजो आबे सान की स्मृति को हमेशा के लिए बसा रही है।

वर्ष 2007 में मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जापान गए: योगी

वर्ष 2007 में मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जापान गए। वहीं उनकी शिंजो आबे सान से पहली भेंट भी हुई थी। यह मित्रता पद से नहीं बनी थी, यह विश्वास से बनी थी। पद बदलते रहे, मित्रता नहीं बदली। जनसेवा की इस यात्रा के 25 वर्ष पूरे होने के दिन उसी मित्रता की स्मृति को समर्पित स्मृति गलियारे का उद्घाटन- इससे सुंदर संयोग नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगस्त 2007 में प्रधानमंत्री के रूप में भारत की पहली यात्रा पर आए शिंजो आबे सान ने भारत की संसद को संबोधित करते हुए कहा था कि मजबूत भारत जापान के सर्वोत्तम हित में है और मजबूत जापान भारत के सर्वोत्तम हित में है। क्योटो में काशी-क्योटो पार्टनर सिटी समझौता हुआ। 2015 में, काशी की गंगा आरती में भारतीय आस्था का दर्शन किया। 2017 में, अहमदाबाद में बुलेट ट्रेन का शिलान्यास कर भारत को मोबिलिटी क्रांति के नए युग में ले गए। 2018 में, शिंजो आबे सान ने प्रधानमंत्री मोदी जी को यामानाशी स्थित अपने निजी आवास पर आमंत्रित कर दोनों देशों के संबंधों को एक पर्सनल टच दिया। दिल्ली मेट्रो, वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर की हर बड़ी छलांग में जापान हमेशा साथ खड़ा मिला है।

पेज एक का शेष...

भारत के विकसित ...

25 सालों का आकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को जब उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी, तब उन्होंने सोचा भी नहीं था कि कभी यह पड़ाव भी आएगा। इस मौके पर दिल्ली में जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने इसके लिए भारत के लोकतंत्र और संविधान का आभार जताया।

हर कार्यकर्ता को नमन: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे प्रत्येक स्वयंसेवक और कार्यकर्ता को आदरपूर्वक नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह दिन सिर्फ यादों का नहीं, बल्कि अपने संकल्पों को नई ऊर्जा से भरने का है। यह उस वादे और इरादे को व्यक्त करने का दिन है, जो कहता है कि हम करके रहेंगे। उन्होंने कहा कि लाल किले से मैंने सबके प्रयास की बात की थी। भारत को नई बुलंदियों पर पहुंचाने के लिए जो जज्बा चाहिए, वह एक ही संदेश देता है: हम करके रहेंगे। वी विल डू इट। विकसित भारत बाय 2047, वी विल डू इट।

प्रधानमंत्री मोदी ने ...

में प्रधानमंत्री ने लिखा कि उन्होंने नई दिल्ली के श्री विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की और भगवान गणेश से देशभर के परिवारजनों की सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने यह भी प्रार्थना की कि विघ्नहर्ता की कृपा से सबका कल्याण हो और देश निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे। इस मौके पर देशभर में भाजपा और एनडीए के सहयोगी दलों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रधानमंत्री की 25 ...

बदलाव आया तथा कोरोना संकट के दौरान टीकाकरण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास, विरासत, सुरक्षा और भारत के सम्मान को नई दिशा मिली, ताकि विकसित भारत का संकल्प साकार हो।

जनसेवा ही पीएम मोदी के जीवन का ध्येय: नवीन ने कहा कि आज का दिन हम सभी भारतवासियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए अविस्मरणीय है। यह दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी की 25 वर्षों की उस यात्रा का साक्षी बनने का अवसर है, जो संघर्षों के बीच शुरू हुई और जिसने हर चुनौती का सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का काम किया। उनकी तप, साधना और संकल्प ने जनसेवा को ही उनके जीवन का ध्येय बनाया। उनके लिए जनसेवा ही राष्ट्रसेवा का मार्ग बनी और इसी संकल्प के साथ वे राजनीति में सत्ता को सेवा का माध्यम बनाते हुए राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन 25 वर्षों में दीपक की तरह स्वयं को जलाकर, अपने परिश्रम और समर्पण से 140 करोड़ देशवासियों के जीवन में विकास, आत्मविश्वास और स्वाभिमान का उजाला फैलाने का निरंतर प्रयास किया है।

पीएम मोदी ने लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया: नवीन ने कहा कि आज के इस अवसर पर हम उन माताओं-बहनों, लखपति दीदियों, किसान भाइयों, खिलाड़ियों, गरीब परिवारों और देश के युवाओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन और आभार व्यक्त करते हैं, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों ने सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माताओं-बहनों के लिए शौचालय निर्माण से लेकर उज्ज्वला योजना तक की व्यवस्था की और उनकी सुरक्षा एवं स्वाभिमान सुनिश्चित करने का काम किया। 3 करोड़ लखपति दीदियों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्होंने महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल कायम की है। केवल वूमेन डेवलपमेंट की बात नहीं की, बल्कि वूमेन-लेड डेवलपमेंट की बात की है और अब 33 प्रतिशत महिलाओं को मिलने वाले आरक्षण से उनकी राजनीतिक भागीदारी भी सुनिश्चित होगी।

किसानों का सम्मान और कल्याण सुनिश्चित किया: 11 करोड़ से अधिक किसान भाइयों के लिए किसान सम्मान योजना के माध्यम से उनका सम्मान और कल्याण सुनिश्चित किया गया। कृषि को केवल एक विभाग तक सीमित न रखते हुए किसान कल्याण को भी प्राथमिकता दी गई और किसानों के प्रति देश के नेतृत्व की सोच को प्रदर्शित किया गया। 'खेलो इंडिया' के माध्यम से खिलाड़ियों को नए अवसर दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप आज हमारे खिलाड़ी भारत का नाम रोशन कर रहे हैं और नए-नए कीर्तिमान बना रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से 4 करोड़ गरीब परिवारों को उनके सपनों का घर और सिर पर छत देने का काम किया गया। नवीन ने कहा कि कोरोना जैसी आपदा के समय, जब पूरी दुनिया ठहर-सी गई थी, तब प्रधानमंत्री ने करोड़ों भारतवासियों के बेटे और भाई की तरह उनकी चिंता की। निःशुल्क वैक्सीन से लेकर 80 करोड़ लोगों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गई, जिससे देश इस अस्थिरता और आपदा की घड़ी से बाहर निकल पाया।

खड़गे के न्योते ...

विपक्षी नेताओं ने आकाशवाणी भवन परिसर में धरना दिया। बाद में कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में गंभीर सवाल उठ रहे हैं और निर्वाचन आयोग को इन सवालों का जवाब देना चाहिए। विपक्षी दल मुख्य निर्वाचन आयुक्त से सीधे मुलाकात कर अपनी आपत्तियां और मांगें रखने पर जोर दे रहे हैं। वहीं, निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा था कि शाम चार बजे तक किसी राजनीतिक दल की ओर से आयोग से औपचारिक मुलाकात का अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ था। बाद में दिल्ली पुलिस के माध्यम से करीब 240 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के आयोग से मिलने और ज्ञापन सौंपने की जानकारी मिलने की बात आयोग ने कही थी।

सीएम ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

'विकसित भारत' के संकल्प के साथ पटना में सेवा ज्योति यात्रा शुरू

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की राजधानी पटना में 'विकसित भारत संकल्प सभा' एवं 'सेवा ज्योति यात्रा' का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम मिलर हाई स्कूल मैदान में हुआ।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस दौरान जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बिहार का समृद्ध और सशक्त होना आवश्यक है। पीएम ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 13 वर्षों तक तथा भारत के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार देश की सेवा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देश को आगे बढ़ाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेतृत्व ने हर संकट के समय देश के साथ खड़े होकर लोकतंत्र और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी है।

रबी उत्पादन बढ़ाने पर मंथन, 510 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य

पैक्स की कैश क्रेडिट लिमिट बढ़कर 15 लाख, आधुनिक तकनीक से खेती पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को राज्य स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी-2026 का आयोजन हुआ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे.पी.एस. राठौर की मौजूदगी में आगामी रबी अभियान, आधुनिक कृषि तकनीक, जलवायु अनुकूल खेती और किसान कल्याण योजनाओं पर मंथन हुआ। प्रगतिशील किसानों को उन्नत बीजों के मिनीकिट, कृषि यंत्रों के स्वीकृति पत्र और फेरोमोन ट्रैप वितरित किए गए। कृषि मंत्री ने बताया कि इस वर्ष रबी खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य पिछले वर्ष के 480 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 510 लाख मीट्रिक टन किया गया है। दलहन-तिलहन की आत्मनिर्भरता के लिए 50 लाख निशुल्क मिनीकिट वितरित किए जा रहे हैं। बीजों पर 600 करोड़ और कृषि यंत्रों पर करीब 350 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जा रहा है।



189 नगरीय निकायों में 275 पिंक टॉयलेट ब्लॉक्स के निर्माण की प्रक्रिया प्रगति पर

योगी सरकार तेजी से बना रही सुरक्षित और सुविधाजनक पिंक टॉयलेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

शहरी स्वच्छता व्यवस्था को अधिक समावेशी और महिला केंद्रित बनाने के लिए योगी सरकार ने महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक स्वच्छता सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया है। स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के तहत प्रदेश के विभिन्न शहरों में पिंक टॉयलेट विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश के नगरीय निकायों में अब तक करीब 950 पिंक टॉयलेट बनाए जा चुके हैं।

विभाग के मुताबिक, 189 नगरीय निकायों में करीब 275 पिंक टॉयलेट ब्लॉक्स के निर्माण कार्य संबंधित प्रक्रिया प्रगति पर है। इन ब्लॉक्स में कुल 1,100 सीटें होंगी। वर्ष 2025 में प्रदेश के नगरीय निकायों में पिंक टॉयलेट ब्लॉक्स के निर्माण का आवंटन किया गया था। इन पिंक टॉयलेट्स को विशेष रूप से महिला उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है।

- प्रदेश के नगरीय निकायों में अब तक बनाए जा चुके हैं 950 पिंक टॉयलेट
- स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के तहत महिला केंद्रित स्वच्छता सुविधाओं का विस्तार



जेंडर-फ्रेंडली स्वच्छता सुविधाओं के साथ रखरखाव पर विशेष फोकस

सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अलग, सुरक्षित और सुविधाजनक स्वच्छता सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नगर विकास विभाग का मानना है कि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए बेहतर स्वच्छता सुविधाएं शहरी जीवन की आवश्यक जरूरतों में शामिल हैं। ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों को जेंडर-फ्रेंडली स्वच्छता सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ मौजूदा स्वच्छता परिसंपत्तियों के बेहतर रखरखाव और उपयोग योग्य स्थिति में बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए, हम क्या आहार ले रहे हैं, इसकी गुणवत्ता पोषण पर भी ध्यान देना जरूरी है। जानिए ऐसी डाइट के बारे में, जिससे आप रहेंगे मेंटली हेल्दी।

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ-डे
10 अक्टूबर, स्पेशल

तन ही नहीं मन पर भी पड़ता है डाइट का असर

डाइट सजेशन
संध्या रानी



हम जो भी भोजन खाते हैं, उसका असर केवल हमारे शरीर पर ही नहीं, बल्कि हमारे मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। संतुलित और पौष्टिक भोजन शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ मस्तिष्क के सामान्य काम-काज, अच्छी नींद और मूड को अच्छा बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट: भोजन में ओट्स, ब्राउन राइस, ज्वार, बाजरा और साबुत अनाज जैसे कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट शामिल करने से इनका पाचन धीरे-धीरे होता है और रक्त में ग्लूकोज का स्तर अपेक्षाकृत स्थिर बना रहता है। रक्त शर्करा का स्तर अचानक कम होने पर चिड़चिड़ापन और घबराहट जैसी भावनाएं बढ़ सकती हैं। इसके विपरीत, स्थिर ग्लूकोज स्तर शरीर को लगातार ऊर्जा देने में मदद करता है। साथ ही, कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन सेरोटोनिन के निर्माण की प्रक्रिया में भी भूमिका निभा सकता है। सेरोटोनिन फील-गुड हार्मोन है, जो मूड तथा भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।



प्रोबायोटिक-फर्मेंटेड फूड्स: पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थ जैसे दही, इडली, डोसा, अचार और छाछ प्रोबायोटिक्स से भरपूर होते हैं। आंतों में मौजूद अच्छे जीवाणु लगभग 90 प्रतिशत सेरोटोनिन नामक यौगिक के उत्पादन में योगदान देते हैं। जब आंतों का सूक्ष्मजीव समुदाय संतुलित रहता है, तो यह तनाव, चिंता और मानसिक थकान जैसे लक्षणों को बेहतर ढंग से संभालने में शरीर का सहयोग कर सकता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड: मछली में पाया जाने वाला ओमेगा-3 फैटी एसिड मस्तिष्क की कोशिकाओं की झिल्ली की संरचना और उनके सामान्य कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में ओमेगा-3 की कम मात्रा और डिप्रेशन के लक्षणों के बीच संबंध देखा गया है। इसलिए आहार में पर्याप्त मात्रा में ओमेगा-3 शामिल करना मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी हो सकता है। शाकाहारी लोग अखरोट, अलसी के बीज और चिया सीड्स से ओमेगा-3 प्राप्त कर सकते हैं।

ट्रिप्टोफैन युक्त फूड्स: अंडे, दूध, पनीर, केला और कद्दू के बीज जैसे खाद्य पदार्थों में ट्रिप्टोफैन (अमीनो एसिड) पाया जाता है। ट्रिप्टोफैन शरीर में सेरोटोनिन के निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि रात के भोजन में ट्रिप्टोफैन युक्त खाद्य पदार्थों को संतुलित मात्रा में शामिल किया जाए, तो वे अच्छी नींद और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। मैग्नीशियम की कमी से मांसपेशियों में जकड़न, थकान और घबराहट जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मेथी, पालक, कद्दू के बीज, बादाम और डार्क चॉकलेट जैसे मैग्नीशियम से भरपूर खाद्य पदार्थ शरीर को मैग्नीशियम की आवश्यक मात्रा प्राप्त करने में मदद करते हैं। मैग्नीशियम तंत्रिका तंत्र के सामान्य कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और तनाव से जुड़ी शरीर की प्रक्रियाओं को संतुलित रखने में भी सहायक हो सकता है।

विटामिन डी: अंडे की जर्दी, मशरूम और फोर्टिफाइड दूध विटामिन डी के अच्छे स्रोत हैं। विटामिन डी की कमी मौसमी तनाव और लगातार उदासी की भावना से जुड़ी हो सकती है। सुबह की धूप के साथ-साथ इन खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करना विटामिन डी की पूर्ति के लिए एक अच्छा विकल्प है।

एंटीऑक्सीडेंट युक्त फल-सब्जियां: नियमित रूप से अपने भोजन में रंग-बिरंगे फल और सब्जियों को शामिल करना मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक स्थिरता बनाए रखने में मददगार साबित हो सकता है। जामुन, संतरा, अनार, टमाटर और शिमला मिर्च जैसे रंगीन फल और सब्जियां एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। ये शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने और मस्तिष्क की कोशिकाओं की रक्षा करने में मदद करते हैं। ये विटामिन मस्तिष्क को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक हैं। *

(डाइटिशियन डॉ. अंशु चौहान से बातचीत पर आधारित)

पूरी तरह हेल्दी रहने के लिए केवल शारीरिक ही नहीं मानसिक तौर पर भी स्वस्थ रहना जरूरी होता है। आज के तनावपूर्ण और भागदौड़ भरी जीवनशैली में अनेक लोग चिंता, अवसाद और तनाव जैसी मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि इन समस्याओं के कारण क्या हैं, इनकी पहचान कैसे होती है और इनका उपचार कैसे कर सकते हैं?

फिजिकल की तरह ही इंपॉर्टेंट है मेंटल हेल्थ

डॉक्टर्स एडवाइस



डॉ. अपर्णा रामकृष्णन
सीनियर साइकिएट्रिस्ट
कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में तनाव, चिंता और भावनात्मक थकान बहुत कॉमन हो गए हैं। काम का दबाव, पढ़ाई से जुड़ी जिम्मेदारियां, आर्थिक चिंताएं, रिश्तों में कठिनाइयां, नींद की कमी और लगातार डिजिटल दुनिया से जुड़े रहना धीरे-धीरे व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। कभी-कभार होने वाला तनाव कठिन परिस्थितियों के प्रति शरीर और मन की सामान्य प्रतिक्रिया है, लेकिन यदि भावनात्मक परेशानी लगातार बनी रहे तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

तनाव जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन जब यह लगातार बना रहे और व्यक्ति की नींद, भूख, एकाग्रता, रिश्तों या काम और दैनिक जीवन में सामान्य रूप से कार्य करने की क्षमता को प्रभावित करने लगे, तो डॉक्टर से कंसल्ट करने की आवश्यकता हो सकती है।

अपनाएं बैलेंस्ड लाइफस्टाइल

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पहला कदम स्वस्थ दैनिक आदतें विकसित करना है। नियमित समय पर सोना-जागना, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, संतुलित भोजन करना, पर्याप्त आराम करना और अपने शौक के लिए समय निकालना भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है। परिवार और दोस्तों के संपर्क में रहना तथा अपनी भावनाओं के बारे में खुलकर बातचीत करना अकेलेपन की भावना को भी कम कर सकता है। यह पहचानना भी बहुत जरूरी है कि रोजमर्रा का तनाव कहीं गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या का रूप तो नहीं ले रहा है।

हार्मफुल है अधिक चिंता करना

चिंता का असर मन और शरीर दोनों पर पड़ सकता है। लगातार चिंता करते रहना, बेचैनी, चिड़चिड़ापन, ध्यान लगाने में परेशानी, नींद खराब होना तथा लगातार डर या घबराहट महसूस होना रोजमर्रा की जिंदगी में बाधा डाल सकता है।

कुछ लोगों में इसके शारीरिक लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं, जैसे- दिल की धड़कन तेज होना, अधिक पसीना आना, मांसपेशियों में तनाव या थकान, मुंह का सूखना, सीने में जकड़न, गला घुटने जैसा महसूस होना, ऐसा लगना कि ठीक से सांस नहीं ले पा रहे हैं।

हालांकि हर बार चिंता या घबराहट होना एंग्जाइटी डिसऑर्डर (चिंता संबंधी विकार) का संकेत नहीं होता। लेकिन जब चिंता बार-बार होने लगे, बहुत ज्यादा बढ़ जाए, व्यक्ति को काफी मानसिक परेशानी देने लगे या उसके काम, पढ़ाई, रिश्तों अथवा दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करने लगे, तो किसी योग्य मनोचिकित्सक या क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से जांच/सलाह लेना महत्वपूर्ण है।



डिप्रेशन को समझना है जरूरी

आज के दौर में डिप्रेशन (अवसाद) एक सामान्य मानसिक स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है, जिसे कई बार पहचाना नहीं जा पाता। यह केवल कुछ समय के लिए उदास रहने या किसी काम को करने की इच्छा न होने तक सीमित नहीं होता है। डिप्रेशन व्यक्ति के सोचने और महसूस करने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। वह अपने बारे में, अपने आस-पास की परिस्थितियों के बारे में और अपने भविष्य के बारे में किस तरह सोचता है। इसका असर नींद, काम और दूसरे लोगों के साथ बातचीत पर भी पड़ सकता है।

डिप्रेशन के प्रमुख लक्षण

डिप्रेशन के प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं-दिन के अधिकांश समय उदासी या खालीपन महसूस होना। उन गतिविधियों में रुचि या आनंद कम हो जाना, जिनमें पहले खुशी मिलती थी। ऊर्जा की कमी महसूस होना। लोगों से बातचीत करने में रुचि कम होना। नींद या भूख में बदलाव होना। ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई महसूस होना। अपराधबोध या खुद को बेकार समझना। निराशा और असहायता की भावना। मृत्यु की इच्छा या आत्महत्या के विचार आना। इनके अलावा कुछ लोग परिवार और दोस्तों से दूरी बनाने लगते हैं या उन गतिविधियों को करना बंद कर देते हैं, जिनका वे पहले आनंद लेते थे। डिप्रेशन कभी-कभी बिना किसी स्पष्ट कारण के शरीर में दर्द, जल्दी चिड़चिड़ापन या नशीले पदार्थों के सेवन में बढ़ोतरी के रूप में भी दिखाई दे सकता है।

डिप्रेशन का ट्रीटमेंट

डिप्रेशन को केवल एक दौर या ऐसी चीज समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, जिसे व्यक्ति बस अपनी इच्छा से ठीक कर सकता है। जब लक्षण लगातार बने रहें और दैनिक जीवन को प्रभावित करने लगें, तो एक्सपर्ट डॉक्टर की गाइडेंस जरूरी है। डिप्रेशन का इलाज संभव है और समय पर उपचार शुरू करने से महत्वपूर्ण फर्क पड़ सकता है। डिप्रेशन का उपचार हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है। इसमें साइकोथेरेपी, जीवनशैली में बदलाव और जरूरत के अनुसार दवाएं शामिल हो सकती हैं। अनुभवी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लक्षणों का मूल्यांकन करके उचित उपचार का सुझाव दे सकते हैं।

ऐसे करें मेंटल हेल्थ केयर

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी नियमित ध्यान देने की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह जैसे हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं। इसके लिए पर्याप्त नींद लेना, सक्रिय रहना, अच्छे और महत्वपूर्ण रिश्तों को बनाए रखना, अपने लिए वास्तविक और उचित अपेक्षाएं रखना तथा आराम करने और तनाव कम करने के लिए समय निकालना भावनात्मक रूप से सशक्त करने में मदद कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हेल्थ के लिए मदद मांगना कमजोरी की निशानी नहीं है। यह पहचानना कि कुछ ठीक नहीं है और किसी योग्य विशेषज्ञ से सहायता लेना सुधार और स्वस्थ होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। किसी भी प्रकार की मानसिक समस्या को शुरुआती स्तर पर पहचानने और मनोचिकित्सक से परामर्श लेने पर लोग तनाव और चिंता को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सकते हैं। इसी तरह डिप्रेशन का उचित उपचार लेना और रोजमर्रा की जिंदगी की चुनौतियों से निपटने के स्वस्थ तरीके विकसित करना सीख सकते हैं। इससे आप मेंटली हेल्दी रहेंगे। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला



कब लें साइकिएट्रिस्ट से सलाह

किसी भी तरह की मानसिक समस्या के बारे में डॉक्टर से कंसल्ट करने के लिए लक्षणों के बहुत गंभीर होने तक इंतजार करना जरूरी नहीं है। यहां बताई जा रही स्थितियां भी मनोचिकित्सक से बात करने के लिए पर्याप्त हो सकती हैं।

- अगर आप अपने मूड, नींद या भूख में लगातार बदलाव महसूस करते हैं।
- अगर आप अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को संभालने में कठिनाई महसूसते हैं।
- अपने करीबी लोगों से दूरी बनाने लगना।
- हर समय बेवजह बहुत ज्यादा या नियंत्रण से बाहर लगने वाली चिंता।
- पहले पसंद आने वाली गतिविधियों में रुचि खत्म हो जाना।
- यदि किसी व्यक्ति को खुद को नुकसान पहुंचाने या आत्महत्या के विचार आ रहे हों, तो तुरंत मनोचिकित्सक से मदद लेनी चाहिए।

डिजीज
डॉ. जे. रावत
सीनियर फिजीशियन, दिल्ली

अकसर लोग मामूली चोट को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कई बार छोटी सी चोट भी सेप्सिस में बदल जाती है और जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए इसके बारे में पूरी जानकारी होना आवश्यक है। सेप्सिस के कारण, लक्षण और उपचार के बारे में बहुत उपयोगी सलाह।

कहीं चोट न बन जाए जानलेवा सेप्सिस



सेप्सिस या सेप्टिसीमिया सीवियर मेडिकल स्थिति है, जो छोटी-सी चोट या घाव से शुरू हो सकती है। जिस पर ध्यान न देने पर यह जानलेवा हो सकती है। सेप्सिस में हमारा शरीर किसी इंफेक्शन के प्रति इम्यून रिएक्शन देने लगती है। इसकी वजह से शरीर अपने ही टिश्यूज को डैमेज करने लगता है यानी खुद को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देता है।

असल में हमें किसी तरह का इंफेक्शन (फंगल, वायरल, बैक्टीरियल) होता है, तब हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम उस इंफेक्शन के खिलाफ रि-एक्शन करता है। इस रि-एक्शन के दौरान शरीर कई तरह के एंजाइम्स या प्रोकैल्सिटोनिन प्रोटीन रिलीज करता है, जो आमतौर पर शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं। लेकिन सेप्सिस की स्थिति में शरीर का इम्यून सिस्टम इन एंजाइम्स को ठीक तरह रिस्पांड नहीं कर पाता या कंट्रोल से बाहर हो जाता है। यह रिएक्शन इतना बढ़ जाता है कि शरीर अपने ही अंदरूनी अंगों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देता है।

सेप्सिस की एडवांस स्टेज को सेप्टिक शॉक मल्टीऑर्गन फेलियर कहा जाता है। इसमें इंफ्लामेटरी रिस्पांस की वजह शरीर में डिहाइड्रेशन होना शुरू हो जाता है, ब्लड सर्कुलेशन में बदलाव आने लगता है, मरीज का ब्लड प्रेशर बहुत कम हो जाता है। इस कॉम्प्रोमाइज सर्कुलेटरी सिस्टम के कारण शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन ठीक तरह से नहीं पहुंच पाती। जिसका असर फेफड़ों, हार्ट, किडनी जैसे अंगों पर पड़ता है। शरीर में शॉक और मल्टीऑर्गन फेलियर जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती हैं। मरीज की मौत भी हो सकती है।

क्या कहते हैं आंकड़े: एक रिपोर्ट के हिसाब से पूरे एशिया में भारत सेप्सिस से होने वाली मौतों (तकरीबन 34 प्रतिशत) में दूसरे नंबर पर आता है। आईसीयू में भर्ती लोगों को इसका ज्यादा खतरा होता है। विडंबना है कि इसके बारे में लोगों में जागरूकता की कमी है और इसकी वजह से लाखों लोगों को जान गंवानी पड़ती है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में हर 3 सेकेंड में किसी एक व्यक्ति की सेप्सिस से मौत हो जाती है।

क्या है कारण: शरीर में अधिकतर इंफेक्शन सेप्सिस की वजह बन सकते हैं जैसे- निमोनिया, यूरिनरी ट्रेक्ट इंफेक्शन, एब्डोमन इंफेक्शन, स्किन इंफेक्शन, मेनेंजाइटिस ब्रेन इंफेक्शन। कभी-कभी छोटी-सी चोट लगने, खरोंच आने, कटने, कीड़े के काटने पर भी सेप्सिस हो सकता है। अगर वो इंफेक्शन समय रहते ठीक न हो, तो बैक्टीरिया पूरे शरीर में फैल सकते हैं और सेप्सिस इंफेक्शन विकसित हो सकता है।

क्या हैं लक्षण: तेज बुखार आना, ब्लड प्रेशर में बार-बार उतार-चढ़ाव होना, असहनीय बदन दर्द होना, थकावट और कमजोरी महसूस होना। ब्लड प्रेशर कम होना। स्किन के घाव में से पस निकलना, पेट में दर्द होना। हार्टबीट बढ़ना। शरीर में सूजन आना और ब्लड क्लॉट होना।

क्या होता है असर: शरीर के विभिन्न अंगों पर असर पड़ने से उन अंगों का ठीक तरह काम न कर पाना, जैसे- लिवर पर असर होने पर जांडिस होना, फेफड़ों में एक्यूट रेस्पेरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम होना, ऑक्सीजन लेवल कम होना, सांस लेने में दिक्कत होना, ब्रेन पर असर होने पर बेहोशी आना, दौरे पड़ना, सिर दर्द होना, किडनी पर असर होने पर यूरिन में कमी होना, स्किन पर रैशेज होना, स्किन के कलर में बदलाव होना।



किन्हें है ज्यादा रिस्क: किसी भी तरह के इंफेक्शन से जूझ रहे लोग, निमोनिया बुखार से पीड़ित, शुगर कंट्रोल न होने पर डायबिटीज, लिवर या हार्ट की बीमारी हो, इम्यूनिटी कमजोर होना, 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग या 2 साल से कम उम्र के बच्चे।

कब जाएं डॉक्टर के पास: सतर्क रहना जरूरी है। जब भी मरीज को बुखार के साथ किसी तरह की चोट या इंफेक्शन हो, सांस तेज चल रही हो, ब्लड प्रेशर कम हो रहा हो। तो बिना देर किए डॉक्टर को कंसल्ट करना चाहिए।

क्या है इलाज: मरीज की स्थिति के आधार पर इलाज किया जाता है। प्रो-कैल्सिटोनिन प्रोटीन का पता लगाने के लिए बीआरएएचएमएस प्रो. कैल्सिटोनिन ब्लड टेस्ट, ब्लड कल्चर, इंफेक्शन वाली जगह से कल्चर किया जाता है। कोशिश की जाती है कि मरीज के अंग कम से कम प्रभावित हों और सेप्सिस इंफेक्शन जल्द ठीक हो जाए। जैसे- ब्लड प्रेशर कम होने पर इंटरावैस्कुलर ड्रॉप से फ्ल्यूड दिए जाते हैं। ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के लिए वेजो प्रेशर मेडिसिन दी जाती है। इंफेक्शन कंट्रोल करने के लिए एंटी-बायोटिक मेडिसिन दी जाती हैं। सांस लेने में दिक्कत होने पर मरीज को ऑक्सीजन भी दी जाती है। स्किन में इंफेक्शन होने पर पस निकल रही हो तो उसे साफ करने के लिए सर्जरी भी की जाती है। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

सेप्सिस से ऐसे करें बचाव



- फ्लू, निमोनिया या इंफेक्शन से बचाव के लिए फ्लू वैक्सीन जरूर लगवाएं।
- साफ-सफाई और पर्सनल हाइजीन का ध्यान रखें। रेगुलर हैंडवॉश करें।
- हेल्दी लाइफस्टाइल मेंटेन करें। रेगुलर एक्सरसाइज करें।
- किसी भी तरह की चोट लगने या इंफेक्शन को नजरअंदाज न करें। डॉक्टर से कंसल्ट करें।
- अपने आप कोई दवाई न लें। डॉक्टर द्वारा दी गई एंटी-बायोटिक का कोर्स नियमित लें और कोर्स पूरा करें।
- पौष्टिक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार लें।



विकसित मप्र के निर्माण के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रबंधन, तीन चरणों में होगा पूंजीगत निवेश

आरबीआई ने सबसे कम ब्याज दर पर स्वीकृत किया 3 हजार करोड़ का ऋण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार राज्य में विकास कार्यों को गति देने, अवस्थापना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) को मजबूत करने और जनकल्याणकारी योजनाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से 3000 करोड़ रुपये का वित्तीय संसाधन (ऋण) जुटाने जा रही है। इस राशि को 1000-1000 करोड़ रुपये के तीन सुव्यवस्थित चरणों में लिया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को नीलामी


जगदीश देवड़ा, डिप्टी सीएम, मप्र

प्रक्रिया बाजार से सबसे कम दर पर ब्याज पर प्रदेश सरकार को ऋण स्वीकृत किया है। यह ऋण भारत सरकार की तय सीमा 3 प्रतिशत के अंतर्गत ही लिया गया है।

उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्तीय प्रबंधन के इस कदम को राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए दूरदर्शी और अत्यंत सकारात्मक फैसला बताया है।

भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से प्राप्त होने वाला यह ऋण प्रदेश के आधारभूत ढ़ांचे जैसे सड़क निर्माण, पुल-पुलिया निर्माण, भू-अर्जन क्षेत्र, सिंचाई परियोजनाएं, बांध निर्माण, मेडिकल सेक्टर, विद्युत क्षेत्र, भवन निर्माण एवं आमजन की सुरक्षा से संबंधित कार्य किए जाएंगे।

विकास कार्यों में व्यय की जाती है ऋण राशि

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि ऋण राशि का उपयोग राजस्व व्यय जैसे वेतन भत्ते, लाड़ली बहना योजना, पेंशन, प्रशासनिक व्यय, सीएम किसान कल्याण निधि एवं अनुदान राज्य सहायता में नहीं किया जाता है। मंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि सरकार ऋण लेकर पूंजीगत कार्यों में व्यय करती है। इससे जीएसडीपी बढ़ती है और जीएसडीपी बढ़ने से प्रदेश के आम नागरिकों की आय भी बढ़ती है। इससे विकास परियोजनाओं की ग्रोथ और प्रदेश में समृद्धि आती है। किसी भी प्रदेश में ऋण लेकर विकास कार्यों में लगाना प्रदेश को विकासोन्मुखीकरण की ओर ले जाना है। वित्तीय अनुशासन और आरबीआई की निर्धारित सीमाओं के तहत ली जा रही यह राशि पूरी तरह से राज्य के विकास कार्यों में निवेश की जाएगी।

वित्तीय प्रबंधन एवं विकास रणनीति के मुख्य बिंदु

वित्तीय वर्ष 2026-27 में निर्धारित ऋण सीमा के अंतर्गत बाज़ार परिस्थितियों के अनुसार 1000-1000 करोड़ रुपये की तीन किस्तों में यह राशि जुटाई जाएगी, जिसमें कम ब्याज दर पर बेहतर प्रबंधन हो सके। आर्थिक गतिविधियों के बुनियादी ढांचे में पूंजीगत निवेश होने से राज्य में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और व्यापारिक गतिविधियों में भी तेज़ी आएगी।

मजबूत वित्तीय स्थिति का प्रमाण


सांकेतिक चित्र।

उप-मुख्यमंत्री देवड़ा ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित राजकोषीय जवाबदेही एवं बजट प्रबंधन सीमा 3 प्रतिशत के भीतर ही यह वित्तीय प्रबंधन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का जीएसडीपी अनुपात मजबूत स्थिति में है और राज्य सरकार समय पर ऋण भुगतान का बेहतरीन रिकॉर्ड बनाए हुए है। वित्तीय रणनीति से प्रदेश में चल रहे विकास प्रोजेक्ट्स में और तेज़ी आएगी, जिससे 'विकसित मध्यप्रदेश' के संकल्प को सीधे मजबूती मिलेगी।

16 तक चलेगा आंदोलन

आरजीपीवी को बांटने के प्रस्ताव पर कर्मचारी नाराज, प्रदर्शन शुरू

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) को तीन जोनल विश्वविद्यालयों में विभाजित करने के प्रदेश शासन के प्रस्ताव के विरोध में मंगलवार को विवि के शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों ने प्रदर्शन शुरू किया है। यह आंदोलन आगामी 16 अक्टूबर तक चलने की बात कही गई है। प्रदर्शनकारियों ने काली पट्टी बांधकर शासन के प्रस्ताव के खिलाफ नारे लगाए। उनका कहना है कि 28 साल में तैयार हुए प्रदेश के एकमात्र तकनीकी विश्वविद्यालय को बांटने के स्थान पर मजबूत किया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय का मूल स्वरूप बरकरार रखने और उसके संचित कोष को सुरक्षित रखने की मांग की है।

सरपंच ने पंचायती सचिव के खिलाफ खोला मोर्चा

भोपाल। जनपद पंचायत फंदा की ग्राम पंचायत अगरिया छापर में मंगलवार को पंचायत व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। ग्रामीणों ने पंचायत सचिव हेम सिंह राजपूत के खिलाफ प्रदर्शन किया। सरपंच सुनील मालवीय ने आरोप लगाया कि सचिव पंचायत भवन पर ताला लगाए रखते हैं। इसके विरोध में सरपंच ने पंचायत कार्यालय के बाहर दरी बिछाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। पिछले कई वर्षों से सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल रहा है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने गुरुग्राम में विकसित भारत संकल्प ज्योति यात्रा का शुभारंभ किया

मोदी के 25 साल गरीबों के कल्याण की यात्रा : शाह

करोड़ों परिवारों को पक्के घर, पांच लाख तक का स्वास्थ्य कवरेज उपलब्ध करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नरेन्द्र मोदी के निर्वाचित प्रतिनिधि के तौर पर 25 वर्ष पूरे करने की सराहना करते हुए इसे देश और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित यात्रा बताया। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को साइबर नगरी गुरुग्राम में विकसित भारत संकल्प ज्योति यात्रा का शुभारंभ किया। केंद्रीय गृहमंत्री कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सात अक्टूबर का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में स्वर्णिम और युगांतरकारी है। कार्यक्रम में शाह के साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं गुरुग्राम के सांसद राव इंद्रजीत सिंह और पार्टी की नवनियुक्त हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी भी मौजूद थीं। शाह ने कहा कि मोदी के गुजरात और फिर केंद्र सरकार के प्रमुख के रूप में पच्चीस वर्ष देश के करोड़ों नागरिकों के कल्याण और भारत के गौरव के भी 25 वर्ष हैं। उन्होंने मोदी के दीर्घायु होने की कामना की। गृह मंत्री ने कहा कि हमने इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए देश के हर जिले में सेवा ज्योति यात्रा आयोजित की है। शाह ने, गरीब परिवार में जन्म लेने के बावजूद संघर्षों से जूझते हुए आगे बढ़ने के लिए भी मोदी की सराहना की। उन्होंने केंद्र में मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि इन 25 वर्षों में गरीबी से मुक्ति, सुरक्षित भारत, अनुच्छेद 370 को निरस्त करना, नक्सलवाद का खात्मा, राम जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ मंदिरों का निर्माण और देश के बुनियादी ढांचे को अगले स्तर तक ले जाना शामिल रहा है।

■ सात अक्टूबर का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में स्वर्णिम और युगांतरकारी



25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि लोगों के जीवन में भी महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं, 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया, जबकि करोड़ों परिवारों को पक्के मकान, पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और हर घर में नल का पानी उपलब्ध हुआ। शाह ने दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में भारत विनिर्माण, डिजिटल भुगतान, स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध और अस्थिरता के इस दौर में भारत शांति और सद्भाव की एक महत्वपूर्ण वैश्विक आवाज बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को सौंपी मशाल



इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुरुग्राम के प्रमुख मार्गों से पैदल यात्रा करते हुए सिग्नेचर टावर के पास यात्रा की मशाल स्थापित की। इस दौरान उन्होंने मशाल युवाओं को सौंपते हुए विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। यात्रा का शुभारंभ विकसित भारत सभा से हुआ, जिसमें हजारों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का संदेश देते हुए कहा कि देश और प्रदेश का विकास तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर सुविधाएं पहुंचें और लोगों का जीवन सुखी, समृद्ध एवं समस्यामुक्त बने। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली, गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा, मानेसर की मेयर डॉ इंद्रजीत यादव सहित अधिकारी मौजूद रहे।

विस परिसर में सकल जैन समाज का सामूहिक क्षमा वाणी महोत्सव

अहंकार का नाश कर क्षमा जीवन में सरलता, सहजता लाती हैः सीएम डॉ. यादव

करुणा, दया अनुकंपा की भावना के बिना क्षमा धर्म की आराधना नहीं हो सकती: आचार्य समय सागर महाराज


आचार्यश्री समय सागर के मंगल सानिध्य में उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते सीएम।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सकल जैन समाज के सामूहिक क्षमा वाणी महोत्सव में विधान सभा परिसर में सामाजिक बंधु एक दूसरे से जाने अनजाने में की गई गलतियों के लिए क्षमा मांगते दिखे। कुंडल पुर के बड़े बाबा आचार्य विद्या सागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए आयोजन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने आचार्य श्री को शास्त्र भेट किए, सभी के मंगल मय जीवन की मंगल कामना के साथ मंगलाचरण हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा हमारा सौभाग्य है, लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में आचार्यश्री के पधारे इससे दिवाली होली एक साथ बन गए है।

क्षमा जीवन में सरलता लाती है...

सीएम डां मोहन यादव ने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर में पहले आचार्यश्री विद्या सागर महाराज के चरण भी पड़े, ये सुखद संयोग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे है। प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में जीव दया ओर अहिंसा को आधार माना शासन के मुखिया होने के नाते निर्णय कठोर भी लेने पड़ते हे, क्षमा मांगता हुं, क्षमा पर्व व्यक्ति के अंतर मन को मजबूत बनाता है। अहंकार का नाश कर क्षमा जीवन में सरलता सहजता लाती है।

रुद्री थाने के पास डायल 112 के कंट्रोल रूम में मिला शव

डायल 112 में तैनात आरक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पुलिस कर रही जांच

घटना की जानकारी मिलते ही महकमे में मचा हड़कंप, नाइट ड्यूटी के लिए थे तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। जिले के रुद्री थाना क्षेत्र में आपातकालीन सेवा डायल 112 में तैनात एक आरक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई है। आरक्षक का शव रुद्री थाने के पास ही स्थित डायल 112 के कंट्रोल रूम में मिला है।

इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। फिलहाल आरक्षक की मौत किन कारणों से हुई है, इसकी वास्तविक वजह सामने नहीं आ सकी है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक आरक्षक की पहचान ओंकार सोनवानी के रूप में की गई है, जो मूल रूप से कुरुद के ग्राम बंगोली के निवासी थे। आरक्षक ओंकार



सोनवानी की ड्यूटी डायल 112 कंट्रोल रूम में लगी हुई थी और वे हमेशा की तरह अपनी नाइट ड्यूटी के लिए तैनात थे। बताया जा रहा है कि रात करीब 8 से 8:30 बजे के बीच, कंट्रोल रूम के भीतर ही ओंकार अचानक अचेत और बेसुध अवस्था में पाए गए। उन्हें इस हालत में देख वहां मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों के हाथ-पांव फूल गए। सहयोगियों ने बिना वक्त गंवाए तत्काल उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल धमतरी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद आरक्षक ओंकार सोनवानी को मृत घोषित कर दिया।

मौके पर तुरंत पहुंचे वरिष्ठ अधिकारी

ड्यूटी के दौरान एक आरक्षक की इस तरह अचानक हुई संदिग्ध मौत की खबर जैसे ही आला अधिकारियों तक पहुंची, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर रवाना हुए। अधिकारियों ने रुद्री स्थित घटनास्थल का बारिकी से जायजा लिया है। पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच हर एक संभावित एंगल से शुरू कर दी है। घटनास्थल (कंट्रोल रूम) से जुड़े तमाम वैज्ञानिक और भौतिक साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है। इसके साथ ही, घटना से ठीक पहले आरक्षक की मानसिक व शारीरिक स्थिति कैसी थी, ड्यूटी के दौरान की क्या परिस्थितियां थीं और क्या वे किसी तनाव या बीमारी से जूझ रहे थे-इन सभी पहलुओं पर उनके साथी पुलिसकर्मियों से बारीकी से पूछताछ कर जानकारी ली जा रही है। पुलिस विभाग का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम की विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट सामने आने और आवश्यक वैधानिक जांच पूरी होने के बाद ही आरक्षक की मौत की वास्तविक और सटीक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

पुलिस और वन अमले ने दोनों अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला

वन विभाग की टीम पर हमला, दो अधिकारियों से मारपीट कर पांच घंटे तक बनाए रखा बंधक



हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिले के बागबाहरा वन परिक्षेत्र के तमोरा क्षेत्र में वन भूमि अतिक्रमण के दौरान आरोपियों ने वन विभाग की टीम पर हमला कर दिया। हमलावरों ने वन परिक्षेत्र अधिकारी नवीन वर्मा और उपवनक्षेत्रपाल नवीन शर्मा के साथ मारपीट की तथा उन्हें करीब पांच घंटे तक बंधक बनाए रखा। घटना 6 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है, जिसके बाद पुलिस और वन अमले ने मौके पर पहुंचकर दोनों अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्राप्त विवरण के अनुसार, वन परिक्षेत्र अधिकारी नवीन वर्मा और उपवनक्षेत्रपाल नवीन शर्मा अन्य कर्मचारियों के साथ तमोरा क्षेत्र में रात्रि गश्त कर रहे थे। वन अमले को जंगली सुअर के अवैध शिकार की सूचना मिली थी। गश्त के दौरान लाठी-डंडों से लैस लोगों ने अचानक वन विभाग की टीम को घेर लिया। आरोपियों ने रेंजर और उपवनक्षेत्रपाल पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट के बाद अतिक्रमणकारियों ने अधिकारियों का सामान, पर्स और उपवनक्षेत्रपाल का मोबाइल फोन भी छीन लिया। इसके बाद आरोपी दोनों अधिकारियों को तमोरा वनखंड स्थित एक मकान में ले गए और वहां उन्हें बंधक बना लिया।

समय पर पहुंचकर पुलिस टीम ने टाली दुर्घटना



आरोपियों ने दोनों अधिकारियों को रात लगभग 7:30 बजे से 12:30 बजे तक करीब पांच घंटे तक मकान में बंद रखा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल तथा बागबाहरा एवं महासमुंद का वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचा। पुलिस बल और वन अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। सुरक्षित बाहर निकालने के बाद पुलिस ने दोनों पीड़ित अधिकारियों का चिकित्सीय परीक्षण कराया। यदि समय पर पुलिस बल और वन अमला मौके पर नहीं पहुंचता, तो अतिक्रमणकारियों द्वारा की गई मारपीट और हमले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों की जान तक जा सकती थी। समय पर पहुंचे बल ने गंभीर जनहानि को टाल दिया।

अमले ने त्वरित कार्रवाई को दिया अंजाम

गृहमंत्री का निज सचिव बताकर ऐंठी रकम

नौकरी और ट्रांसफर का झांसा देकर ठगी करने वाले पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शासकीय नौकरी लगाने और स्थानांतरण कराने का झांसा देकर लाखों की ठगी करने वाले दो जालसाज पकड़ाए हैं। आरोपियों ने खुद को प्रभावशाली लोगों का करीबी बताकर लोगों को अपने जाल में फंसाया। इनमें से एक आरोपी ने गृहमंत्री का निज सहायक बनकर लोगों से रकम ऐंठी। पुलिस ने आरोपियों के पास से गृहमंत्री कार्यालय का फर्जी पहचान पत्र भी बरामद किया है। मामले का पर्दाफाश उस समय हुआ जब पीड़ित बोस्टो तांडी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी आदित्य मोहन पंडा और संतराम यादव ने शासकीय नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। मुख्य आरोपी आदित्य ने खुद को गृहमंत्री विजय शर्मा का निज सहायक बताकर प्रार्थी का विश्वास जीता। इसके बाद आरोपी ने नौकरी लगाने के नाम पर पीड़ित से 70 हजार रुपये ले लिए। लंबे समय तक नौकरी न मिलने और रकम वापस न होने पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि वे अब तक करीब 15 लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं।

अरेरा हिल्स स्थित राज्य चुनाव आयोग कार्यालय के सामने पुतला फूंककर जताया विरोध


अरेरा हिल्स क्षेत्र में पुतला दहन करते कांग्रेसी नेता।

पार्टी नेताओं ने संबंधित कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मंगलवार को नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया। इस कार्रवाई के विरोध में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अरेरा हिल्स स्थित राज्य चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया है। बता दें कि मंगलवार को संसद मार्ग से चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर इंडिया ब्लॉक के मार्च के बाद राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को पुलिस ने रोका और बाद में हिरासत में ले लिया।

राहुल गांधी को हिरासत में लेने पर कांग्रेस का चुनाव आयोग के बाहर विरोध प्रदर्शन





दिग्विजय, जीतू, सिंघार, प्रवीण बैठे धरने पर

राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने के बाद अरेरा हिल्स पर स्थित चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर रात में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, भोपाल जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना समेत कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी धरना देकर विरोध जताया। इधर, कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया।

चिंतन

त्योहार के मौके पर महंगाई चिंता का सबब

त्योहारों का मौसम बाजार में रौनक और घरों में खुशियां लेकर आता है। लोग खरीदारी की योजनाएं बनाते हैं, बाजार उम्मीद से भरते हैं और कारोबारियों को बिक्री बढ़ने की आस रहती है, लेकिन इस बार महंगाई और महंगे होते कर्ज ने त्योहारों की इस खुशी पर चिंता की परत चढ़ा दी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि महंगाई को लेकर उसकी चिंता बढ़ी है। यानी आने वाले दिनों में आम आदमी के घरेलू बजट पर दोहरी मार पड़ सकती है। एक तरफ वस्तुओं की बढ़ती कीमतें और दूसरी तरफ कर्ज की बढ़ती लागत। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 5.25 से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। लंबे अंतराल के बाद ब्याज दर में यह वृद्धि इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका सीधा संबंध आम आदमी के ऋण से है। रेपो रेट बढ़ने पर बैंकों के लिए धन जुटाना महंगा होता है और उसका असर ग्राहकों तक पहुंचता है। फ्लोटिंग ब्याज दर वाले होम, कार और व्यक्तिगत ऋण की ईएमआई बढ़ सकती है अथवा ऋण चुकाने की अवधि लंबी हो सकती है। नए ऋण लेने वालों को भी अधिक ब्याज देना पड़ सकता है। त्योहारों के समय इसका असर बाजार की मांग पर पड़ना स्वाभाविक है। घर खरीदने, वाहन लेने या महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग ऋण पर निर्भर हैं। ईएमआई बढ़ती है तो परिवार बड़ी खरीदारी टाल सकते हैं। इसका असर केवल उपभोक्ता पर नहीं, बल्कि दुकानदार, निर्माता, परिवहन क्षेत्र और रोजगार तक पहुंच सकता है। चिंता इसलिए भी बढ़ी है कि रिजर्व बैंक ने 2026-27 के लिए महंगाई का अनुमान 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, वैश्विक परिस्थितियां और मौसम संबंधी जोखिम खाद्य महंगाई को प्रभावित कर सकते हैं। भारत में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सबसे ज्यादा असर मध्यम और निम्न आय वाले परिवारों पर पड़ता है। आमदनी सीमित हो और रसोई का खर्च लगातार बढ़ता जाए तो बचत और दूसरी जरूरतों के लिए पैसा कम पड़ना तय है। बेशक, अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक अच्छी खबर भी है। 2026-27 की आर्थिक विकास दर का अनुमान 6.7 से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत है, लेकिन आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी है, जब महंगाई की मार आम आदमी की जेब तक न पहुंचे। विकास दर बढ़े और दूसरी ओर जीवन-यापन महंगा होता जाए तो आंकड़ों की चमक और नागरिक के अनुभव के बीच अंतर बढ़ता है। रिजर्व बैंक ने अपने रुख में भी बदलाव किया है। 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' का संकेत बताता है कि निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश सीमित हो गई है। महंगाई पर नियंत्रण के लिए ब्याज दर बढ़ाना मौद्रिक नीति का जरूरी हथियार हो सकता है। सरकार को आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करनी होगी, जमाखोरी और कृत्रिम महंगाई पर सख्ती करनी होगी तथा खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों से लेकर स्थानीय बाजार में बिचौलियों की भूमिका तक, हर स्तर पर निगरानी जरूरी है। महंगाई नियंत्रित करना जरूरी है, लेकिन इसके साथ लोगों की आय और क्रय शक्ति बढ़ाना भी जरूरी है। रिजर्व बैंक का काम कीमतों की स्थिरता सुनिश्चित करना है, जबकि सरकार की जिम्मेदारी है कि इस प्रक्रिया का बोझ आम आदमी पर न्यूनतम पड़े। त्योहार बाजार की रौनक से नहीं, आम आदमी की जेब में बची खुशी से सफल होते हैं।

उम्मीद से विकसित भारत के संकल्प तक



25 वर्षों की सेवा
नितिन नवीन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की 25 वर्षों की यात्रा को यदि एक शब्द में व्यक्त करना हो, तो वह शब्द है जनविश्वास। कालखंड वही अमर होते हैं, जो राष्ट्र के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा और उसके सपनों को नई दिशा देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के शासन-दायित्व के 25 वर्ष ऐसी ही परिवर्तनकारी यात्रा के साक्षी हैं। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यह यात्रा 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव को पूरा कर चुकी है। निराशा से उम्मीद, उम्मीद से भरोसा और भरोसे से संकल्प तक-यह 25 वर्षों की यात्रा केवल बदलते भारत की कहानी नहीं, बल्कि उस बढ़ते आत्मविश्वास की कहानी है, जिसने देश की आकांक्षाओं को नई दिशा दी।

बात वर्ष 2012 की है। मुझे गुजरात के आनंद जिले में आयोजित सद्भावना मिशन के एक कार्यक्रम में युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में शामिल होने का अवसर मिला था। मैंने देखा कि जिले के लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने और उनके क्रियान्वयन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष मेले का आयोजन किया गया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे दिन लोगों के बीच रहे। वे उनकी बातें सुनते, समस्याओं को समझते और समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते रहे। कार्यक्रम के बाद मैंने उनसे पूछा कि वे पूरे दिन लोगों की समस्याएं सुनने और उनके समाधान के प्रयासों में स्वयं क्यों जुटे रहे। उन्होंने सहज भाव से कहा, "ये लोग केवल अपनी समस्याओं के समाधान के लिए नहीं आते। उनका मुझसे आत्मीय संबंध है, उनकी भावनाएं मुझसे जुड़ी हैं, इसलिए परिवार के सदस्य के रूप में उनके साथ रहना मेरे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है।"

उनका यह सहज उत्तर उस समय जितना सरल लगा, आज 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को देखते हुए उतना ही गहरा अर्थ लिए दिखाई देता है। जनता से संवाद और उनकी समस्याओं को अपनी जिम्मेदारी मानना उनके सार्वजनिक जीवन की महत्वपूर्ण विशेषता रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की 25 वर्षों की यात्रा को यदि एक शब्द में व्यक्त करना हो, तो वह शब्द है - जनविश्वास। कालखंड वही अमर होते हैं, जो राष्ट्र के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा और उसके सपनों को नई दिशा देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के शासन-दायित्व के 25 वर्ष ऐसी ही परिवर्तनकारी यात्रा के साक्षी हैं। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यह यात्रा 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव को पूरा कर चुकी है। निराशा से उम्मीद, उम्मीद से भरोसा और भरोसे से संकल्प तक-यह 25 वर्षों की यात्रा केवल बदलते भारत की कहानी नहीं, बल्कि उस बढ़ते आत्मविश्वास की कहानी है, जिसने देश की आकांक्षाओं को नई दिशा दी और राष्ट्र के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान की। किसी भी देश की दिशा केवल उसकी नीतियां तय नहीं करतीं, उसके सपने भी तय करते हैं। स्वतंत्रता से पहले देश के सामने एक स्पष्ट ध्येय था - भारत माता को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करना। उस ध्येय ने भाषाओं, क्षेत्रों और वर्गों में बंटे समाज को एक सूत्र में बांधा और हर सामान्य व्यक्ति को योगदान का अवसर दिया। स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण के कार्य हुए, पर उतना स्पष्ट और साझा लक्ष्य कम ही दिखाई दिया। राष्ट्र को लक्ष्य इसलिए चाहिए कि लक्ष्य ही सामान्य जन की ऊर्जा को दिशा देता है। 2010 के आसपास देश में घोर निराशा का वातावरण था-भ्रष्टाचार की खबरें, सुरक्षा को लेकर चिंता और व्यवस्था में भरोसे की कमी साफ़ दिखाई दे रही थी। इसी निराशा के बीच मोदी जी के नेतृत्व में बदलाव की उम्मीद जगी और देश नई दिशा की ओर बढ़ा। उन्होंने भारत के सामने एक बड़ा लक्ष्य रखने की बात की और कहा कि अब देश को छोटे सपने देखने की आवश्यकता नहीं, देश को बड़े सपने देखने चाहिए- 2047 तक विकसित भारत। आज यह 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प बन चुका है जिसमें विकास का अर्थ गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा, आदिवासी और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में



अवसरों का विस्तार हो। एक समय हमारे सामने प्रश्न था, क्या भारत यह कर सकता है? आज प्रश्न है, भारत और क्या कर सकता है? यही बदलाव उम्मीद से भरोसे की ओर बढ़ते भारत की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन को समझने के लिए उनके संगठनात्मक संस्कारों को समझना जरूरी है। एक समर्पित स्वयंसेवक के रूप में काम करने से उनके भीतर यह भाव मजबूत हुआ कि सार्वजनिक जीवन का अर्थ पद नहीं, दायित्व है और राजनीति का अर्थ सत्ता नहीं, सेवा है। 7 अक्टूबर 2001 को जब उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री का दायित्व संभाला, तब राज्य 2001 के विनाशकारी भूकंप के मलबे और आंसुओं से जूझ रहा था। भुज और कच्छ के पुनर्निर्माण की उस कठिन चुनौती को उन्होंने जिस इच्छाशक्ति से संभाला, उसने आगे चलकर विकास और आपदा-प्रबंधन के वैश्विक मॉडल का रूप लिया। इसी सेवा-संस्कार को उन्होंने 2014 के बाद राष्ट्रीय स्तर पर सुशासन की रीढ़ बनाया। कभी भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान गंदगी, बदहाली और बीमारियों के रूप में प्रचारित की जाती थी। लाल किले की प्राचीर से जब प्रधानमंत्री ने 'स्वच्छ भारत अभियान' का आह्वान किया, तो यह केवल एक सफाई अभियान नहीं, बल्कि 'स्वच्छता ही सेवा' का एक ऐसा जन-आंदोलन बना जिसने सदियों पुरानी आदतों को बदलकर राष्ट्रीय संस्कार में ढाल दिया। इसी सोच के साथ वित्तीय समावेशन, स्वच्छता, पोषण, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास हुआ। प्रधानमंत्री जन-धन योजना इसका एक उदाहरण है। अगस्त 2026 तक देश में 59.09 करोड़ जन-धन खाते खोले जा चुके हैं और इनमें लगभग 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं।

मोदी जी के नेतृत्व में लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। "विकलांग" से "दिव्यांग" शब्द की ओर बढ़ना केवल शब्दों का परिवर्तन नहीं, बल्कि दृष्टिकोण में बदलाव का प्रतीक था। विश्वस्तरीय एक्सप्रेस-वे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, नमो भारत और वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल परियोजनाएं भारत के आर्थिक भूगोल को गति दे रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर ऐतिहासिक सॉफ्ट लैंडिंग, आदित्य-एल1 का सूर्य की ओर अभियान, आगामी गगनयान मिशन और स्पेस सेक्टर में निजी क्षेत्र की क्रांति ने भारत का डंका बजाया है। सेमीकंडक्टर मिशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम टेक्नोलॉजी में भारत आज दुनिया की अगली कतार में खड़ा है। किंतु राष्ट्र का आत्मविश्वास केवल भौतिक प्रगति से पूर्ण नहीं होता; वह तब सुदृढ़ होता है जब देश को यह भरोसा हो कि राष्ट्रहित में कड़े और ऐतिहासिक निर्णय लेने में नेतृत्व कभी नहीं हिचकेगा। 25 वर्ष पहले एक स्वयंसेवक ने गुजरात में शासन की जिम्मेदारी संभाली थी। आज उसी यात्रा ने भारत के सामने 2047 के विकसित भारत का विराट संकल्प रखा है। यही संकल्प दुनिया भर में हमारे प्रधानमंत्री को मिले सम्मान में भी परिलक्षित होता है। 36 देशों के सर्वोच्च सम्मानों से सम्मानित होना बताता है कि हमारे प्रधान सेवक पर पूरी दुनिया का कितना भरोसा है। यह सम्मान प्रधानमंत्री जी का तो है ही, साथ ही यह 140 करोड़ भारतवासियों का भी सम्मान है और दुनिया भर में रह रहे प्रवासी भारतीयों के साहस, परिश्रम और सफलता का सम्मान भी। इन 25 वर्षों की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल विकास की गति नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि भारत बड़े सपने देख सकता है और उन्हें साकार करने का सामर्थ्य भी रखता है। आज देश अपने सामर्थ्य, संकल्प और सामूहिक शक्ति के साथ उन सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

वायु सेना दिवस
डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव



वायुसेना की ताकत बढ़ाने की तैयारी

भारतीय वायु सेना अपनी स्थापना के 95वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। 8 अक्टूबर 1932 को प्रारंभ हुए सफर ने आज भारतीय वायु सेना को दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। ऑपरेशन सिंदूर में अपनी क्षमता का लोहा मनवाने वाली भारतीय वायु सेना ने वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट की 2026 की रैंकिंग में लगातार तीसरा स्थान बनाए रखा है। भारतीय वायु सेना ने अपनी युद्धक क्षमता आधुनिकीकरण के दम पर चीन को पीछे छोड़ दिया है। इस रैंकिंग का आधार केवल विमानों की संख्या नहीं है बल्कि वायु सेना की मारक क्षमता, लॉजिस्टिक, पायलटों का प्रशिक्षण और युद्ध की तैयारियों को देखकर यह स्थान तय किया गया है। 94 वर्षों का यह इतिहास वायु सेना के अदम्य साहस, अभूतपूर्व शौर्य, तकनीकी विकास और देश रक्षा की पराकाष्ठा का जीवंत दस्तावेज है। इन दौरान ऐसे कई अवसर आए, जब भारतीय वायुसेना के जांबाजों ने शत्रु के दांत खट्टे करके अपनी ताकत का एहसास करवाया। ऑपरेशन सिंदूर में तो वायुसेना ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इससे पहले भी हर चुनौती के समय भारतीय वायुसेना के विमान दुश्मन पर आफत बनकर टूटे हैं। हमेशा उन्होंने दुश्मनों को तबाह किया है और प्रत्येक युद्ध को जीतने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। वर्ष 1947, 1965, 1971 के भारत-पाकिस्तान के मध्य लड़े गए युद्धों तथा 1999 के कारगिल संघर्ष यानि कि ऑपरेशन सफेद सागर में भारतीय वायु सेना ने शत्रु सेना की कमर तोड़ने में मुख्य भूमिका निभाई। इसके अलावा संसार के सबसे ऊंचे सियाचिन युद्धक्षेत्र पर रसद पहुंचाना एवं आपदाओं के समय रिकॉर्डतोड़ अभियान चलाना इसकी बड़ी ताकत है। विदेशी सेनाओं के साथ युद्धाभ्यासों की मेजबानी कर अपनी रणनीतिक पहुंच को प्रदर्शित किया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान अपनी वायुसेना की ताकत बढ़ाने में लगा हुआ है। पाकिस्तान अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति के बाद भी रक्षा बजट बढ़ाकर पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान, बिना पायलट वाले हवाई सिस्टम, आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्लेटफॉर्म, अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस सिस्टम और रणनीतिक गतिशीलता वाले प्लेटफॉर्म को अपने हवाई बेड़े में शामिल करने के प्रयास में लगा हुआ है। चीन की तरफ से भी भारत को और अधिक चुनौतियां मिल रही हैं। चीन के पास वर्तमान में 300 से ज्यादा पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं। इसके अलावा वह अपने एयरबेस को और अधिक उन्नत बना रहा है। ऐसे में भारत के सामने दोहरे मोर्चे का खतरा एक बड़ी सामरिक चुनौती है, जिसके लिए भारत को तैयार रहना है। इस कारण भारतीय वायुसेना को तत्काल 250 लड़ाकू विमानों की आवश्यकता है। चीन व पाकिस्तान से मिलने वाली सामरिक चुनौतियों के मद्देनजर भारत के पास लगभग 45 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान होने चाहिए। उपर्युक्त चुनौतियों के मद्देनजर वायुसेना 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद की तैयारी में है। भारतीय वायु सेना प्रमुख ने हाल ही में बताया है कि इस वित्त वर्ष में बहुप्रतीक्षित बहुद्देशीय लड़ाकू विमान राफेल के सौदे को अंतिम रूप देने के लिए भारत आगे बढ़ रहा है। इन विमानों की डील अगले साल की शुरुआत में हो जाने की उम्मीद है। वायु सेना के पास अभी 26 राफेल विमान हैं। भारत रूस के पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एसयू-57 के भारत में ही बनाए जाने की तैयारी में है। रूस ने भारत को एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान की सौ फीसदी तकनीक के साथ-साथ सोर्स कोड दिए जाने का ऑफर दे रखा है।

इस ऑफर में रूस ने यह भी कहा है कि एचएएल के जिस प्लांट में सुखोई-30 एमकेआई का उत्पादन होता है, उसी प्लांट में एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान का उत्पादन शुरू हो सकता है। एसयू-57 एक बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है जो हवाई क्षमता, जमीनी हमले, टोही मिशन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में सक्षम है। इसमें लम्बी दूरी की आर-37 एम मिसाइलें लगी हुई हैं, जिनकी मारक क्षमता 400 किलोमीटर तक है। इसके अलावा इसमें हाइपरसोनिक मिसाइलें भी लगी हुई हैं, जिनमें उन्नत एवियोनिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सुपर कंडक्टिविटी का बेहतर संयोजन है। इस बीच अमेरिकी प्रशासन भी भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान के सौदे का ऑफर दे रहा है, लेकिन भारत ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई है। कुल मिलाकर भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के निर्माण की तरफ आगे बढ़ चुका है। निश्चित है कि अब वायुसेना का विमान बेड़ा बढ़ जाएगा और भारत अपनी भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सक्षम होगा।

(लेखक सैन्य विज्ञान विषय के प्राध्यापक रहे हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

क्रियायोग: अधिक विकसित होगी नई पीढ़ी



संकलित
दर्शन

सभी मनुष्य वस्तुतः आत्माएं ही हैं। आपके लिए मात्र जन्म के आधार पर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं है। जिन्हें हम 'नौजवान व्यक्ति' कहते हैं, वे पुरानी आत्माएं हैं और वे प्रत्येक मनुष्य में अंतर्जात कामनाओं-सुख, सुरक्षा, प्रेम इत्यादि कामनाओं को पूर्ण करने के लिए हर प्रकार के प्रयासों और आकांक्षाओं से गुजर चुकी हैं। उन्होंने उस (पूर्ति) को प्राप्त करने के प्रयास में अनेक जन्म व्यतीत किए हैं और अंततः वे यहां आए हैं तथा जिन लोगों ने जन्म लिया है, उनमें से लाखों लोग अपने पूर्वजन्मों से विकास के उस चरण में हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण इस विषय पर प्रकाश डालते हैं। वे अर्जुन से कहते हैं, 'यदि अंतिम लक्ष्य को प्राप्त किए बिना तुम्हारे इस जीवन का अंत हो जाता है तो चिंता मत करो, क्योंकि योग-ध्यान का कोई भी प्रयास व्यर्थ नहीं होता है।' तत्पश्चात उस भक्त का एक ऐसे वातावरण में पुनर्जन्म होता है, जहां वह पुनः अपनी आगे की यात्रा प्रारंभ करता है। इसलिए जिन्हें आप 'नौजवान व्यक्ति' कह रहे हैं, वे ज्ञानीजन हैं। वे संभवतः ऐसे युद्धरत आत्माएं हैं, जो हर प्रकार के अनुभव से गुजर चुके हैं और जिनकी चेतना इस प्रकार की है कि उन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में हर तरह के कार्य किए हैं। वे पुनः लौटकर आते हैं और कहते हैं, 'अब मैं अपना और अधिक समय व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं अपने और अधिक जन्मों को व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं वह कार्य करूंगा, जो वास्तव में मेरे आत्मा की क्षमताओं और मेरे आत्मा में विद्यमान उस दिव्य संपर्क की तृष्णा की पूर्ति करेगा।'

किसी व्यक्ति के विचार अच्छे नहीं, तो नीयत साफ नहीं



संकलित
प्रेरणा

महाभारत में द्युत क्रीड़ा में युधिष्ठिर दुर्योधन और शकुनि से सब कुछ हार गए थे। उस समय ये तय हुआ था कि जब पांडव 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा कर लेंगे, तब उन्हें उनका हारा हुआ राज्य लौटा दिया जाएगा। युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव और द्रौपदी का 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा हो गया था। शर्त के मुताबिक, दुर्योधन को पांडवों का राज्य लौटाना था। इसके लिए श्रीकृष्ण पांडवों के दूत बनकर हस्तिनापुर पहुंचे। भगवान ने दुर्योधन से कहा कि पांडवों ने वनवास पूरा कर लिया है, अब उन्हें उनका राज्य लौटा दो। श्रीकृष्ण की बात सुनने के बाद दुर्योधन ने पांडवों को राज्य लौटाने से मना कर दिया। दुर्योधन ने कहा कि वो पांडवों को एक गांव भी नहीं देगा। दुर्योधन की जिद के आगे धृतराष्ट्र, भीष्म, द्रोणाचार्य भी कुछ बोल नहीं सके। इसके बाद श्रीकृष्ण दरबार से जाने लगे तो दुर्योधन ने उनसे कहा कि आप हमारे अतिथि हैं, आप बिना भोजन किए न लौटें। श्रीकृष्ण ने कहा कि मैं किसी के यहां खाना खाते समय दो बातें ध्यान रखता हूं। पहली, मुझे बहुत भूख लगी हो। दूसरी, सामने वाला मुझे बहुत प्रेम से खिला रहा हो। अभी ये दोनों ही बातें नहीं हैं, न तो मुझे भूख है और न ही तुम मुझे प्रेम से निमंत्रण दे रहे हो। जैसा तुम्हारा स्वभाव है, इसमें भी कोई षड्यंत्र हो सकता है। इतना कहकर श्रीकृष्ण वहां से चले गए और बाद में भगवान ने विदुर के यहां भोजन किया था।

अंतर्मन



आज की पाती

चुनाव आयोग पर सियासी घमासान

भारतीय राजनीति में चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर शुरू हुआ विवाद अब केवल एक संवैधानिक संस्था की कार्यप्रणाली तक सीमित नहीं रह गया है। यह विवाद आने वाले समय की व्यापक राजनीतिक दिशा से भी जुड़ता दिखाई दे रहा है। विपक्षी दल विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ तीखे बयान दे रहे हैं। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी इन आरोपों को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताकर विपक्ष पर पलटवार कर रही है। ऐसे वातावरण में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस राजनीतिक टकराव का जवाब केवल बयानबाजी से दिया जाएगा या तथ्यों और दस्तावेजों के साथ जनता के सामने पूरी तस्वीर रखी जाएगी। -*कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

प्रतिबद्ध नेतृत्व



मोदी जी ने राजनीति को सत्ता के सुख का साधन नहीं, बल्कि जन-कल्याण और राष्ट्र-निर्माण का अनुष्ठान बना दिया है। 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए ऐसे ही प्रतिबद्ध नेतृत्व की आवश्यकता है। -**राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

साझा संकल्प



विकसित भारत का जो सपना प्रधानमंत्री मोदी जी ने देखा था, वह अब 140 करोड़ भारतीयों का साझा संकल्प बन गया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए हम सभी भारतीय पूरी लगन और पूरी ताकत के साथ एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे और विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे।
- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

बीजेपी सरकार का ज़ुल्म



मुख्यमंत्री योगी ने खुद माना है कि उनके शासन में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी) का उत्पीड़न जल्द बंद नहीं होने वाला है। दूसरे शब्दों में, आदिवासी लोगों के खिलाफ़ बीजेपी सरकार का ज़ुल्म और अन्याय और बढ़ेगा ही।
- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

मिलीभगत बेनक़ाब



संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए, कांग्रेस पार्टी और विपक्ष बार-बार सड़कों पर उतरने, गिरफ़्तारियां झेलने या कानूनी मुक़दमों का सामना करने को तैयार हैं। मोदी सरकार और चुनाव आयोग के बीच की यह मिलीभगत बेनक़ाब हो चुकी है।
- **मल्लिकार्जुन खरगे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

नेपाल-चीन के बीच तातोपानी सीमा को लेकर बातचीत जारी



नेपाल बाढ़ और भूस्खलन के कारण बंद तातोपानी सीमा नाके से परिवहन सेवाएं फिर शुरू करने के लिए चीन के साथ बातचीत कर रहा है। नेपाल के एक मंत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी।
अवसंरचना विकास मंत्री सुनील लामसाल ने संसद की एक समिति को बताया कि तिब्बत से नेपाल को जोड़ने वाले तातोपानी व्यापार मार्ग को फिर खोलने के लिए चीनी अधिकारियों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार चीन की सीमा पर स्थित तातोपानी और रसुवागढ़ी दोनों पारगमन बिंदुओं से परिचालन फिर शुरू करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। काठमांडू से करीब 110 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित तातोपानी सीमा नाका नेपाल और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग है। वहीं, एक अन्य प्रमुख व्यापार एवं पारगमन केंद्र रसुवागढ़ी काठमांडू के उत्तर में रसुवा जिले में स्थित है। रसुवागढ़ी सीमा नाका 26 अगस्त को ऊंचाई वाले इलाके में बड़े पैमाने पर ग्लेशियर ढहने और चट्टान-बर्फ के हिमस्खलन से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद ल्हेंदे, भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में तेज मलबे के साथ बाढ़ आई, जिसमें कम से कम 1,455 लोगों की मौत हो गई।

ऑफ बीट

आराम के समय हृदय गति की भी अपनी छिपी लय होती है



आपने संभवत: 'सर्केडियन रिदम' यानी शरीर की उस 24 घंटे की जैविक घड़ी के बारे में सुना होगा, जो हमारी नींद और जागने के चक्र को नियंत्रित करती है। लेकिन अब यह सामने आया है कि आराम की अवस्था में हृदय की गति भी ऐसी रहस्यमयी और लंबी अवधि वाली लय का अनुसरण करती है, जो बाहरी दुनिया से स्वतंत्र रूप से चलती है। आराम की अवस्था में हृदय गति से आशय उस समय प्रति मिनट दिल की धड़कनों की संख्या से है, जब व्यक्ति शांत और निष्क्रिय अवस्था में हो। यह माप तनाव, थकान और शारीरिक फिटनेस से जुड़ा होता है। अध्ययन में पता चला कि 70 प्रतिशत प्रतिभागियों की आराम की अवस्था वाली हृदय गति एक धीमी जैविक लय का अनुसरण करती थी। 'स्मार्टवॉच' यानी ऐसी डिजिटल घड़ी जो समय बताने के साथ-साथ शरीर और दैनिक गतिविधियों से जुड़ी कई जानकारियां भी दर्ज करती है। इन लय में सप्ताह, महीने या यहां तक कि 10 सप्ताह तक के अलग-अलग चक्र पाए गए। इन चक्रों के दौरान प्रति मिनट दिल की गति एक निश्चित क्रम के अनुसार बढ़ती और घटती रही। इन चक्रों की पहचान से मानव शरीर की जैविक समय-व्यवस्था के बारे में हमारी समझ का विस्तार होता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

चुनाव आयोग ने वोट में धांधली और 'वोट चोरी' की, जब तक सीईसी इस मुद्दे पर जवाब और इस्तीफा नहीं देते देश भर में आंदोलन चलता रहेगा

पुलिस कितना भी रोक ले, अब विपक्ष रुकने वाला नहीं है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि जब उनके सांसद चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से मिलने गए तो उनसे मुलाकात नहीं हुई। इसके अलावा उन्होंने कई और बातें कहीं। चुनाव आयोग और सरकार पर आरोप भी लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने वोट में धांधली और 'वोट चोरी' की है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 'इललीगल इलेक्शन कमिश्नर' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'इललीगल प्राइम मिनिस्टर' (गैर-कानूनी प्रधानमंत्री) बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे जंतर-मंतर पर तब तक प्रदर्शन जारी रखेंगे जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती हैं।



जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन का विरोध प्रदर्शन, बोलीं सुप्रिया

मुख्य बिंदु और हालिया घटनाक्रम

- **विरोध का कारण:** कॉकरोच जनता पार्टी , कांग्रेस और ईंडी ब्लॉक के नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका इस्तीफा मांग रहे हैं।
- **सुरक्षा व्यवस्था:** जंतर-मंतर से लेकर संसद मार्ग तक के इलाके को छावनी में बदल दिया गया है और भारी सुरक्षा बल तैनात हैं।
- **यौन हमले के आरोप:** जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ महिला पत्रकारों और प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर दुर्व्यवहार व यौन हमले के आरोप लगाए हैं। एनएसयूआई कार्यकर्ता पर है।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा बोले

हम एफआईआर से डरने वाले नहीं

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने भी एफआईआर को लेकर कहा कि क्या वे इससे डरने वाले हैं? उन्होंने कहा कि वे सिर्फ लंच के लिए आए हैं और लंच करेंगे। हुड्डा ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की उनकी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि एक एफआईआर दर्ज हुई है, जिसमें उनका नाम भी शामिल है। कांग्रेस सांसद शफी परंबिल ने कहा कि प्रदर्शन जारी रहेगा।



बदले डीएमके के सुर



विरोध मार्च को दिया समर्थन, एकदम सही बताया

राहुल गांधी की मंगलवार को आलोचना करने के बाद अचानक से एक दिन बाद बुधवार को एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके ने यूटर्न ले लिया है। अब यह आलोचना समर्थन में बदल गई है। डीएमके के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा है कि अगर ऊंचे पद पर बैठे ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र विरोधी हैं, तो चुनाव निष्पक्ष कैसे हो सकते हैं? उन्होंने कहा कि उन्हें हटाया जाना चाहिए।

सौरभ दास अचानक 'सिविल वॉर' वाली बात क्यों करने लगे?

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संयोजक सौरभ दास ने 10 अक्टूबर के जंतर-मंतर प्रदर्शन से पहले एक बड़ी आशंका जाहिर की है। उन्होंने भाजपा और केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे लोगों को दिल्ली में बुलाया जा रहा है जो प्रदर्शनाकारियों पर हमले कर सकते हैं। दास ने बंगाल से लोगों को भेजने जाने की सूचना मिलने का दावा करते हुए सरकार से यह सवाल भी कर दिया कि क्या वह देश में 'सिविल वॉर' चाहती है। सौरभ दास दिल्ली के प्रेस क्लब में कई छात्र संगठनों के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।



जब तक सुधार नहीं, आंदोलन करते रहेंगे

सीजेपी एवं छात्र संगठनों ने बुधवार को सीईसी के खिलाफ एकजुट होकर आंदोलन का आह्वान किया। उन्होंने 10 अक्टूबर को होने वाले प्रदर्शन से पहले कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक चुनावी व्यवस्था में व्यापक सुधार नहीं किया जाता।



नई दिल्ली। सीईसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में पुलिस द्वारा हिरासत के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता बसों के ऊपर चढ़े।



गठबंधन के सांसद सीईसी के खिलाफ धरने के लिए जंतर-मंतर की ओर बढ़े,भाजपा का झंडा हटाया।



सीईसी के इस्तीफे की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी पुलिस वाहन में सवार हो गए।



कोलकाता। पुलिस कथित वोट चोरी के विरोध में 'लोक भवन घेराव' प्रदर्शन में शामिल लोगों को उठाती हुई।

खबर संक्षेप

ट्रक में जा घुसी कार 4 खिलाड़ियों की मौत

लखनऊ। टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता खेलकर घर लौट रहे देवरिया के 4 खिलाड़ियों की पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। ये मईल और लार थाना क्षेत्र के युवक थे। मृतकों में नित्यानंद, इरफान शामिल हैं।



अहमदाबाद के स्कूलों स्टेडियम को धमकी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में बुधवार को करीब 10 निजी स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने स्कूलों में पहुंचकर जांच शुरू की। हालांकि, तलाशी के दौरान किसी भी स्कूल में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

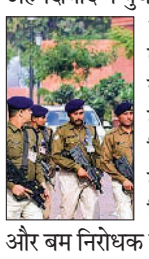

होम लोन का ब्याज छिपाया तो 2.10 लाख का जुर्माना

चंडीगढ़। हरियाणा के उपभोक्ता आयोग ने बैंक ऑफ बड़ौदा को भारतीय सेना के एक अधिकारी को 2.10 लाख देने का आदेश दिया है। बैंक ने अधिकारी को ऐसी सुविधा की जानकारी नहीं दी जिससे होम लोन पर ब्याज का बोझ कम हो सकता था। अधिकारी ने लोन का बोझ कम करने की जानकारी मांगी थी।



मुख्यमंत्री हेमंत की मां रूपी का निधन

रांची। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की मां और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन का बुधवार शाम निधन हो गया। उन्होंने रांची के बरियातू स्थित हिल व्यू अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे कई दिनों से अस्वस्थ थीं और उनका इलाज चल रहा था। उन्हें जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा था।



सिलचर में बैलेट पेपर से चुनाव, कांग्रेस को 2 सीटें

गुवाहाटी। सभी विपक्षी पार्टियां बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। असम के सिलचर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में बैलेट पेपर से हुए चुनाव में एनडीए ने यहां 42 में से 34 सीटें जीती जबकि कांग्रेस को 2 सीटें मिलीं।



राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने नई गाइडलाइन जारी की

डॉक्टर-अस्पतालों के लिए पॉलिसी बनाई गारंटीड इलाज व नंबर-1 डॉक्टर दावे बैन

विज्ञापन, सोशल मीडिया प्रचार, पॉडकास्ट, वेबसाइट, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और एआई से तैयार प्रचार सामग्री तक के लिए नियम तय



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डॉक्टरों और अस्पतालों के प्रचार-प्रसार को लेकर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें डॉक्टरों, अस्पतालों और मेडिकल संस्थानों के विज्ञापन, सोशल मीडिया प्रचार, पॉडकास्ट, वेबसाइट, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और एआई से तैयार प्रचार सामग्री तक के लिए नियम तय किए गए हैं।

गाइडलाइन का मकसद मरीजों को भ्रामक दावों से बचाना और चिकित्सा पेशे की गरिमा बनाए रखना है। डॉक्टर या अस्पताल अपने प्रचार में 'बेस्ट', 'नंबर-1', 'लीडिंग', 'मोस्ट ट्रस्टेड', 'टॉप' या 'नंबर वन स्पेशलिस्ट' जैसे दावे नहीं कर सकेंगे, जब तक इन दावों को स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से साबित न किया जा सके। इसी तरह 'गारंटीड इलाज' जैसे दावे करके मरीजों को आकर्षित करना भी प्रतिबंधित किया गया है। डॉक्टरों को अपने इलाज की सफलता दर या इलाज किए गए मरीजों की संख्या को इस तरह प्रचारित करने से भी रोक दिया गया है, जिससे चिकित्सा सेवा का व्यावसायिक प्रचार नजर आए।

चिकित्सा पेशे की गरिमा को बनाएं

मरीजों को जबरन लालच न दिखाएं



सोशल मीडिया और पॉडकास्ट भी दायरे में

आयोग ने विज्ञापन की परिभाषा को काफी व्यापक रखा है। इसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंच, वेबसाइट, ब्लॉग, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, पॉडकास्ट, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, डिजिटल प्रचार और एआई से तैयार प्रचार सामग्री तक को शामिल किया गया है। डॉक्टर या अस्पताल सोशल मीडिया को विज्ञापन के नियमों से बाहर नहीं होंगे।

एआई से मरीज की नकली फोटो या आवाज बैन

नई गाइडलाइन का सबसे नया पहलू एआई से जुड़े प्रचार को लेकर है। आयोग ने कहा है कि एआई से तैयार या एआई की मदद से बनाई गई प्रचार सामग्री का इस्तेमाल मरीजों को गुमराह करने नहीं किया जा सकता।

मरीजों को डराकर इलाज बेचने पर भी रोक

डॉक्टरों को ऐसा प्रचार करने से भी रोका गया है जिससे मरीजों में किसी बीमारी या प्रक्रिया को लेकर अनावश्यक डर पैदा हो और उसके आधार पर इलाज या जांच की मांग बढ़े। मरीज जुटाने पर भी रोक रहेगी।

छूट, कूपन और कैशबैक देकर मरीज खींचने पर भी रोक

आयोग ने अस्पतालों और डॉक्टरों के लिए डिस्काउंट, सीमित समय के ऑफर, कूपन, उपहार, कैशबैक, रेफरल लाभ और मुफ्त प्रक्रिया जैसे तरीकों से मरीज आकर्षित करने पर भी रोक लगाई है। डॉक्टरों को पूरी तरह सार्वजनिक संवाद से नहीं रोका गया है। डॉक्टर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, जनस्वास्थ्य अभियान, अकादमिक चर्चा और बीमारी से जुड़ी शैक्षणिक सामग्री में हिस्सा ले सकते हैं, बशर्ते इसका इस्तेमाल अपने निजी क्लिनिक या सेवा का प्रचार करने, मरीज जुटाने या व्यावसायिक प्रचार के लिए न किया जाए। डॉक्टर टीवी, रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अपने नाम के साथ बीमारी और जनस्वास्थ्य पर बातचीत भी कर सकते हैं, नियोक्ता संस्थान का प्रचार नहीं होना चाहिए।

नियमों की अनदेखी की तो होगी सजा और जुर्माना

आयोग ने साफ कहा है कि गाइडलाइन का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। इसमें रजिस्टर से निश्चित अवधि के लिए नाम हटाना या अन्य दंड और आर्थिक जुर्माना, जहां कानून इसकी अनुमति देता है, शामिल हो सकता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश

पति से अनबन पर नहीं दे सकते गर्भपात की अनुमति, जीवन हक

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मां की शारीरिक स्वायत्तता के साथ-साथ गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे को भी जीने का मौलिक अधिकार प्राप्त है। ऐसे में पति-पत्नी के बीच सामान्य अनबन के आधार पर गर्भ में पल रहे बच्चे को समाप्त करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर व न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने गर्भपात की मांग में पत्नी की ओर से दायर याचिका खारिज कर दी।



महिला नहीं देना चाहती थी जन्म

महिला का कहना था कि अब वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती है। वह बेरोजगार है और बच्चे का पालन नहीं कर पाएगी। इसलिए उसे 20 सप्ताह के इस गर्भ को समाप्त करने की अनुमति दी जाए।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा

भारतीय पति की बांग्लादेशी पत्नी की एंट्री पर रोक सही

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कलकत्ता हाईकोर्ट ने भारतीय नागरिक की बांग्लादेशी पत्नी को भारत में प्रवेश देने से इनकार करने के इमिग्रेशन अधिकारियों के फैसले को सही ठहराया है। अदालत ने कहा कि उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर महिला की भारत में एंट्री पर रोक उचित थी। पति की याचिका को खारिज कर दिया।



एक्स-1 वीजा पर आती थी भारत

कोर्ट को बताया गया कि शादी के बाद महिला भारतीय नागरिक की पत्नी के तौर पर मल्टीपल-एंट्री एक्स-1 वीजा के जरिए भारत आती-जाती थी। उसे आखिरी बार 25 सितंबर 2025 को वीजा जारी किया गया था, जो 24 सितंबर 2026 तक वैध था। महिला अप्रैल 2026 में बांग्लादेश गई थी। 23 अगस्त को लौटते समय इमिग्रेशन अधिकारियों ने प्रवेश नहीं दिया।

प्रदर्शन कर रहे छात्र असामाजिक नहीं, परीक्षाएं निष्पक्ष, पारदर्शी व किसी भी गड़बड़ी से मुक्त हों

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्र असामाजिक तत्व नहीं हैं। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि सार्वजनिक भर्ती परीक्षाएं निष्पक्ष तरीके से और बिना किसी गड़बड़ी के आयोजित हों।

एमपीएससी परीक्षा पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा



ईमानदार प्रयास करना चाहिए

कोर्ट ने पुणे के कुछ निवासियों याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और परीक्षा से जुड़े विवादों को लेकर पुणे में छात्रों और अन्य लोगों के जारी प्रदर्शन का मुद्दा उठाया गया था। पीठ ने कहा कि सरकार को लोगों और खासकर छात्रों का ऐसी परीक्षाओं में भरोसा बहाल करने के लिए ईमानदार प्रयास करना चाहिए।

उन्हें विरोध करने का अधिकार मिला

कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन छात्रों की शिकायतें हैं, उन्हें प्रदर्शन करने का अधिकार है। पीठ ने कहा कि अगर छात्रों के पास अपनी बात रखने का कोई अवसर नहीं है और परीक्षा में कुछ गड़बड़ी हुई है, तो उन्हें विरोध करने का अधिकार है।

राजपाल को चेक बाउंस मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत

मैं सारा भुगतान करने को तैयार, छलका अभिनेता का दर्द, जहां चाहें मुझे भेज दें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में सुप्रीम कोर्ट से थोड़ी राहत मिली है। एक्टर बुधवार को खुद 1.15 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने जज को बताया कि वह बाकी के 85 लाख रुपए पुश्तैनी संपत्ति के खरीदार के जरिए जमा करेंगे और 13 अक्टूबर तक रकम दे देंगे। उसकी संपत्ति का संभावित खरीदार अनंत प्रकाश यादव न्यायालय में उपस्थित हैं और वे 85 लाख रुपए का भुगतान करने के इच्छुक हैं।

आपकी फिल्म की तरह आपका पैसा भी अता पता लापता है, गायबः सीजेआई

कोर्ट में सीजेआई और राजपाल के बीच हल्की-फुल्की बातचीत भी हुई। अभिनेता ने अपनी फिल्म 'अता पता लापता' से हुए आर्थिक नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की वजह से उन्हें करीब 200 से 250 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। सीजेआई ने मजाकिया अंदाज में कहा, आपकी फिल्म की तरह आपका पैसा भी अता पता लापता है, गायब।'



मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सचिवों को मंडियों का दौरा कर खरीद प्रक्रिया की निगरानी करने के दिए निर्देश

फसल खरीद में किसानों को किसी स्तर पर परेशानी न हो, फसल का उठान हो सुनिश्चितः नायब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की मंडियों में खरीदी जा रही धान और बाजरे का तत्काल प्रभाव से उठान सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मंडियों में खरीद से लेकर उठान तथा भुगतान तक की पूरी व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो। मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में खरीफ फसलों की खरीद प्रक्रिया की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेन्द्र कुमार, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की प्रधान सचिव अमनीत पी. कुमार सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अब तक 5 लाख क्विंटल धान की खरीद

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश में जारी खरीफ फसलों की खरीद प्रक्रिया के तहत अब तक 5 लाख क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में आवक बढ़ने के साथ-साथ उठान की व्यवस्था भी उसी गति से सुनिश्चित की जाए, ताकि मंडियों में अनावश्यक रूप से स्टॉक जमा न हो और किसानों को अपनी फसल लाने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए।

बाजरे में देंगे भावान्तर योजना का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इस वर्ष हरियाणा के किसानों को बाजरे के लिए 2,900 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले। इस वर्ष सरकार द्वारा बाजरे की खरीद 2,300 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। यदि किसी किसान को खुले बाजार में 2,300 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक का भाव मिलता है, तो बिक्री मूल्य और 2,900 रुपये के एमएसपी के बीच के अंतर की भावान्तर भरपाई योजना के तहत सरकार द्वारा की जाएगी। सरकार द्वारा भावान्तर भरपाई योजना के तहत किसानों को 600 रुपए प्रति क्विंटल का लाभ दिया जाएगा। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष खुले बाजार में बाजरा लगभग 2,235 रुपये प्रति क्विंटल की औसत दर पर बिक रहा है। इसके अलावा बाजरे की खरीद निजी डीलरों द्वारा भी की जा रही है।



बैठक में अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष बाजरा खरीद के लिए सरकार द्वारा पहले 2,150 रुपये और बाद में 2,200 रुपये प्रति क्विंटल की दर निर्धारित की गई थी। सरकार तथा आढ़तियों द्वारा निर्धारित खरीद मूल्य और 2,900 रुपये प्रति क्विंटल के एमएसपी के बीच के अंतर की भरपाई सरकार द्वारा अलग से की गई थी।

प्रशासनिक सचिव मंडियों का दौरा कर दें रिपोर्ट

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए कि वे स्वयं मंडियों का दौरा कर खरीद, उठान और किसानों की सुविधाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लें तथा इसकी रिपोर्ट सरकार को सौंपें। वरिष्ठ अधिकारी मंडियों में जाकर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की निगरानी करें। इसके अलावा, खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए प्रत्येक मंडी में एचसीएस स्तर के अधिकारी की नियुक्ति की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन राइस मिलर्स के पास पिछले साल खरीदी गई धान बची हुई है, उसे लेकर विभागीय अधिकारियों की टीम का गठन किया गया है। व्यापारियों की सुविधा के लिए 2777 रुपए प्रति क्विंटल की राशि निर्धारित की गई है। बैठक में मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ. यशपाल, एमडी हैफेड चन्द्रशेखर खरे, महानिदेशक खाद्य एवं आपूर्ति डॉ. अंशज सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उद्योग जगत के विशेषज्ञों की राय

रेपो दर बढ़ाना महंगाई पर नियंत्रण को प्राथमिकता, खपत-निवेश पर असर संभव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- ऊंची ब्याज दर से योजनाओं पर असर पड़ेगा
- आरबीआई ने करीब चार साल में यह रेपो दर बढ़ाई
- उद्योग मंडल एसोचैम ने आरबीआई के फैसले का किया स्वागत



भारतीय रिजर्व बैंक का रेपो दर बढ़ाने का फैसला वृहद आर्थिक स्थिरता और महंगाई पर नियंत्रण को प्राथमिकता देने का संकेत देता है। हालांकि, ऊंची ब्याज दर से खपत, निवेश एवं विस्तार की योजनाओं पर असर पड़ सकता है।

उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने बुधवार को यह बात कही। आरबीआई ने बुधवार को उम्मीद के मुताबिक नीतिगत दर रेपो 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया। करीब चार साल में यह रेपो दर में पहली बढ़ोतरी है। साथ ही नीतिगत रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'सूझ-बूझ के साथ सख्त' करने का फैसला भी किया गया। उद्योग मंडल एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने कहा, हम रेपो दर बढ़ाने और मौद्रिक नीति के रुख को बदलने के आरबीआई के फैसले का स्वागत करते हैं।

महंगाई आरबीआई के लक्ष्य से अधिक : वेंकटरमण

भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट की संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी लक्ष्मी वेंकटरमण वेंकटेशन ने कहा, ''अगस्त में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई है जो आरबीआई के 4.0 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है। खाद्य कीमतों में बढ़ते दबाव और अनिश्चित बाहरी माहौल के बीच खाद्य महंगाई 5.95 प्रतिशत रही।

बाजार को फैसले की पहले से उम्मीद थी: आनंद राठी : *आनंद राठी समूह के मुख्य अर्थशास्त्री एवं कार्यकारी निदेशक सुजान हाजरा ने कहा, '' बाजार को इस फैसले की पहले से ही उम्मीद थी, इसलिए हमें वित्तीय बाजार पर इसके नकारात्मक असर की आशंका नहीं है...। घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती ने आरबीआई को कदम उठाने की गुंजाइश दी, जबकि खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों तथा रुपये में गिरावट ने मौद्रिक सख्ती के पक्ष में दबाव बढ़ाया।''*

उभरते महंगाई के प्रति संतुलित कदम: *बंधन ग्रुप बंधन ग्रुप के प्रबंध निदेशक अरविंद अग्रवाल ने कहा, ''आरबीआई का फैसला उभरते महंगाई दबाव के प्रति संतुलित कदम को दर्शाता है। साथ ही, यह घरेलू आर्थिक वृद्धि की मजबूती को भी ध्यान में रखता है।*

आगे दरों में और कटौती की संभावना : केयरएज

केयरएज रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने कहा, ''आरबीआई का रेपो दर बढ़ाने का फैसला हमारी उम्मीदों के अनुरूप है। मौद्रिक नीति का रुख 'सोच-समझकर सख्त रुख' अपनाने के निर्णय से आगे दरों में और कटौती की संभावना खत्म होती दिख रही है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि के अनुमान को 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत करना भी मोटे तौर पर हमारी उम्मीदों के अनुरूप था।

आरबीआई का कदम महंगाई पर अंकुश: बैंक

बैंक अधिकारियों और विशेषज्ञों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक का नीतिगत दर बढ़ाने का कदम महंगाई के दबाव को नियंत्रित करने और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगा, जबकि मजबूत घरेलू मांग और कर्ज प्रवाह के कारण आर्थिक वृद्धि की गति कायम रहने की उम्मीद है।

ब्याज दर में कटौती की संभावना नहीं

इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रेपो दर में बढ़ोतरी महंगाई के जोखिम को नियंत्रित करने के लिए संतुलित और एहतियाती कदम है। इससे संकेत मिलता है कि फिलहाल ब्याज दर में कटौती की संभावना नहीं है।

आवास मांग पर पड़ सकता है असर: रियल एस्टेट

रियल एस्टेट उद्योग और विशेषज्ञों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत ब्याज दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के फैसले से आगामी त्योहारों के दौरान आवास मांग पर कुछ असर पड़ सकता है। रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष निकाय नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने कहा, फिलहाल आवासीय मांग मजबूत बनी हुई है। खरीदारों के स्तर पर मजबूत धारणा, त्योहारी मांग और घर खरीदने की दीर्घकालीन जरूरत को देखते हुए हमारा मानना है कि इस बढ़ोतरी का आवासीय बाजार पर प्रभाव सीमित रहेगा।''

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले वैदबाण आयुर्वेदिक के एमडी सुभाष गोयल



नई दिल्ली। वैदबाण आयुर्वेदिक के एम.डी. सुभाष गोयल को परिवार सहित राष्ट्रपति भवन में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जहां उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस खास मौके पर उनकी बेटी डॉ. मिशेल गोयल भी उनके साथ मौजूद रहीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आयुर्वेद और भारतीय पारंपरिक जीवनशैली को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में हुई इस मुलाकात के दौरान आयुर्वेद, भारतीय खान-पान और पुराने समय की स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े कई विषयों पर बातचीत हुई। चर्चा में भारतीय रसोई में इस्तेमाल होने वाले मसालों, पारंपरिक भोजन और दैनिक जीवन में प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल पर बातचीत हुई। इस दौरान मटके का पानी पीने, दादी-नानी के घरेलू नुस्खों और पुराने समय की जीवनशैली जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। बातचीत में इस बात पर जोर दिया गया कि हमारी पुरानी और प्राकृतिक जीवनशैली में स्वास्थ्य से जुड़ी कई अच्छी बातें हैं, जिन्हें आज की पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। सुभाष गोयल ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलना और उनके हाथों सम्मान प्राप्त करना उनके और उनके परिवार के लिए बहुत गर्व और खुशी का पल है। उन्होंने कहा कि भारतीय आयुर्वेद और हमारी पारंपरिक जीवनशैली में स्वास्थ्य से जुड़ा बहुत पुराना और उपयोगी ज्ञान मौजूद है। इसे लोगों तक पहुंचाना उनकी कोशिश है। डॉ. मिशेल गोयल ने कहा कि राष्ट्रपति जी द्वारा भारतीय परंपराओं और आयुर्वेद से जुड़े विषयों में रुचि दिखाना सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि आज के समय में हमें अपनी पुरानी अच्छी आदतों और प्राकृतिक जीवनशैली को अपनाने की जरूरत है। राष्ट्रपति भवन में हुई यह मुलाकात सुभाष गोयल और उनके परिवार के लिए एक यादगार अवसर रही। इस अवसर ने भारतीय आयुर्वेद और पारंपरिक जीवनशैली को आगे बढ़ाने के प्रयासों को भी नई प्रेरणा दी।

एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाएंस करेंगे विस्तार

नई दिल्ली। एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस ने भारत तथा सिंगापुर के बीच यात्रियों को उड़ानों के अधिक विकल्प देने के मकसद से अपने वाणिज्यिक सहयोग का विस्तार करने की बुधवार को घोषणा की। यह विस्तार इस साल जनवरी में हुए वाणिज्यिक सहयोग रूपरेखा समझौते के तहत की गई पहल का हिस्सा है।

आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को अनुसूचित बैंकों की सूची से हटाया

एजेंसी ▶▶ मुंबई



- पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस पहले ही रद्द

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द होने के बाद उसे मान्यता-प्राप्त अनुसूचित बैंकों की सूची से हटा दिया गया है।

आरबीआई ने इस साल अप्रैल में नियमों का पालन नहीं करने पर पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने कहा था कि इस भुगतान बैंक का कामकाज नुकसानदायक ढंग से संचालित किया जा रहा था। इसके बाद दिल्ली उच्च न्यायालय ने पीपीबीएल को बंद करने का आदेश दिया था। आरबीआई ने बयान में कहा, ''पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची से हटा दिया गया है।''

रुपया 43 पैसे टूटकर 96.78 प्रति डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे 5.5 प्रतिशत किए जाने के बाद रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 43 पैसे टूटकर 96.78 (अस्थायी) के स्तर पर रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.37 प्रति डॉलर पर खुला। यह 96.34 से 96.84 प्रति डॉलर के दायरे में कारोबार करने के बाद अंत में 96.78 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 43 पैसे की गिरावट है।

ज्योतिष
कहते नहीं करके दिखाते है
सभी समस्याओं का समाधान जैसा चाहोगे करके दूगां
कारोबार, प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृहक्लेश, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपटी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनचाही इच्छा
A to Z समस्या का समाधान
स्पेशलिस्टः मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह
पंडित पी. के. शास्त्री
हमारे किये हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मांगा ईनाम।
काम ना होने पर पैसे वापस
+91 99974 92579

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सेंसेक्स 429 अंक गिरा

रेपो दर में बढ़ोतरी से घरेलू शेयर बाजार की तेजी थमी



- कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से निवेशक धारणा प्रभावित
- विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बाजार पर दबाव डाला

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रमुख नीतिगत दर रेपो में करीब चार साल बाद पहली बार बढ़ोतरी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से निवेशक धारणा प्रभावित होने के कारण स्थानीय शेयर बाजार लगातार दो दिन की तेजी के बाद बुधवार को गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स में 429 अंक की गिरावट आई जबकि निफ्टी 173 अंक टूट गया।

आरबीआई के रेपो दर में 0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी करने के फैसले से बाजार में गिरावट आई। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी दबाव डाला। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 429.11 अंक गिरकर 72,638.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 599.09 अंक के नुकसान के साथ 72,468.72 अंक पर आ गया था। निफ्टी भी 173.05 अंक की गिरावट के साथ 22,603.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 26 के शेयर नुकसान में रहे।

दरों में कटौती की संभावना खत्म हो गई : आरबीआई ने बुधवार को रेपो दर को 0.25 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया जो करीब चार साल में पहली बढ़ोतरी है। साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख बदलकर 'सोच-समझकर सख्ती' वाला कर दिया, जिससे निकट अवधि में दरों में कटौती की संभावना खत्म हो गई है।

सोना 700 रुपये गिरकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



- चांदी 2.27 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही

स्थानीय मांग कमजोर रहने और वैश्विक स्तर पर कीमतों में नरमी के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमत लगातार दूसरे दिन गिर गई। सोने का भाव 700 रुपये घटकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 700 रुपये की गिरावट के साथ 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) रह गया। मंगलवार को सोना 1,49,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।यह एक सप्ताह का निचला स्तर है। सोना 29 सितंबर को 1,48,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''बुधवार को कमजोर वैश्विक संकेतों और खुदरा मांग में नरमी के बीच घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट आई। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आपूर्ति बाधित होने की नई आशंकाओं के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भी सोने की कीमतों में गिरावट को बढ़ावा दिया। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि रुपये में गिरावट ने सोने की कीमतों में अधिक गिरावट को सीमित करने का काम किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr.Pc./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नूर मोहम्मद पुत्र नसीम** निवासीः बी–10, डीडीए फ्लेट, ठेका शास्त्री पार्क, दिल्ली ने **FIR No. 830/2022 U/s 25 Arms Act, थाना : शास्त्री पार्क, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या सन्देह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नूर मोहम्मद** नही मिल रहा है और समाधानप्रद रूप से प्रदर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नूर मोहम्मद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए छिपा हुआ है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 830/2022 U/s 25 Arms Act, थाना : शास्त्री पार्क, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नूर मोहम्मद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 29.01.2027** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
नोरमा जैन
एलडी. जेएमएफसी–03 (नोर्थ–ईस्ट),
कमरा नं. 22, प्रथम तल, कडकडडूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14216/NE/2026
(court notice)

दिवाली पर एलजी के चुनिंदा उत्पादों पर कैशबैक और आसान ईएमआई

नई दिल्ली। दिवाली के मौके पर एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने होम अप्लायंसेज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की चुनिंदा श्रेणियों के लिए 'सेलिब्रेशन ऑफ ट्रस्ट' नाम से त्योहारी ऑफर्स की घोषणा की है। कंपनी के मुताबिक, इन ऑफर्स में कैशबैक, आसान ईएमआई, जीरो डाउन पेमेंट और एक्सटेंडेड वारंटी जैसे लाभ शामिल हैं।कंपनी ने बताया कि त्योहारी ऑफर चुनिंदा उत्पादों पर लागू होंगे। इनमें घर में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद शामिल हैं। ऑफर्स का उद्देश्य त्योहारी खरीदारी के दौरान ग्राहकों को भुगतान के लिए अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराना है।एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के को-चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर संजय चितकारा ने कहा कि भारतीय परिवारों का कंपनी पर लंबे समय से भरोसा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत कैशबैक, ईएमआई, जीरो डाउन पेमेंट और एक्सटेंडेड वारंटी जैसे विकल्प दिए जा रहे हैं।कंपनी के अनुसार, ऑफर्स की उपलब्धता उत्पाद, खरीदारी के माध्यम और लागू शर्तों के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। ग्राहकों को खरीदारी से पहले संबंधित ऑफर की शर्तों और पात्रता की जानकारी जांचने की सलाह दी गई है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक	एमडीयू रोहतक में सामग्री रिकवरी सुविधाओं (एमआरएफ) के लिए शैड का निर्माण।	05.10.2026 13.10.2026	9.84 लाख	https://mdu.ac.in. & etenders.hry.nic.in	9991366698 xen.civil@mdurohtak.ac.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/49990/I/88/7 दि. 07.10.26

उत्तर रेलवे
ई– खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता/सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 03.11.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी ।

क्रम सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	सहायक मंडल अभियंता/सम्पत्ति–III के अधीन कार्यरत वरिष्ठ खंड अभियंता/सरदार पटेल मार्ग के कार्यक्षेत्र में मार्ग सरदार पटेल मार्ग रेलवे ऑफिसर्स एन्क्लेव में क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवारों, प्लास्टर/ग्रिल, कर्ब स्टोन्स, खुली नालियों को ढकने, लॉन की फ्लोरिंग, बाहरी प्लास्टर और बाहरी पेंटिंग आदि में सुधार कार्य हेतु।	रुपये 19999413.66	रुपये 400000.00	09 महीने
बी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पत्ति–III के अधीन कार्यरत वरिष्ठ खंड अभियंता/सैन मार्टिन मार्ग के कार्यक्षेत्र में सैन मार्टिन मार्ग पर खाली टाइप V और टाइप VI डुप्लेक्स और मोती बाग में रेलवे बोर्ड के सदस्यों के बंगलों की मरम्मत और नवीनीकरण का काम तथा अन्य संबंधित कार्य। कार्य हेतु।	रुपये 16999459.41	रुपये 340000.00	09 महीने

1. निविदा दिनांक: 03.11.2026 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।
पत्र संख्या :– 128–डब्लयू/2692/ओ.ई.टी/निविदा सूचना/26–27/डब्लयू–ई/टेंडर. नः 22 (ए, बी,) दिनांक: 05.10.2026. 3468/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

एनएसई ने निवेशकों को टेलीग्राम चैनलों से सावधान रहने की सलाह दी

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) ने निवेशकों को कुछ टेलीग्राम चैनलों के माध्यम से दी जा रही शेयर बाजार संबंधी सलाह, गारंटीड/आश्वासित रिटर्न और अकाउंट हैंडलिंग सेवाओं से सावधान रहने की सलाह दी है। एनएसई के अनुसार, "जेकपॉट ट्रेडिंग निफ्टी" नामक टेलीग्राम चैनल और एटकैपिटलगेन25 हैंडल के जरिए शेयर बाजार में निवेश संबंधी टिप्स, गारंटीड रिटर्न तथा अकाउंट हैंडलिंग सेवाएं दी जा रही हैं। इसके अलावा "ट्रेडिंग एक्सपर्ट" नामक एक अन्य टेलीग्राम चैनल भी निवेश संबंधी शेयर बाजार टिप्स उपलब्ध करा रहा है।एनएसई ने स्पष्ट किया है कि ऐसे किसी भी व्यक्ति या संस्था की योजनाओं में निवेश न करें, जो शेयर बाजार में निश्चित, गारंटीड या आश्वासित रिटर्न का दावा करती हो। निवेशकों को अपना यूजर आईडी, पासवर्ड या अन्य ट्रेडिंग क्रेडेंशियल्स किसी के साथ साझा न करने की भी सलाह दी गई है।निवेशक किसी व्यक्ति या संस्था की वैधता जांचने के लिए एनएसई की "नो/लोकेट यूअर स्टॉक ब्रोकर" सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। एनएसई ने स्पष्ट किया है कि उपरोक्त टेलीग्राम चैनलों का एक्सचेंज से कोई संबंध नहीं है।

शब्द पहेली - 6371

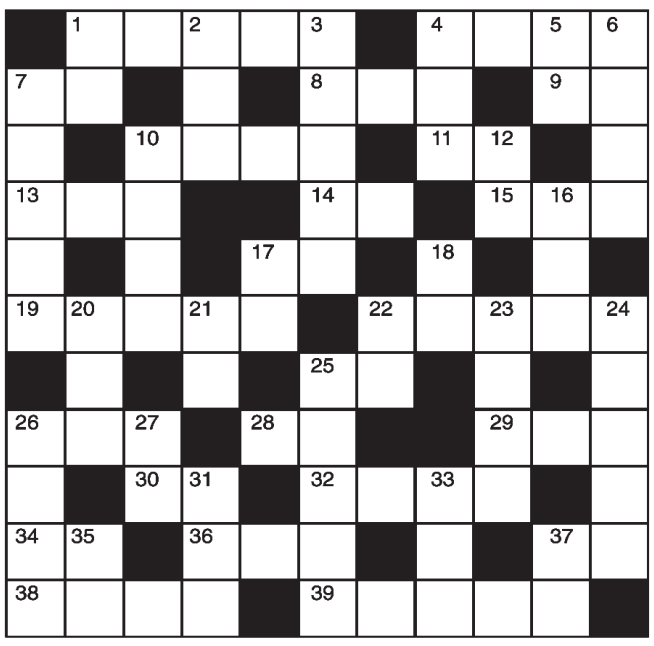

बाएँ से दाए
1. असहकार-5
4. शत्रुता, दुश्मनी-4
7. नाच, नृत्य (उर्दू-2)
8. विष्णु का वाहन-3
9. मादा का विलोम-2
10. ईश्वर, शिव-4
11. संज्ञा, संबोधन-2
13. वेग, गति-3
14. महसूल, राहदरी-2
15. अंधकार, अंधेरा-3
17. कुंजी, ताली-2
19. गोलाकार-5
22. इतरता, बेगानापन-5
25. समय, वक्त-2
26. स्याही का पात्र-3
28. अच्छा, सद् पुरुष-2
29. अदृश्य-3
30. मिट्टी, धूल-2
32. नट, बाजीगरी करने वाला-4
34. टैक्स, हाथ-2
36. बोलने का तरीका-3
37. खदान-2
38. जो जायज न हो-4
39. श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे
1. तराजू डंडा, पासा-2
2. पराजित करना-3
3. बहुत लंबा -5
4. रुकना, अड़ जाना-3
5. जंगल, कानन-2
6. तीर रखने का पात्र-4
7. सार-संभाल-2,3
10. पूंजी, धन-4
12. वोट, राय-2
16. राजा, महाराजा-3
17. चतुर्थ, चौथा-2
18. हलवा-2
20. पक्षाघात-3
21. तन, देह-2
22. क्षण-2
23. स्मारक-4
24. चोर, लुटेरा-5
25. जैकी श्राफ, अनिल कपूर, किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26. टूटना, बिखरना-4
27. पानी से सराबोर-2
31. कमल, नीरज-3
33. बादलों की गड़गड़ाहट-3
35. छुट्टी, अवकाश-2
37. राख, मिट्टी-2

शब्द पहेली - 6370 का हल

	ग	र	ज	ना		र	स	ही	न	
गु			वा		ढ		हा			ग
जा		म	नी	षा	को	ई	रा	ला		र
र	ट	ना			स			य	म	ज
ना		ना		क	ला	म		क	ल	
	र		गै	र		ह	स्त		ना	
	क	वि		वा	द	क		सु		स
क	म	रा			श			ब	से	रा
प		म	न	मो	ह	न	सिं	ह		बो
ट			क		रा		गा			र
	म	त	ल	ब		ल	र	ज	ना	

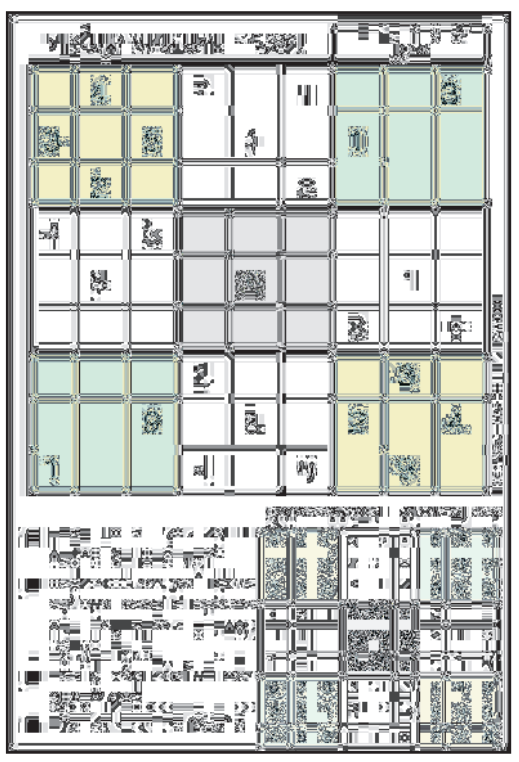

मेस्सी की विदाई में दिखा जादू, अर्जेंटीना ने बेनिन को 3-0 से हराया

मेस्सी युग का अंत, 21 साल 126 गोल और अनगिनत यादें



एजेंसी ▶▶| ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना एक ऐसी वास्तविकता का सामना कर रहा है, जिसकी कल्पना करना भी कभी मुश्किल था कि राष्ट्रीय टीम में महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी नहीं होंगे। मेस्सी की विदाई सिर्फ एक महान खिलाड़ी के संन्यास की कहानी नहीं, बल्कि अर्जेंटीना के फुटबॉल के एक स्वर्णिम अध्याय के खत्म होने का भी अहसास है।

मेस्सी (39 वर्ष) ने अर्जेंटीना की जर्सी में अपना आखिरी मैच खेला और दो दशक से अधिक लंबे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर को भावुक विदाई दी। जिस खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के फुटबॉल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, उसके जाने के साथ टीम एक ऐसे युग के अंत की गवाह बनी, जिसे हमेशा याद किया जाएगा। मेस्सी ने 21 वर्षों तक खेलते हुए 126 गोल दागे, दो कोपा अमेरिका खिताब और एक विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहा। उन्होंने विदाई मैच में बेनिन पर मिली 3-0 की जीत में पेनल्टी पर गोल किया और अन्य दो गोल करने में मदद की।



मैं इस मैदान को नहीं छोड़ना चाहता : मेस्सी

मेस्सी ने कहा, ' सच तो यह है कि मैं जितना कभी बोला हूं, उससे ज्यादा बोल रहा हूं। मैं यहां से नहीं जाना चाहता, मैं इस मैदान को नहीं छोड़ना चाहता। मैं बस आपसे कहना चाहता हूं कि मैं आपसे प्यार करता हूं, मुझे आपकी कमी खलेगी और मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मैं अर्जेंटीना का हूं। '' अपने लोगों का दिल जीतना

85,000 से अधिक टिकट 90 मिनट में बिके

ब्यूनस आयर्स के सबसे बड़े स्टेडियम के 85,000 से अधिक टिकट 90 मिनट में बिक गए। शुरुआत में करीब 60 से 300 डॉलर कीमत वाले इन टिकटों की दोबारा बिक्री वाली वेबसाइटों पर कीमत 2,500 डॉलर से भी अधिक पहुंच गई। अर्जेंटीना की 1978, 1986 और 2022 की विश्व कप विजेता टीमों के खिलाड़ी उन्हें विदाई देने के लिए लौटे। मैच खत्म होने के बाद मेस्सी की आंखें नम हो गईं, जब उनके साथी उनके चारों ओर इकट्ठा होकर तालियां बजाने लगे। ''ओले, ओले, ओले, ओले, मेस्सी, मेस्सी'' का गूंजता हुआ स्वर स्टैंड से उठा जबकि हजारों प्रशंसक उछलते हुए गा रहे थे और उनकी ओर ऐसे झुके मानो उनकी पूजा कर रहे हों। मिडफील्ड में एक बैनर ने उन्हें 'इटरनल' (शाश्वत) कप्तान घोषित किया।

आईसीसी रैंकिंग : भारतीय कप्तानों का जलवा अय्यर 7वें पायदान पर, टॉप पर बरकरार गिल

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारुप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई। इस विस्फोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ, जिससे वह इस प्रारुप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं।



शीर्ष 10 में शामिल भारत के 4 बल्लेबाज

ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं, जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। पंद्रह वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गिल की शीर्ष पर स्थिति मजबूत

गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। यह वनडे प्रारुप में उनका दूसरा दोहरा शतक था, जिसने उन्हें 25 रेटिंग अंक दिलाए और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंकों की बराबरी की। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक के बाद केएल राहुल को सात पायदान का फायदा हुआ, जिससे वह 10वें स्थान से शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।

रदरफोर्ड को 10 पायदान का फायदा : वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर पहुंचा दिया जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (62 पायदान के फायदे से 48वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं।

प्रणय, मानेपल्ली और चौहान बाहर कृष्णा और पृथ्वी की जोड़ी जीती

वांता (फिनलैंड) (भाषा)। कृष्णा प्रसाद गारागा और पृथ्वी कृष्णामूर्ति रॉय की जोड़ी ने चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त ही जि तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराया लेकिन भारत के पुरुष एकल खिलाड़ियों का आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन के पहले दौर में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। कृष्णा और पृथ्वी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त ही और रेन को 10 . 21, 21 . 18, 22 . 20 से मात दी । हालांकि एचएस प्रणय, थारुन मानेपल्ली और रौनक चौहान पुरुष एकल में पहले दौर की बाधा पार करने में विफल रहे।

चौंतीस वर्ष के प्रणय को चौथी वरीयता प्राप्त डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन ने 21 . 10, 21 . 9 से हराया । चौहान को चीन के वेंग होंग यांग के खिलाफ 20-22, 22-20, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि मान्नेपल्ली को डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन ने 21-16, 21-14 से शिकस्त दी। तन्वी शर्मा ने ताईवान की चियू पिन चियान को 21 . 15 , 21 . 17 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन ईशारानी बरूआ को शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन ने 21 . 10, 21 . 15 से मात दी ।

स्वियातेक ने 1 घंटा 36 मिनट में जीता मैच, क्वार्टर फाइनल में एंट्री

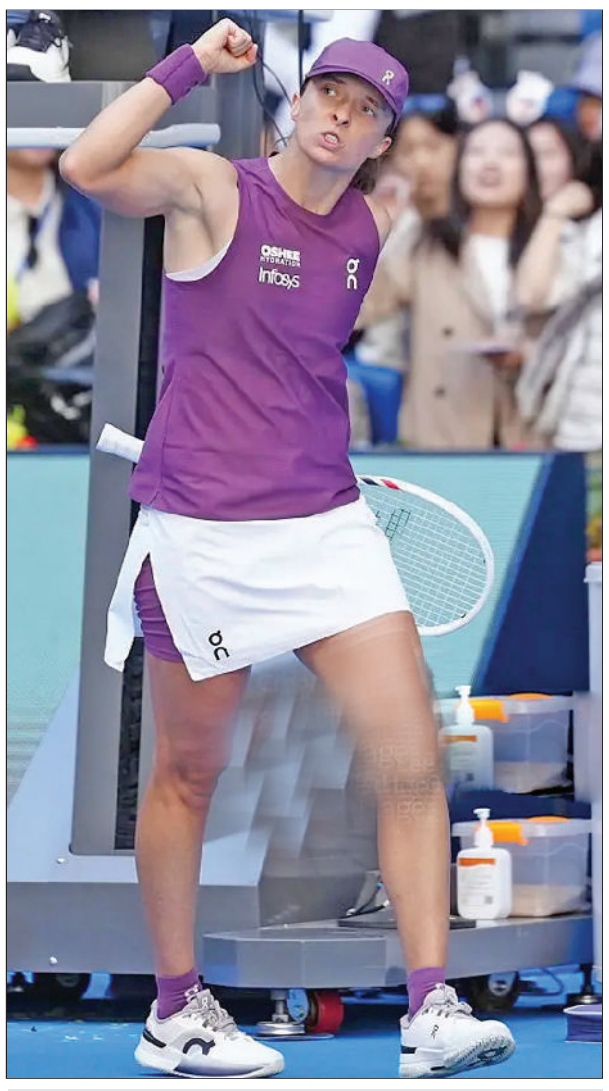

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

इगा स्वियातेक ने अमेरिकी टीनएजर इवा जोविच के खिलाफ 6-1, 6-3 से जीत दर्ज करते हुए चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन को जीत हासिल करने में सिर्फ 1 घंटा 36 मिनट लगे। दूसरे सेट में जोविच ने वापसी की थोड़ी-बहुत कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद जोविच ने मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा।

पोलिश स्टार ने लगभग तुरंत ही अपना दबदबा बना लिया और शुरुआती पांच गेम तेजी से जीत लिए। जोविच ने छठे गेम में दो सेट प्वाइंट्स बचाकर आखिरकार अपना खाता खोला, लेकिन स्वियातेक शांत रहीं और आखिरकार अपने पांचवें मौके पर सेट जीत लिया।

जोविच ने दिखाया आक्रामक खेल

वर्ल्ड नंबर-13 जोविच ने दूसरे सेट की शुरुआत में ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया। स्वियातेक ने शुरुआती गेम में सर्विस तोड़ी और 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन टीनएजर ने अपने ग्राउंडस्ट्रोक में बेहतर गहराई हासिल करना शुरू किया और जल्द ही बराबरी कर ली। अगले गेम में दो ब्रेक प्वाइंट्स बचाकर 3-2 की बढ़त बनाने के बाद मोमेंटम कुछ समय के लिए जोविच की ओर झुक गया। हालांकि, स्वियातेक ने अहम मोड़ पर फिर से नियंत्रण हासिल किया और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस लगातार दो बार तोड़कर मैच को अपनी पकड़ में कर लिया।

कोको से हो सकता है अगला मुकाबला

स्वियातेक का अगला मुकाबला तीसरी सीड कोको गॉफ या 13वीं सीड एलिस मर्टेंस से होगा। स्वियातेक का दोनों संभावित प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड बेहतर रहा है। गॉफ के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 11-5 और मर्टेंस के खिलाफ 2-0 का है। हालांकि, गॉफ के साथ संभावित मुकाबले में एक अतिरिक्त कहानी भी जुड़ी होगी। हालांकि स्वियातेक ने पिछले 16 मुकाबलों में से 11 जीते हैं, लेकिन गॉफ ने अपनी पिछली चार भिड़ंतों में जीत हासिल की है, और वे सभी सीधे सेटों में जीती हैं।



टिम साउदी का रिकॉर्ड ध्वस्त : रोहतक के तन्मय बने यूथ टेस्ट के नए 'किंग ऑफ स्पिन

रोहित डागर ▶▶| रोहतक

क्रिकेट के मैदान पर जब कोई युवा खिलाड़ी अपनी कला से इतिहास रचता है, तो वह पल हमेशा के लिए अमर हो जाता है। भारत अंडर-19 और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के बीच खेले गए दूसरे यूथ टेस्ट में कुछ ऐसा ही कमाल कर दिखाया है रोहतक युवा स्पिनर तन्मय बलोदा ने। उनकी कातिलाना गेंदबाजी के दम पर भारतीय युवा टीम ने कंगारुओं को 10 विकेट से रौंदकर सीरीज पर 2-0 से ऐतिहासिक कब्जा जमा लिया है। तन्मय ने इस मुकाबले में अपनी फिरकी का ऐसा मायाजाल बुना कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज चारों खाने चित्त नजर आए। उन्होंने मैच में कुल 14 विकेट झटककर विश्व क्रिकेट में तहलका मचा दिया है। पहली पारी में 32 रन देकर 6 विकेट और दूसरी पारी में महज 41 रन देकर 8 विकेट यानी कुल 73 रन पर 14 शिकार किए। यह यूथ टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का सबसे बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन है।

तन्मय ने 14 विकेट झटककर विश्व क्रिकेट में तहलका मचा दिया

तन्मय की घूमती गेंदों के आगे नतमस्तक हो गए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

तन्मय बलोदा के ऐतिहासिक प्रदर्शन से भारत अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को रौंदा

न्यूजीलैंड के दिग्गज टिम साउदी और भारत के एस. विद्युत

इसके साथ ही तन्मय ने न्यूजीलैंड के दिग्गज टिम साउदी (12/92) और भारत के एस. विद्युत (12/122) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वह यूथ टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। टिम साउदी ने 12 विकेट लेकर रिकॉर्ड 2007 में भारत के खिलाफ बनाया और एस विद्युत ने 2001 में भारत की ओर से 12 विकेट लेकर रिकॉर्ड बनाया था। गेंदबाजी के अलावा तन्मय ने पहली पारी में 28 रनों का उपयोगी योगदान भी दिया। मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 174 रन पर सिमटी। इसके जवाब में भारत ने 315 रन बनाए और 141 रन की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम तन्मय की फिरकी के आगे फिर लड़खड़ाई और 151 रन पर ढेर हो गई। भारत ने बिना कोई विकेट खोए लक्ष्य हासिल कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। तंमय के इस प्रदर्शन से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। तंमय के पिता धर्मवीर ने कहा कि बेटे ने बहुत शानदार गेंदबाजी की है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 2025 में कूच बिहार ट्रॉफी में भी तंमय ने 14 विकेट लिए थे। तंमय ने अपनी सफलता का श्रेय हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी, मेंटर अश्वनी व परिवार को दिया है।

एशियाई पैरा खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे भगत-भाविना

18 से 24 अक्टूबर तक नागोया में होगा एशियाई पैरा खेल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल 18 से 24 अक्टूबर तक जापान के नागोया में होने वाले एशियाई पैरा खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे।

भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल भगत ने 2014 से 2023 के बीच एशियाई पैरा खेलों में छह पदक जीते हैं, जिनमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना ने 2018 से 2023 के बीच एशियाई पैरा खेलों में एक रजत और एक कांस्य पदक जीता है। भाविना ने कहा, 'भारत का ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बेहद गर्व का क्षण है।' उन्होंने कहा, 'जब आप तिरंगा थामते हैं तो आपको एहसास होता है कि आप अपने से कहीं बड़ी चीज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैं प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि हमारे सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।





8 अक्टूबर को रवाना होगा भारतीय दल

भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) 8 अक्टूबर को विशेष विदाई समारोह में भारतीय दल को औपचारिक रूप से रवाना करेगी। समारोह में खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि होंगे जबकि युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। पीसीआई अध्यक्ष देवेंद्र झाझडिया ने कहा, ' उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल का भारतीय दल का नेतृत्व करना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है।'

नेशंस लीग

हैरी केन ने खेला 125वां मैच, दागे शानदार दो गोल

इंग्लैंड ने चेकिया को 3-0 से हराया



एजेंसी ▶▶| लंदन

इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने अपने करियर के 125वें अंतरराष्ट्रीय मैच में दो गोल दागकर एक खास रिकॉर्ड की बराबरी की। उनकी शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने चेकिया को हराया और अगले साल गर्मियों में होने वाले यूईएफए नेशंस लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया। केन के दो गोल ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। केन ने सिर्फ 11 साल और 193 दिनों में इंग्लैंड के लिए 125 मैच खेलने का मुकाम हासिल किया। यह शिलटन (19 साल, 224 दिन) की तुलना में 8 साल और 31 दिन कम समय है।

केन ने इस मुकाबले में दो गोल किए, जो उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के 90वें और 91वें गोल रहे। इंग्लैंड ने चेकिया को 3-0 हराकर मैच अपने नाम कर लिया।

सोनम की नजरें विश्व चैंपियनशिप में ओलंपिक कोटा हासिल करने पर

मुंबई (भाषा)। एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता निशानेबाज सोनम मास्कर ने बुधवार को कहा कि उनकी नजरें अगले महीने होने वाली आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए कोटा स्थान हासिल करने पर हैं।

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप का आयोजन कतर के दोहा में एक से 14 नवंबर तक किया जाएगा जिसमें 2028 ओलंपिक के लिए कुल 36 कोटा स्थान दांव पर होंगे। सोनम ने यहां पश्चिम रेलवे द्वारा आयोजित मीडिया बातचीत के इतर पीटीआई वीडियो से कहा, ''एक महीने बाद विश्व चैंपियनशिप है जहां ओलंपिक कोटा उपलब्ध हैं।''

2036 ओलंपिक मेजबानी : पेश होगी दावेदारी की पहली प्रस्तुति

भारत का विजन 'राइजिंग टुगेदर'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने घोषणा की कि 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी 'राइजिंग टुगेदर' (साथ मिलकर आगे बढ़ना) के विजन पर आधारित होगी और देश इस महीने के अंत में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग के सामने अपनी दावेदारी की पहली प्रस्तुति देगा। आईओसी ने कहा था कि भारत, जर्मनी, कतर और तुर्किये समेत सात देशों ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी में दिलचस्पी जताई है इसलिए इन देशों को अगले महीने आईओसी के भविष्य मेजबान आयोग के सामने अपने खेलों से जुड़े प्रस्ताव पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया है।



युवाओं के लिए पैदा होंगे नए अवसर

मांडविया ने कहा, '2036 के लिए भारत की महत्वाकांक्षा एक सरल विचार पर आधारित है कि खेल हमारे देश के भविष्य को आकार देने में मदद कर सकते हैं। ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी से लाखों युवा भारतीय खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे, स्वस्थ और सक्रिय समुदाय मजबूत होंगे तथा शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा होंगे।'

भारत में नहीं हुआ ओलंपिक का आयोजन

अहमदाबाद ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत का पसंदीदा का शहर है। भारत में अब तक ओलंपिक का आयोजन नहीं हुआ है। भारत ने 2024 में खेलों की मेजबानी के लिए अपना दिलचस्पी पत्र (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) आईओसी को सौंपा था। उषा ने कहा कि आईओए भारत की ओलंपिक मेजबानी की आकांक्षाओं को आईओसी की ओर से मिली मान्यता से बेहद सम्मानित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हमें भविष्य के खेलों के संभावित मेजबानों के एक असाधारण समूह का हिस्सा होने पर गर्व है।

'राइजिंग टुगेदर' महज एक नारा नहीं

उषा ने कहा, 'हमारे लिए 'राइजिंग टुगेदर' महज एक नारा नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और विविधता को एक साझा ओलंपिक सपने के पीछे एकजुट करने की मजबूत प्रतिबद्धता है। ''उन्होंने कहा, ''2036 के लिए विजन (परिकल्पना) तैयार करते समय भारत ऐसे खेलों की मेजबानी करना चाहता है, जो एक युवा, गतिशील और उभरते भारत के आत्मविश्वास को दर्शाएं। साथ ही, यह ओलंपिक और पैरालंपिक आंदोलनों की नई पीढ़ियों, नए समुदायों और दुनिया भर में नए क्षितिज तक पहुंचने की महत्वाकांक्षा में योगदान दे।

मानुष-दीया की जोड़ी चीन स्मैश के सेमीफाइनल में

बीजिंग (भाषा)। मानुष शाह और दीया चितले बुधवार को यहां डब्ल्यूटीटी चीन स्मैश के क्वार्टर फाइनल में रोमानिया के एडवर्ट इयोनेस्कु और बर्नाडेट जोक्स को 3-0 से हराकर इतिहास रचते हुए डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी बन गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में रोमानियाई जोड़ी को 11-9, 13-11, 11-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए पिछले साल रोमानियाई जोड़ी के हाथों सीधे गेम में मिली हार का बदला भी चुकता किया। हालांकि भारत के मानव ठक्कर पुरुष एकल के अंतिम 32 दौर में फ्रांस के सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्सिस लेबून से 0-3 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। महिला युगल में दीया और यशस्विनी घोरपड़े की जोड़ी को भी अंतिम 16 के मुकाबले में चीन की गाओ युशिन और शियांग जुनलिन के खिलाफ 2-3 से करीबी हार का सामना करना पड़ा।



संघर्ष को खत्म कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार भारत

रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए मध्यस्थता करेगा भारत, सौंपी 'तीन सूत्रीय शांति योजना'



■ बोले जायसवाल, योजना के माध्यम से भारत ने संवाद-कूटनीति के जरिए सभी हितधारकों के बीच ईमानदार और व्यावहारिक संवाद पर दिया जोर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

करीब पांच वर्षों से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने पहली बार दोनों देशों के बीच मध्यस्थता करने के लिए तीन सूत्रीय शांति योजना का एक व्यापक प्रस्ताव सौंपा है। जिसका आखिरकार उद्देश्य हर हाल में इस युद्ध की समाप्ति पर केंद्रित है। वहीं, दूसरी ओर इससे साफतौर पर यह भी स्पष्ट हो जाता है कि अब भारत इस लड़ाई को खत्म कराने के लिए वैश्विक स्तर पर बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। कूटनीतिक सूत्रों ने बताया कि नई दिल्ली का शांति प्रस्ताव केवल दोनों पक्षों के बीच महज गोलीबारी पर विराम लगाने या किसी क्षेत्र विशेष तक ही सीमित नहीं है। बल्कि इसमें विस्तृत रूप कुछ महत्वपूर्ण मामलों का उल्लेख किया गया है। जिसमें ऊर्जा ढांचे की सुरक्षा, समुद्री क्षेत्र में अनाज व ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति को बरकरार रखना और काला सागर जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक समुद्री मार्गों से व्यापारिक जहाजों और नौवहन की सुरक्षा को सुनिश्चित करना मुख्य है। यहां बता दें कि इस युद्ध से अब तक कुल करीब 6 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई हैं। जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं।

विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रियाः इस विषय पर बुधवार को राजधानी में हुई मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत के रुख से पूरी दुनिया भलीभांति परिचित है। नई दिल्ली ने अपनी इस कवायद के जरिए बातचीत और कूटनीति के माध्यम से दोनों देशों सहित इस युद्ध से जुड़े अन्य सभी प्रमुख हितधारकों के बीच ईमानदार और व्यावहारिक संवाद की वकालत की है। जिससे अंततः संघर्ष का स्थायी समाधान निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन सहित अन्य भागीदारों के साथ हमारे देश की वार्ता इसी व्यापक दृष्टिकोण के तहत की गई है।

अंतहीन युद्ध के अंत की ओर बढ़ने का वक्तः मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर साफ तौर पर ये कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है और विवाद का समाधान रणभूमि में नहीं निकाला जा सकता है। बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई अपनी मुलाकात में भी पीएम मोदी ने कहा था कि अंतहीन युद्ध से निकलकर युद्ध के अंत की ओर बढ़ने का समय आ गया है। इसी विचार के साथ आगे बढ़ते हुए भारत ने दोनों देशों के साथ बातचीत की है। जिसे रूस और यूक्रेन दोनों ने सराहा है। रूस के राष्ट्रपति और यूक्रेन के विदेश मंत्री के बयानों से इस तथ्य की तस्दीक होती है। जहां तक प्रस्ताव में शामिल जरूरी बिंदुओं का मसला है। तो उसे लेकर विदेश मंत्री जयशंकर द्वारा एक हालिया कार्यक्रम में इस बाबत जानकारी दी जा चुकी है।

जयशंकर ने यूक्रेन यात्रा में सौंपा प्रस्तावः सूत्रों ने कहा कि भारत की तरफ से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इस शांति प्रस्ताव को पिछले सितंबर महीने में अपनी यूक्रेन यात्रा के दौरान सौंपा था। जिसकी पुष्टि खुद कीव के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने करते हुए कहा था कि उन्हें भारत का शांति प्रस्ताव मिला है। जो कि इस मामले पर अब तक दुनिया के बाकी तीन देशों जैसे अमेरिका, तुर्किये और मिस्र की तरफ से सौंपे गए प्रस्ताव से बेहद व्यापक है। यूक्रेन इन सभी प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। सिबिहा के मुताबिक, यूक्रेन रूस के साथ शांति समझौते को लेकर अलग-अलग मतों पर मंथन करने के लिए राजी है। लेकिन हमारी शर्त यही है कि जो भी समझौता हमारे पास आए। उसमें मौजूदा दौर में जारी लड़ाई को रोकने के अलावा ऊर्जा-बंदरगाहों पर हमलों और काला सागर की स्थिति का भी समावेश किया जाना चाहिए।

पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफः यूक्रेन के विदेश मंत्री की यह टिप्पणी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा मामले पर आम सहमति के माध्यम से समस्या का समाधान ढूंढने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेहतरीन विचारों की प्रशंसा करने के तुरंत बाद सामने आया है। रूसी राष्ट्राध्यक्ष ने इस संघर्ष को पूरी तरह से खत्म कराने की कोशिशों के साथ-साथ अपनाए गए तटस्थता के रुख की भी सराहना की। हाल ही में राजधानी में हुई म्यूनिख सिक्योरिटी कांफ्रेंस में विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने मामले पर भारत केवल शांति स्थापित करने पर जोर देने से आगे बढ़ चुका है। हम मास्को और कीव के बीच युद्ध को समाप्त कराने के लिए व्यावहारिक बातचीत कर रहे हैं। हालिया महीनों में भारत ने दोनों देशों के साथ संवाद किया है। जिसमें मुख्य रूप से काला सागर में जहाजरानी की सुरक्षा व ऊर्जा ढांचे पर हमलों पर रोक लगाने पर विचार-विमर्श किया गया है।

युद्ध में महिलाओं, बच्चों को न बनाए निशाना

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से इस युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान को लेकर अपने देश के पक्ष को मजबूती के साथ समूची दुनिया के सामने रख चुके हैं। जिसमें उन्होंने कहा है कि यह युग युद्ध का नहीं है। युद्धक्षेत्र में शांति की बात संभव नहीं है। इसके लिए दोनों देशों को बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने युद्ध के बीच महिलाओं और मासूम बच्चों को निशाना बनाने का भी पुरजोर अंदाज में विरोध किया है। इसके अलावा भारत ने शांति स्थापना को लेकर जारी तमाम प्रयासों में किसी भी तरह से मदद पहुंचाने को लेकर भी सहमति जताई है।

लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार देब बोले, आतंकवाद के मामले पर पीड़ित और अपराधी के बीच अंतर करने में असमर्थ ओआईसी

भारत ने दो टूक अंदाज में यूएनजीए के मंच से खोली ओआईसी के 'डबल स्टैंडर्ड' की पोल

बोले जायसवाल, वर्षों से सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश टीवी पर जितना ड्रामा कर ले, उससे जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने एक बार फिर से बेहद कड़े अंदाज में इस्लामिक देशों के संगठन (ओआईसी) को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जमकर खरी-खोटी सुनाई है। मामला बीते दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की छठी समिति में वैश्विक आतंकवाद के खात्मे के उपाय विषय पर दिए गए नई दिल्ली के राष्ट्रीय वक्तव्य से जुड़ा हुआ है। जिसमें यहां देश से अमेरिका गए 15 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा कि पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकवादी ढांचों के खिलाफ की गई सटीक कार्रवाई को लेकर ओआईसी के बयान को भारत सिरे से खारिज करता है। इससे और कुछ नहीं बल्कि यह पूरी तरह से साफ हो गया है कि यह संगठन मामले पर तथ्य और कल्पना से लेकर पीड़ित और अपराधी के बीच अंतर करने में पूरी तरह से असमर्थ है। जबकि यह वो तमाम इलाके हैं जहां से नई दिल्ली के खिलाफ आतंकी हमलों की साजिश रची गई यानी योजना बनाई गई और उसे अमलीजामा पहनाने के लिए निर्देशित भी किया गया था। यहां बताते चलें कि ये प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र (यूएन) परिचयात्मक सप्ताह के लिए अपनी यात्रा पर है। जिसके तहत जनप्रतिनिधि यूएन में तमाम कार्यक्रमों और बैठकों में शामिल होंगे।



आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे

देब यहीं पर नहीं रुके बल्कि उन्होंने यह भी साफ किया कि पाकिस्तान से प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अपने देश की आम जनता की रक्षा करना भारत का अधिकार है। आतंकवाद के हिमायती लोगों को परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने इस्लामिक देशों के संगठन के अध्यक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश को लेकर ओआईसी को कोई भी अनुचित टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उनके लिए बेहतर होगा कि वो इलाके पर किए गए पाकिस्तान के अनाधिकृत कब्जे पर अपना ध्यान केंद्रित करें।

जिसमें भी खासतौर पर पीओके के रावलकोट में जारी निर्दोष लोगों की हत्याएं, क्रूर ढंग से जारी हिंसा व वहां रह रहे आमजन को उनके मूलभूत बुनियादी अधिकारों से वंचित किया जाना शामिल है। ऐसे में ओआईसी द्वारा सोच समझकर की गई यह अनदेखी सिर्फ और सिर्फ कट्टरता और असहिष्णुता को ही दर्शाती है।

महासभा में ओआईसी से सऊदी अरब ने दिया बयान

गौरतलब है कि यूएनजीए के मंच से यह भारत विरोधी बयान ओआईसी की तरफ से सऊदी अरब ने दिया है। जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर से जुड़े यूएनएससी के प्रस्तावों का भी जिक्र किया। साथ ही दक्षिण पूर्व एशिया में सैन्य तनाव और पाकिस्तान में कई इलाकों में किए गए हमलों के बारे में टिप्पणी की। लेकिन उसमें भारत का नाम नहीं लिया गया है। लोकसभा सांसद ने कहा कि अपने खराब अनुभव से भारत को यह सीख मिली है कि आतंकवाद का संबंध किसी सैद्धांतिक विषय से इतर लगातार और रोजमर्रा की हकीकत से जुड़ा हुआ है। दशकों से भारत और उसके आम नागरिक सीमापार आतंकवाद का दंश झेलते रहे हैं। पिछले साल हुआ पहलगाम आतंकी हमला पुनः हमारे सामने आतंकवाद और ऐसे किसी हमले से जुड़ी भयंकर मानवीय कीमत को खुलकर सामने लाया। उन्होंने पहलगाम के हमले को भारत की संप्रभुता पर किया गया एक सुनियोजित हमला करार दिया और कहा कि इसे ऐसे आतंकी नेटवर्कों ने अंजाम दिया था। जिन्हें पश्चिमी सीमा पार मौजूद राज्य (पाकिस्तान) का पूर्ण संरक्षण जैसे सुरक्षित शरणस्थली, सामग्री और रसद सहायता प्रदान की जाती रही है। देब के मुताबिक, सीमा पार आतंकवाद के हर प्रकार, अभिव्यक्ति मानवता के लिए एक बड़े खतरों में से एक है। जिसके वैश्विक शांति, सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, लोकतांत्रिक व्यवस्था व मानवाधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं। आतंकवाद यूएन के मूल्यों के भी खिलाफ है।

मानवता के लिए बड़ी चुनौती आतंकवाद

अच्छा और बुरा आतंकवाद जैसा कुछ भी नहीं होता है। नागरिकों को निशाना बनाना कहीं से भी उचित नहीं है। उन्होंने पीएम मोदी के एक बयान को दोहराते हुए कहा कि भारत के लिए एक भी आतंकी हमला और एक भी जान का नुकसान बहुत बड़ी क्षति है। आतंकवादी हमलों को हम मानवता पर किया गया हमला मानते हैं।

टीवी पर किए ड्रामे से नहीं बदलेगी सच्चाई

उधर, बुधवार को हुई मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, एक ऐसा देश जो वर्षों से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है। यह एक प्रकार से पाकिस्तान के उस स्वभाव का हिस्सा है, जिसमें वो गलत बातें बोलने और उन्हें लेकर आगे आता है। लेकिन मैं यहां ये स्पष्ट करना चाहूंगा कि टेलीविजन के सामने जितना भी ड्रामा किया जाता है। उससे जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं हो सकता है।

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है

काला सागर में भारतीय सवार जहाजों पर नहीं रुक रहे हमले, नई दिल्ली ने दोहराई शांति की अपील

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया क्षेत्र में जारी युद्ध के बीच वैश्विक जलक्षेत्र में भारतीय सवार वाणिज्यिक जहाजों पर किए जा रहे हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामले का संबंध काला सागर में टोगो के राष्ट्रीय ध्वज वाले अल्फा वतन, पलाऊ के ध्वज वाले एबल और लाइबेरिया के ध्वज लगे हुए अफ्रामैक्स रियो नामक व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों से जुड़ा हुआ है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी कर बताया कि नई दिल्ली इन सभी हमलों की सख्त अंदाज में निंदा करती है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार किए जा रहे हमले भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय बने हुए हैं। जिसे देखते हुए हम ऐसे सभी हमलों पर तत्काल आधार पर रोक लगाने की अपनी पुरानी अपील को दोहराते हैं।



साथ ही सभी भागीदार पक्षों से यह आह्वान करते हैं कि वाणिज्यिक पोतों, नाविकों और नागरिक बुनियादी ढांचों को कभी भी किसी सूरत में निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

सुरक्षित बचाए गए 23 भारतीय, एक अन्य घायल

मंत्रालय के मुताबिक, जहाजों पर किए गए उक्त हमलों के मामले में एबल जहाज पर सवार चालक दल के कुल 18 लोगों में से 7 भारत के नागरिक हैं। जिनमें से एक घायल भी हुआ है। हमले के बाद बुल्गारिया के अधिकारियों की मदद से जहाज के चालक दल में शामिल सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकालकर बुल्गारिया के वार्ना शहर पहुंचाया गया है। जहां पर घायल हुए एक भारतीय को भी जरूरी चिकित्सा उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। मामले को लेकर बुल्गारिया द्वारा दिए गए सहयोग के लिए भारत अपनी ओर से आभार व्यक्त करता है। वहीं, एक अन्य घटना में अफ्रामैक्स रियो नामक पोत पर हुए हमले में चालक दल में शामिल सभी 23 लोग भारतीय नागरिक हैं और उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया है। फिलहाल मंत्रालय इस जहाज पर सवार चालक दल के सदस्यों के बारे में बाकी जानकारी मिलने का इंतजार कर रहा है।



रूस की सेना में भर्ती हुए 259 भारतीयों में से बाहर निकले 139, जबकि बाकी 69 के बारे में जरूरी अपडेट की तलाश में भारत

मंत्रालय की चेतावनी को दरकिनार कर रूस जाकर जान को जोखिम में न डालें भारतीयः जायसवाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने एक बार फिर से यूक्रेन युद्ध के बीच रूस की सेना में स्वेच्छा से भर्ती हो रहे भारतीयों को सख्त अंदाज में चेतावनी देते हुए कहा है कि इस मामले में आम-जनता से हमारी यही अपील है कि वो किसी भी तरह के रोजगार देने के झूठे और भ्रामक प्रलोभनों में न फंसे। क्योंकि युद्ध में सिर्फ और सिर्फ उनका खुद का जीवन ही खतरे में पड़ सकता है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया, बीते वक्त में मंत्रालय द्वारा जारी किए गए कुछ परामर्श यह साफ करते हैं कि मामले में लोगों को कहीं अधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। जिससे उन्हें बहला फुसलाकर रूस ले जाने के सिलसिले पर रोक लगेगी। देश के नागरिकों को भी यह समझना चाहिए कि उनके ऐसे किसी कदम से रूस में सीधे उनकी जान पर बन सकती है।

रूसी सेना में शामिल 69 भारतीयों की तलाश जारीः रणधीर ने कहा रूस में फंसे हुए भारत के लोगों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए हम मास्को के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क साधे हुए हैं। 259 लोग रूस की सेना में भर्ती किए गए थे। जिनमें से 139 को जल्द छुट्टी देकर बाहर कर दिया गया है। अभी भी नई दिल्ली के 69 लोग ऐसे हैं। जो रूस की सेना में तैनात हैं और उनके बारे में हम जरूरी जानकारी हासिल करना चाहते हैं। मामले में साफ तौर पर जान का जोखिम बहुत अधिक है। लेकिन यहां पर हमारी चिंता इस बात को लेकर भी बनी हुई है कि मंत्रालय द्वारा लगातार परामर्श जारी करने और चेतावनी के बावजूद हमें रिपोर्ट मिली है कि कई भारतीयों ने रूस की सेना की ओर रुख किया है। हमारे लिए गंभीर चिंता पैदा करता है।

रूस में भारतीयों की संख्या 70 हजारः रूस में फैली जानलेवा प्लेग की बीमारी को लेकर कहा कि रूस में भारतीयों की तादाद 70 हजार है। जिनमें से 30 हजार छात्र हैं। लेकिन जहां तक प्लेग का संबंध है तो उसे लेकर संबंधित देश के अधिकारी ही बेहतर बता पाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर देश के लोगों के लिए जो भी बेहतर होगा, हम करेंगे।

नेपाल में भारत के राजदूत होंगे सुधाकर दलेलाः भारत ने नेपाल में अपने अगले राजदूत के रूप में वरिष्ठ राजनयिक सुधाकर दलेला के नाम का प्रस्ताव रखा है। इस बाबत काठमांडू को मंगलवार को सूचित किया गया था। बता दें कि दलेला भारत के ब्रिक्स शेरपा थे। वह भूटान में भारत के राजदूत रहने के अलावा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (उत्तर) के पद पर भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं।

ऊर्जा आपूर्ति में राष्ट्रीय हितों को देते प्राथमिकताः जायसवाल ने कहा कि ऊर्जा उत्पादों की आपूर्ति के मामले में भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। जहां तक अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने को लेकर पारित किए गए हालिया कानून का मुद्दा है तो भारत लगातार अमेरिका के साथ साझा रूप से लाभप्रद द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर संपर्क बनाए हुए है। हमने उन्हें मामले पर अपनी चिंताओं से भी अच्छी तरह से वाकिफ कराया है।

नाविकों की सुरक्षा को लेकर मजबूत सहयोग चाहिएः रणधीर ने कहा कि हमने अपने देश के नाविकों को काला सागर से लेकर खाड़ी क्षेत्र में हुए हमलों में खोया है। जिसे देखते हुए भारत इस मामले में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने के पक्ष में है। मॉस्को फॉर्मेट की हालिया बैठक में विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (अफगान डेस्क) ने देश का नेतृत्व किया था। वार्ता के दौरान हमने एक बार फिर से अफगानिस्तान की स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

हसीना का प्रत्यर्पण कानूनी मामला : बांग्लादेश के साथ रचनात्मक, भविष्योन्मुखी संबंधों को बनाए रखने की भारत की इच्छा का जिक्र करते हुए कहा कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण का जहां तक संबंध है। तो उसे लेकर मैं यही कहूंगा कि यह एक कानूनी मामला है। जर्मनी में फास्टर केयर में रह रही भारत की बच्ची बेबी अरिहा के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे को बहुत अधिक महत्व देते हैं। ये एक कानूनी मामला है। हमारा दूतावास जर्मनी के अधिकारियों और वहां पर फास्टर केयर अधिकारियों के संपर्क में बना हुआ है। जहां बेबी अरिहा की सामान्य जरूरतों, शिक्षा और संस्कृति से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उसकी पढ़ाई से जुड़ी हुई किताबें भी दी गई हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109